THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

मोदी के कार्यक्रम से ठीक पहले 2 संदिग्ध पकड़ाए

एक ने खुद को पीएमओ अफसर बताया, साथ में हथियारबंद गार्ड था, फर्जी आईडी कार्ड मिला

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में पीएम मोदी की रैली से करीब दो घंटे पहले पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। बीकेसी स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में पीएमओ का अफसर बनकर पहुंचे 24 साल के युवक के साथ रिवाल्वर लिए गार्ड भी था। दोनों को हिरासत में लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच जांच कर रही है। पीएम मोदी शाम को करीब 5.45 बजे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का सातवां संस्करण 8 से 11 सितंबर तक मुंबई में आयोजित किया जा रहा है। >12

वर्ष-31 अंक : 160 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.13 2083 बुधवार, 9 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'नाराज फूफा' के बाद अब 'झूठ की गूंज'

पीएम मोदी ने विपक्ष को फिर घेरा

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। 'जेएनपीटी मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी को चलाया गया। इसके चलने से एक बार में 250 ट्रकों के ज्यादा सामान मुंबई से वडोदरा पहुंच गया। अब ये नाराज फूफाजी चिल्लाएंगे कि इन ट्रक वालों का क्या होगा। लेकिन अब सामान देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच पाएगा। अब भारत में रेल वहां भी पहुंच रही है, जहां पहले नहीं पहुंची।' यह बातें पीएम मोदी ने गुजरात के वडोदरा में कही है।

इससे पहले भी उन्होंने नाराज फूफा कहकर विपक्ष को घेरा था। दरअसल, पांच सितंबर को दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स यानी एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने उन लोगों पर निशाना साधा था, जो हर नए काम पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को 'नाराज फूफा' बताया था। एक बार फिर से पीएम मोदी ने इसी अंदाज में विपक्ष पर तंज कसा।

पहले उन्होंने कहा था कि कुछ लोग कोई भी काम शुरू होते ही 'नाराज फूफा' बन जाते हैं। उनका पसंदीदा काम हर चीज का विरोध करना है और उनका एक ही सवाल होता है-'इसकी क्या जरूरत है?' पीएम मोदी ने स्टैच्यू, हाई-स्पीड ट्रेन, यूपीआई, संसद की नई इमारत और सैनिक स्मारक जैसे कामों का उदाहरण भी दिया था। उन्होंने कहा था कि देश के लिए जो जरूरी है, उसे करने से भारत को कोई नहीं रोक सकता। पीएम मोदी 'नाराज फूफा' तक ही नहीं रुके। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी के कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर भी निशाना साधा है। पीएम मोदी ने कहा कि 'झूठ की गूंज' से भरमाने वाले हर चौराहे पर मिल जाएंगे लेकिन भारत का नौजवान सच की हुंकार से चलता है। सच की हुंकार के साथ चलता है। सच की हुंकार के लिए चलता है। हमारे युवा साथी ये देख रहे हैं कि आज देश में सोलर हो, विंड हो, हाइड्रो हो, न्यूक्लियर हो, सारे सेक्टर पर सरकार कितना फोकस से काम कर रही है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित होते भारत की जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि इससे देश के ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर का कायाकल्प हुआ है। पहले यात्री ट्रेन जिस ट्रैक पर चलती थी, उसी ट्रैक पर मालगाड़ी भी चलती थी। इससे यात्री और माल, दोनों की आवाजाही धीमी रहती थी। मोदी ने कहा कि फ्रेट कॉरिडोर ने इस व्यवस्था को बदल दिया है।

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा : पीएम मोदी

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और फिनटेक सेक्टर की बढ़ती पहुंच का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 देशों तक इसका विस्तार हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में लगातार तीसरी बार शामिल होने की खुशी है। उन्होंने इसे एक और 'हैट्रिक' बताते हुए कहा कि 2024 में तीसरी बार सरकार बनने की हैट्रिक के बाद यह उनके लिए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार आने की हैट्रिक है। उनके मुताबिक, यह इस बात को दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी अहम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बार फेस्ट में आने पर उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा युवा, ज्यादा ऊर्जा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। >12

पीएम मोदी पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

2019 का समन रद्द करने से इनकार

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 2018 में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है।

हाईकोर्ट ने 2019 में मजिस्ट्रेट अदालत की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ जारी किए गए समन को रद्द करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति एन आर बोरकर की एकल पीठ ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने गिरगांव मजिस्ट्रेट की ओर से 28 अगस्त 2019 को जारी आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश के तहत उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत पर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए थे।

हाईकोर्ट ने कहा कि उसे मजिस्ट्रेट की ओर से दिए गए आदेश में ऐसी कोई 'कानूनी गलती या विकृति' नहीं मिली, जिसके आधार पर अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। न्यायमूर्ति बोरकर ने कहा कि आदेश में कोई खामी नहीं है और इसलिए राहुल गांधी की याचिका खारिज की जाती है। हालांकि, हाईकोर्ट ने अपने नवंबर 2021 के उस आदेश को जारी रखा, जिसमें मजिस्ट्रेट अदालत को मानहानि की शिकायत पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए टालने का निर्देश दिया गया था। इस दौरान राहुल गांधी को मामले में राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने का रास्ता खुला रहेगा।

टीएमसी सांसद से जुड़े अखबार पर ईडी का शिकंजा

> 24 घंटे की तलाशी में 60 करोड़ की कथित गड़बड़ी

कोलकाता, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने टीएमसी के राज्यसभा सांसद नदीमुल हक और उनसे जुड़े एक उर्दू अखबार के ठिकानों पर 24 घंटे से ज्यादा समय तक तलाशी ली।

यह कार्रवाई सात सितंबर की सुबह शुरू हुई और मंगलवार तड़के पूरी हुई। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान करीब 60 करोड़ रुपये के लेनदेन में कथित वित्तीय अनियमितताएं सामने आई। इन लेनदेन के समर्थन में जरूरी रिकॉर्ड तुरंत नहीं मिल सके। अब एजेंसी इन पैसों के लेनदेन की पूरी कड़ी खंगाल रही है।

60 करोड़ रुपये के लेनदेन को लेकर ईडी को क्या शक?

ईडी कथित अवैध वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह भी देख रही है कि कहीं कुछ रकम हवाला चैनलों के जरिए तो नहीं भेजी गई। जांचकर्ताओं को करीब 60 करोड़ रुपये के ऐसे लेनदेन मिले हैं, जिनके लिए उन्हें तत्काल संतोषजनक रिकॉर्ड नहीं मिले। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये वास्तविक कारोबारी लेनदेन थे या रकम को अनौपचारिक माध्यमों से इधर-उधर किया गया। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने बैंक लेनदेन के रिकॉर्ड, वित्तीय दस्तावेज और डिजिटल सामग्री की जांच की। नदीमुल हक से उनके कोलकाता स्थित आवास और कार्यालय में भी पूछताछ की गई। ईडी अब इन दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर पैसों की आवाजाही को समझने की कोशिश कर रही है।

भारत के दौरे पर आएंगे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

> 11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक

मॉस्को, 8 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत दौरे पर आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय वार्ता प्रस्तावित है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को पुतिन और मोदी की मुलाकात की पुष्टि करते हुए कहा कि रूस भारत को अपने प्रमुख रणनीतिक साझेदारों में से एक मानता है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मॉस्को के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और रूस भारत के साथ अपने रिश्तों को विशेष महत्व देता है। पेस्कोव ने भारत-रूस के बीच व्यापारिक लेनदेन का भी जिक्र किया। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि, रूसी कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ लगाने का प्रस्तावित अमेरिकी कदम अवैध और अस्वीकार्य है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के साथ नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर बातचीत का इंतजार कर रहे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन का बचाव करते हुए रूसी प्रतिनिधि ने कहा कि यह संगठन किसी देश के खिलाफ नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि पुतिन और पीएम मोदी के बीच होने वाली इस बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध और मौजूदा हालात पर भी चर्चा हो सकती है।

दोनों नेता युद्ध की स्थिति और उसके असर पर बात कर सकते हैं। दोनों नेता गल्फ की खाड़ी में जारी तनाव भी बातचीत का हिस्सा बन सकता है। रूस का कहना है कि खाड़ी में चल रही घटनाओं का असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे में दोनों नेता इसके आर्थिक और रणनीतिक असर पर भी चर्चा कर सकते हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि भारत को रूस के अत्याधुनिक एसयू-57 लड़ाकू विमानों की बिक्री का मुद्दा दोनों देशों के बीच बातचीत के एजेंडे में शामिल है।

बीआरएस के दो एमएलसी गिरफ्तार और विधान परिषद से निलंबित

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में बीआरएस के दो विधान परिषद सदस्यों ताता मधुसूदन (ताता मधु) और बी. नवीन कुमार रेड्डी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों को अदालत द्वारा रिमांड याचिका खारिज किए जाने के बाद निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। वहीं, तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने दोनों एमएलसी को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने निलंबन का प्रस्ताव पेश किया, जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इससे पहले विधानसभा में भी दोनों सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया गया था। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा द्वारा पेश प्रस्ताव में दोनों के कथित आपत्तिजनक बयानों और विधानसभा की गरिमा के विपरीत आचरण की निंदा की गई। प्रस्ताव में बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव से अपने पार्टी सदस्यों के आचरण की जिम्मेदारी लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष से बिना शर्त माफी मांगने की अपील भी की गई।

टीएमसी के होर्डिंग हटाने से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित पार्टी ऑफिस से होर्डिंग बोर्ड हटाने को चुनौती दी गई थी। शीर्ष कोर्ट ने पार्टी से कहा कि वह अपनी सभी दलीलें कलकत्ता हाई कोर्ट के सामने रखे, जो पहले से ही इस मामले को देख रहा है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने तृणमूल की ओर से दायर याचिका का निपटारा करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट को सभी पक्षों की दलीलों पर शीघ्रता से निर्णय लेने का निर्देश दिया।

सीएमआरएल केस : केरलम के पूर्व सीएम विजयन परिवार पर दर्ज हो सकती है एफआईआर

ईडी ने डीजीपी को लिखा खत

तिरुवनंतपुरम, 8 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड से जुड़े कथित रिश्वत मामले में केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी टी. वीना और दामाद पी.ए. मोहम्मद रियास के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी ने इस संबंध में केरलम के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है।

पीएमएलए की धारा 66(2) के तहत भेजा गया पत्र

सरकारी सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66(2) के तहत यह पत्र भेजा है। इसमें मामले की जांच के दौरान सामने आए निष्कर्षों का हवाला दिया गया है। पीएमएलए के तहत धारा 66(2) ईडी को अपनी आपराधिक जांच से सामने आए निष्कर्ष किसी अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के साथ साझा करने का अधिकार देती है, ताकि नई एफआईआर या शिकायत दर्ज की जा सके। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए ऐसे मामले के आधार पर ईडी बाद में पीएमएलए के तहत भी मामला दर्ज कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने पीएमएलए के तहत इस मामले की जांच और तलाशी के दौरान मिले कथित 'सबूतों' के आधार पर केरलम के पुलिस महानिदेशक से पिनाराई विजयन, टी. वीना, पी.ए. मोहम्मद रियास और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। ईडी का आरोप है कि केरलम की माइनिंग कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड 'आईटी कंसल्टेंसी सर्विस' के नाम पर वीना की अब बंद हो चुकी कंपनी 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को 2.78 करोड़ रुपये का फर्जी भुगतान किया। केंद्रीय एजेंसी ने जून में वीना के उस ठिकाने पर भी तलाशी ली थी, जहां वह राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में पिनाराई विजयन के साथ किराए के मकान में रह रही थीं। इसके बाद ईडी ने उनसे पूछताछ भी की थी।

हाथ से लिखे नोट और दुबई फंड ट्रांसफर का जिक्र

ईडी ने अगस्त में जारी एक बयान में कहा था कि वीना टी. के खिलाफ की गई तलाशी के दौरान कुछ 'हाथ से लिखे' नोट जब्त किए गए थे। एजेंसी के मुताबिक, इन नोटों में दुबई में कुछ फंड ट्रांसफर किए जाने का विवरण दर्ज था। वीना के पति और सीपीआई(एम) नेता पी.ए. मोहम्मद रियास ने कहा था कि वह और पार्टी ईडी की कार्रवाई का राजनीतिक और कानूनी, दोनों स्तरों पर सामना करेंगे।

1,020 करोड़ के घोटाले में घिरे पूर्व मंत्री केएन नेहरू पर एफआईआर

पार्टी फंड के नाम पर वसूली का आरोप

चेन्नई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। डीवीएसी ने पूर्व मंत्री केएन नेहरू को मुख्य आरोपी और 12 अन्य लोगों को 1,020 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में सरकारी टेंडर में बड़ी गड़बड़ी और रिश्वत लेने का आरोप है।

एफआईआर में डीएमके नेता के भाइयों और डीएमके के दो पूर्व विधायकों एस. सुदर्शनम और जे.जे. एबेनेजर का नाम शामिल है। उन पर आरोप है कि उन्होंने ठेकेदारों की सिफारिश की, टेंडर की जानकारी साझा की। इसके साथ ही कथित तौर पर रिश्वत की रकम का हिसाब-किताब किया।

सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय के दस्तावेज में दावा किया गया है कि डीएमके नेता ने वरिष्ठ नौकरशाहों तक पहुंचने में मदद की और टेंडर देने की प्रक्रिया को प्रभावित किया। दस्तावेज में आरोप लगाया गया है कि नगर प्रशासन और जलापूर्ति विभाग के पूर्व मंत्री ने अपने भाइयों को अपने करीबी सहयोगी के साथ मिलकर ठेकेदारों और सरकारी कर्मचारियों से पार्टी फंड के नाम पर अवैध पैसे वसूलने की इजाजत दी थी। इसमें कहा गया है कि इस तरह का 1,020 करोड़ रुपये का अवैध फायदा उठाया गया। यह अवैध वसूली कॉन्ट्रैक्ट की कुल कीमत के 7.5 से 10 प्रतिशत के बराबर पार्टी फंड के तौर पर की गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय की 258 पन्नों की रिपोर्ट के आधार पर डीवीएसी की जांच के बाद शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया, जिसमें 2021 और 2025 के बीच सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया था। इसमें कहा गया है कि नेहरू मुख्य आरोपी थे। उनके भाई के.एन. मणिवन्नन और एन. रविचंद्रन अवैध रिश्वत की वसूली और उसे वितरित करने में समन्वय कर रहे थे।

भारत में 2027 के अंत तक पटरियों पर दौड़ेगी बुलेट

> रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया समय का एलान

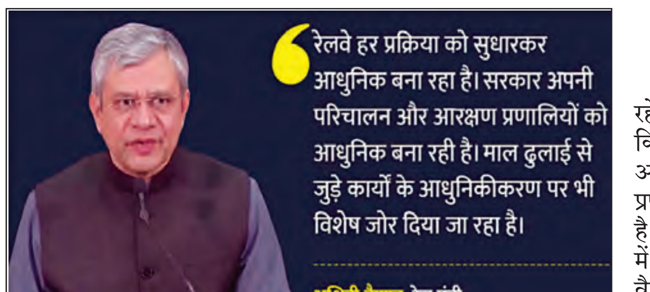

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बुलेट ट्रेन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि भारत की अपनी बुलेट ट्रेन का परीक्षण अगले साल मई या जून 2027 से शुरू हो जाएगा।

परीक्षण चरण के बाद दो से चार महीने के भीतर इसका उद्घाटन भी किया जाएगा। वाणिज्यिक संचालन 2027 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। वैष्णव वडोदरा में आयोजित 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने जानकारी दी कि बुलेट ट्रेन का पहला बॉडी फ्रेम हाल ही में पूरा हुआ है। इसे अब निचोड़ परीक्षण के लिए भेजा गया है। मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन से वडोदरा से मुंबई तक का सफर केवल डेढ़ घंटे में पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सूरत-वापी खंड पर निर्माण कार्य इस साल दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह पूरी परियोजना आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित की जा रही है।

भारतीय रेलवे में क्या बड़े बदलाव हो रहे हैं?

रेल मंत्री ने भारतीय रेलवे में चल रहे व्यापक बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी परिचालन और आरक्षण प्रणालियों को आधुनिक बना रही है। साथ ही पुरानी निर्माण प्रथाओं में भी सुधार किया जा रहा है। वैष्णव ने बताया कि रेलवे हर प्रक्रिया को सुधारकर आधुनिक बना रहा है। इसमें माल ढुलाई कार्यों के आधुनिकीकरण पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

इसके तहत नए वैगन डिजाइन तैयार किए गए हैं, जिसमें नमक परिवहन के लिए एक विशेष डिजाइन भी शामिल है। मंत्री ने बताया कि कई लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं। इनमें चेनाब ब्रिज और मिजोरम को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने वाली परियोजना प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि देशभर में 280 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है।

एलएसी पर शांति-स्थिरता बनाए रखने को लेकर भारत और चीन सेनाओं की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सीमा विवाद को लेकर बीजिंग में विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता के कुछ दिन बाद भारत और चीन की सेनाओं ने अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति की समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के किबिथू क्षेत्र में वाचा-दमाई सीमा बैठक स्थल पर हुई कोर कमांडर स्तर की वार्ता का मुख्य उद्देश्य सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सेना की दीमापुर स्थित तीसरी कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। भारत-चीन के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी क्षेत्र में एलएसी के पास चीनी सैनिकों की ओर से आक्रामक सैन्य गतिविधियों की खबरें सामने आई हैं। >12

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा : सुप्रीम कोर्ट 10 सितंबर को करेगा मामले पर सुनवाई

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के मामले से जुड़े मुद्दों पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे मामले को अपने पास ट्रांसफर किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट में उठाए गए मुद्दे गंभीर हैं और सुप्रीम कोर्ट में पूरे देश से जुड़े ऐसे ही मामलों की सुनवाई से मिलते-जुलते हैं। रविवार को सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत गिरने से सात छात्रों की मौत हो गई थी और पांच लोग घायल हुए थे। हादसे के बाद बचाव अभियान 27 घंटे से ज्यादा समय तक चला। सुप्रीम कोर्ट में मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की गई।

असम की सरकारी स्कीम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक, भर्ती प्रक्रिया पर क्यों उठे सवाल?

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम सरकार और उसके शिक्षा विभागों को निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि वे राज्य में सरकारी स्कीम (प्रोविंशियलाइजेशन) स्कीम के तहत स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति या उन्हें शामिल न करें।

क्या है पूरा मामला?

बेंचर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल करने की कानूनी योजना के तहत, राज्य सरकार तय वेतन और ग्रेच्युटी, पेंशन व छुट्टी के बदले नकद भुगतान (लीव एनकैशमेंट) की देनदारियों को अपने ऊपर ले लेती है। ये भुगतान राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए लागू मौजूदा नियमों के अनुसार किए जाते हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ ने जनहित याचिका के याचिकाकर्ताओं राजेश चौहान और माधव मुकुंद पुजारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार की दलीलों पर ध्यान दिया।

इसे क्यों दी गई चुनौती?

जनहित याचिका में प्रांतीयकरण (प्रोविंशियलाइजेशन) ढांचे को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि यह कथित तौर पर निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी भर्ती प्रक्रिया के बिना सरकारी सेवाओं में प्रवेश की अनुमति देता है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि इस तरह का तंत्र असंवैधानिक है। संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन करता है, जो सार्वजनिक रोजगार के मामलों में कानून के समक्ष समानता और अवसर की समानता की गारंटी देते हैं। याचिका में खास रूप से असम शिक्षा (शिक्षकों की सेवाओं का प्रांतीयकरण और शैक्षणिक संस्थानों का पुनर्गठन) अधिनियम, 2017 के उन प्रावधानों को चुनौती दी गई है, जिनमें कथित तौर पर ऐसे व्यक्तियों के प्रांतीयकरण की अनुमति दी गई है, जिनके पास संसदीय अधिनियमों और शिक्षक पात्रता को नियंत्रित करने वाले वैधानिक नियमों और विनियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं नहीं हैं।

शिक्षकों से संबंधित क्या चुनौती दी गई?

इसने शिक्षकों के प्रांतीयकरण से संबंधित प्रावधानों को भी चुनौती दी। यह तर्क देते हुए कि जिन व्यक्तियों के पास लागू कानूनों के तहत निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं नहीं हैं, उन्हें सरकारी और प्रांतीयकृत शैक्षणिक संस्थानों में कक्षा शिक्षण प्रदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

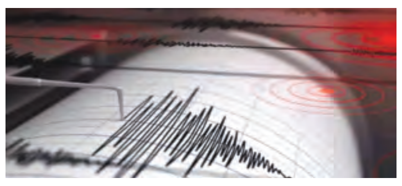

अरुणाचल प्रदेश में सुबह-सुबह महसूस किए गए भूकंप के झटके, 2.9 रही तीव्रता

इटानगर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के विछोम क्षेत्र में मंगलवार सुबह हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गई। भूकंप सुबह 5 बजकर 44 मिनट 15 सेकंड पर आया।

एनसीएस के मुताबिक, भूकंप का केंद्र 27.540 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 92.817 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इसकी गहराई जमीन के भीतर करीब 10 किलोमीटर थी। भौगोलिक स्थिति के अनुसार, इसका केंद्र तवांग के आस-पास के क्षेत्र में बताया जा रहा है।

मणिपुरी संगीतकार की हत्या

राहुल बोले- शाह का गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कर रही

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की मौत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चोंगथम विक्रम सिंह मणिपुर के एक प्रसिद्ध संगीतकार, अपने घर के बाहर कुछ लोगों से शोर कम करने के लिए कहने नीचे गए थे। उन्हें इसके लिए पीट-पीटकर मार डाला गया। एक पिता की अपने ही घर के बाहर, अपने ही देश की राजधानी में हत्या कर दी गई। ऐसी कई घटनाओं के बाद आज दिल्ली में रहने वाला हर पूर्वोत्तर परिवार एक ही सवाल पूछ रहा है कि क्या हम यहां सुरक्षित हैं?

राहुल गांधी ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ बढ़ती अराजकता को रोकने के लिए शाह का गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कर रहे हैं? मामले की तेजी से जांच होनी चाहिए और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। विक्रम जी के परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। राहुल गांधी ने यह बात मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कही।

सीसीटीवी में क्या?

विक्रम सिंह की मौत कैसे हुई?

54 वर्षीय चोंगथम विक्रम सिंह दिल्ली के किलोकरी गांव में रहते थे। वह पिछले 17 साल से दिल्ली में निजी संगीत शिक्षक के तौर पर काम कर रहे थे। रविवार रात करीब 11:30 बजे वह कचरा फेंकने के लिए नीचे गए थे। वहां उन्होंने अपने किराए के फ्लैट के बाहर आठ लोगों को शोर और हंगामा करते देखा। ये लोग आसपास के दो ढाबों से जुड़े कर्मचारी बताए गए हैं। विक्रम ने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई। आरोप है कि इसके बाद विवाद हुआ और वह अपने घर की तरफ भागे। समूह ने उनका पीछा किया और तीसरी मंजिल तक पहुंच गया। आरोप है कि वहां गलियारे में उन्हें घेरकर बुरी तरह पीटा गया।

सीसीटीवी में क्या दिखा?

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें कथित आरोपी हमले के बाद इमारत से नीचे जाते दिखाई दे रहे हैं। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भी यह फुटेज साझा किया है। विक्रम के परिवार ने उन्हें ओखला के एक निजी अस्पताल पहुंचाया था। वहां सोमवार सुबह करीब सात बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, सनलाइट कॉलोनी थाने को सोमवार तड़के 1:38 बजे हमले की सूचना मिली थी।

पति की शराब छुड़वाने गई महिला से रेप

ग्वालियर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर में पति की शराब छुड़ाने के लिए तांत्रिक के पास पहुंची महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि तांत्रिक ने महिला को प्रसाद के नाम पर नशीला लड्डू खिलाया। लड्डू खाने के बाद महिला बेसुध हो गई, जिसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

घटना के बाद आरोपी ने महिला को बदनाम करने और उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। महिला का आरोप है कि इसके बाद वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। मामला शहर के उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र का है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार रात आरोपी कमल राठौर उर्फ पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

एमपी में बड़ा फर्जीवाड़ा

बांग्लादेशी नागरिकों ने बनवाए भारतीय पासपोर्ट, एसटीएफ ने खोला राज

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था और पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों को भारतीय पहचान दिलाने और उनके नाम पर पासपोर्ट बनवाने का काम कर रहा था। शुरुआती जांच में ग्वालियर जिले की डबरा तहसील से जुड़े एक पते का इस्तेमाल कर 20 बांग्लादेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है।

जांच एजेंसी के मुताबिक इन विदेशी नागरिकों को दस्तावेजों में भारतीय नागरिक साबित करने के लिए कई तरह के कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए। इनमें आधार कार्ड, वोटर आईडी, निवास प्रमाण पत्र और 10वीं कक्षा की अंकसूची जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल बताए जा रहे हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पहचान स्थापित करने के बाद पासपोर्ट बनवाए गए। एसटीएफ की पड़ताल जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, मामले का दायरा भी बड़ा होता दिखाई दे रहा है। प्रारंभिक जांच में अलग-अलग पतों से तैयार किए गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करीब 70 पासपोर्ट बनवाए जाने की जानकारी एसटीएफ को मिली है। इनमें से 20 पासपोर्ट विशेष रूप से उन बांग्लादेशी नागरिकों के बताए जा रहे हैं, जिनके दस्तावेजों में डबरा स्थित बौद्ध विहार का पता दर्ज था।

इन सभी पासपोर्ट में गवाह के तौर पर रियाल चौधरी का नाम सामने आया है। एसटीएफ अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि इन दस्तावेजों को तैयार करने से लेकर पासपोर्ट प्रक्रिया पूरी कराने तक कौन-कौन लोग सक्रिय रूप से शामिल थे। जांच अधिकारियों के अनुसार इन 20 पासपोर्ट को लगभग पांच वर्ष पहले तैयार कराया गया था। इनके अलावा 44 अन्य पासपोर्ट भी अब जांच के दायरे में आ गए हैं।

मानसा में टली बड़ी वारदात, अर्श डल्ला गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार; 5 पिस्टल और कारतूस बरामद

मानसा, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जिला पुलिस ने अर्श डल्ला गैंग के दो गुर्गों को पांच पिस्टल और कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार किए गए इन आरोपियों का अदालत से पुलिस रिमांड हासिल करके गहराई से जांच करेगी कि उनका आगे मकसद क्या था। एसएसपी वैभव चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस दौरान बताया कि ऑपरेशन प्रहार मुहिम के तहत गश्त के दौरान पुलिस नेहरू कॉलेज की बैक साइड पहुंची तो दो आरोपित थैले से कुछ निकालकर अपने डब्ब और जेब में कुछ डालते दिखाई दिए। पुलिस पार्टी की ओर से काबू किए गए आरोपितों की पहचान शहर के वार्ड नंबर 9 वासी अमृत पाल सिंह उर्फ जैकी पुत्र गोरा सिंह और गांव मूसा वासी कुलदीप सिंह उर्फ घुग्गी पुत्र करनैल सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के कब्जे से 4 पिस्टल 32 बोर समेत 12 कारतूस और 315 बोर की देसी पिस्टल बरामद करके उनके खिलाफ थाना सिटी-2 में आर्म्स एक्ट तहत मामला दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में आईएएस अधिकारी अनिल डामोर का निधन हो गया है

वह अभी विदिशा जिला में एडीएम के पद

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आईएएस अधिकारी विदिशा में एडीएम पद पर पदस्थ थे। उनका कुछ दिन पहले ही भोपाल ट्रांसफर हुआ था। वह ग्रामीण विकास विभाग में आकर अपना पदभार ग्रहण करने वाले थे। इससे पहले यह दुखद खबर सामने आई है। अनिल डामोर 2019 बैच के आईएएस अधिकारी थे। डामोर को मंगलवार की सुबह हार्ट अटैक आया।

इसके बाद उन्हें विदिशा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया है। इसके बाद परिवार और प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर है। निधन की खबर मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग परिवार को सांत्वना देने के लिए विदिशा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उनके विभाग के अधिकारी समेत कर्मचारी मौजूद थे। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। आईएएस अधिकारी अनिल डामोर का ट्रांसफर इसी महीने में भोपाल में हुआ था। उन्हें ग्रामीण विकास विभाग में उपसचिव का पद मिला था। विदिशा से अपना काम छोड़कर अब जिम्मेदारी संभालने की तैयारी कर रहे थे। इससे पहले उनका निधन हो गया है।

हनी-ट्रैप के लिए आईएसआई की नई चाल, अधिकारियों को फंसाने के लिए मनोवैज्ञानिकों का कर रही इस्तेमाल

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में पिछले कुछ सालों में हनी-ट्रैप के मामले बढ़े हैं। चेतावनियों और सलाहों के बावजूद कई अधिकारी इन नेटवर्क का शिकार बन रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान की आईएसआई, जो ये नेटवर्क चलाती है, ने ऐसे अधिकारियों की पहचान करने के लिए कई मनोवैज्ञानिकों को काम पर रखा है जिनके पास संवेदनशील जानकारी होती है। मकसद ऐसे लोगों का अध्ययन करना, उनकी निजी समस्याओं को समझना और फिर उनसे जानकारी निकलवाना है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आईएसआई इस काम के लिए मनोवैज्ञानिकों को नियुक्त कर रही है और उन्हें टारगेट खोजने से पहले महिलाओं के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बनाने का निर्देश देती है। ये बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोग होते हैं जो निजी समस्याओं वाले अधिकारियों को पहचानने में माहिर होते हैं। ये मनोवैज्ञानिक पहले सोशल मीडिया पर अधिकारियों की पहचान करते हैं और फिर उनके द्वारा पोस्ट किए गए संदेशों का गहराई से अध्ययन करते हैं।

जिम 365 डिग्री पर सीजीएसटी का छापा

1 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी का खुलासा, 5 ठिकानों पर कार्रवाई

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी में सेंट्रल जीएसटी (सीजीएसटी) ने जिम 365 डिग्री के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एक करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी सामने आई है। टीम को जांच में पता चला कि जिम में बिल जारी नहीं किए जा रहे थे और इसी के जरिए टैक्स चोरी की जा रही थी। जिम संचालक कुरैशी के चूनाभट्टी, कोहेफिजा, बावड़िया कलां, सिंधी कॉलोनी और जेके रोड स्थित प्रतिष्ठानों पर टीम ने कार्रवाई की।

जांच में सामने आया कि सितंबर 2025 में जीएसटी नियमों में बदलाव के बाद इन संस्थाओं के लिए टैक्स क्रेडिट की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके बाद ऐसे प्रतिष्ठानों को 5 प्रतिशत जीएसटी देना होता है। आरोप है कि जिम संचालक की ओर से यह टैक्स जमा नहीं किया जा रहा था।

इससे पहले इन प्रतिष्ठानों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता था। सीजीएसटी की करीब 30 अफसरों की टीम ने पांचों ठिकानों पर कार्रवाई की। यह कार्रवाई प्रधान आयुक्त सीजीएसटी एन पदमश्री के निर्देश पर हुई, जबकि एडिशनल कमिश्नर जी मनिगंडा स्वामी ने टीम को लीड किया। अधिकारियों के मुताबिक जांच में टैक्स क्रेडिट नहीं मिलने के बाद भी 5 प्रतिशत टैक्स जमा नहीं करने का मामला सामने आया है। कार्रवाई पूरी होने के बाद जिम संचालक से टैक्स चोरी की राशि जमा कराई जा सकती है।

'काजी कैंप पर मिसाइल गिरा दो', भोपाल बीजेपी विधायक के बयान से सियासी बवाल

भोपाल, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा के एक बयान ने सियासी बवाल खड़ा कर दिया है. भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से विधायक रामेश्वर शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो स्टेज पर खड़े होकर हजारों की तादाद में आई जनता को संबोधित कर रहे हैं और 'काजी कैंप' पर मिसाइल गिराने की बात कह रहे हैं. दरअसल, भोपाल में काजी कैंप नाम का एक मुस्लिम इलाका है, जिससे विधायक के इस बयान को जोड़ा जा रहा है और इसी के बाद मध्य प्रदेश में सियासी उबाल आ गया है. वीडियो में बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा कहते दिख रहे हैं, पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक की. जब देश में लोग कहते थे कि सुई बनाना नहीं जानते तो मोदी ने कहा कि हम मिसाइल बनाएंगे. तुम चौराहे पर खड़े होकर मिसाइल लगाओ और काजी कैंप में गिरा दो. यह बात सुनकर सैकड़ों समर्थकों ने तालियां बजाईं और शोर किया. बाद में हुजूर विधायक यह क्लियर करते भी दिखे कि वह भोपाल के काजी कैंप की नहीं बल्कि इस्लामाबाद वाले काजी कैंप की बात कर रहे थे. हालांकि, उनके ये स्पष्ट करने से पहले ही लोग उनको समर्थन देते देखे जा सकते हैं. बीजेपी के रामेश्वर शर्मा के इस बयान के बाद मध्य प्रदेश के विपक्षी दल कांग्रेस ने उनकी जमकर आलोचना की. कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने विधायक के बयान को लेकर एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है.

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कांग्रेस ने दर्ज कराई शिकायत, दुर्गापूजा से पहले मांसाहार पर विवाद क्यों?

कोलकाता, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल कांग्रेस ने मंगलवार को बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने आरोप लगाया कि दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन नहीं करने की उनकी अपील से बंगालियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कांग्रेस ने कहा कि इसका उद्देश्य समाज में असामंजस्य पैदा करना था। दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस समिति ने भवानीपुर थाने के प्रभारी अधिकारी को दी शिकायत में आरोप लगाया कि शास्त्री ने पांच सितंबर को हावड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी।

समिति के अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद ने शिकायत में कहा, हम आपको अवगत कराना चाहते हैं कि तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई शुरू करने और जरूरी गिरफ्तारियों के साथ प्राथमिकी दर्ज करने की जरूरत है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शास्त्री की टिप्पणियां समाज में असामंजस्य पैदा कर सकती हैं और लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ हैं। धर्मगुरु और बागेश्वर बाबा के नाम से चर्चित धीरेंद्र शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों से मांसाहारी भोजन छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने धार्मिक अवसरों पर मांस खाने वाले लोगों को पाखंडी बताया था।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने धीरेंद्र शास्त्री की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान पंडाल में मांसाहारी भोजन करना छोड़ने को कहा था। भट्टाचार्य ने कहा कि बाहर से आने वाला कोई धार्मिक व्यक्ति बंगाल के लोगों को यह तय नहीं कर सकता कि उन्हें क्या खाना या पहनना चाहिए।

मेगा डीएससी पर वाईसीपी के झूठे प्रचार की महिला विधायक ने निंदा की

अमरावती, 8 सितंबर (एजेंसियां)। टीडीपी की महिला विधायकों ने मेगा डीएससी को लेकर वाई सीपी द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की आलोचना की। विधायक वेमिरे रेड्डी प्रशांती रेड्डी ने कहा कि वाई सीपी के शासनकाल में भी केवल एक ही डीएससी हुआ था। अब पार्टी नेताओं को मेगा डीएससी पर बात करने का कोई अधिकार नहीं है। कूटमी (गठबंधन) सरकार के सत्ता में आने के 148 दिनों के भीतर 16 हजार से अधिक लोगों के लिए डीएससी प्रक्रिया पूरी की गई और नौकरियां दी गईं। बिना सबूत के आरोप लगाना हास्यास्पद है। किसानों का सेज, जो 30 वर्षों से बंद था, उसे फिर से शुरू किया गया और उस क्षेत्र में नए उद्योग स्थापित किए गए। प्रशांती रेड्डी ने कहा कि हम चंद्रबाबू के 'विजन-2047' के साथ युवाओं में भरोसा जगा रहे हैं।

विधायक गौथु सिरिशा ने कहा कि जगन ने इन दिनों में एक भी डीएससी नहीं दिया, जबकि मंत्री ने 150 दिनों में 16 हजार डीएससी नौकरियां दीं; लोकेश के नारों की आलोचना करना हास्यास्पद है। लोकेश ने कहा कि युवाओं से किए गए वादे पूरे किए गए हैं। डीएससी नियुक्तियां पूरी तरह पारदर्शी हैं, नियमों का पालन किया गया है, और नोटिफिकेशन, जीओस तथा रोस्टर विवरण ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। वाई सीपी को स्पोर्ट्स कोटा पर अपने आरोपों के लिए कोई सबूत नहीं मिल रहा है; 431 पदों के लिए हजारों लोगों ने आवेदन किया है। कोर्ट जाने के आधार पर सवाल उठाए गए। वे डीएससी पर झूठे प्रचार से युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। वाई सीपी को बात करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उन्होंने कोरोना काल में शिक्षकों को शराब की दुकानों पर तैनात किया था। गठबंधन सरकार ने नौकरियों, कल्याण और विकास पर ध्यान केंद्रित किया है; लोकेश ने तीन और डीएससी की घोषणा की है,

यह भारत की सोच को नहीं दिखाता

एफिल टावर विवाद पर क्या बोलीं पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस के एफिल टावर में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के आध्यात्मिक गुरुओं के दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को दूर रखे जाने के मामले पर विवाद बढ़ गया है। इस मामले पर पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो कुछ हुआ वह भारत की सोच, उसकी नीतियों या संविधान की झलक नहीं है। लिंग के आधार पर किसी की नौकरी की जिम्मेदारियां निभाने की क्षमता या पहुंच में कोई भेदभाव नहीं हो सकता। महिला और पुरुष, दोनों को नौकरी की जिम्मेदारियां निभाने में कोई भेदभाव नहीं हो सकता। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यदि बीएपीएस अपने धार्मिक समुदाय, पंथ या समाज में ऐसा करता है, तो इसे उन्हीं सीमित दायरों तक ही रखना चाहिए। कृपया दुनिया से इस आदेश का पालन करने की उम्मीद न करें। जिस पूरे मामले पर विवाद हुआ है वह घटना शनिवार को हुई, जब बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था से जुड़े करीब 100 लोगों ने एफिल टावर का दौरा किया था। इन लोगों के वहां जाने पर उस दौरान महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटा दिया गया था, ताकि प्रतिनिधिमंडल वहां से गुजर सके। पेरिस का प्रतिष्ठित एफिल टावर कर्मचारियों के विरोध के कारण सोमवार को बंद कर दिया गया।

कर्मचारियों ने इस धार्मिक समूह के दौरे के समय महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल से अलग रखे जाने के विरोध में काम बंद कर दिया था। एफिल टावर के कर्मचारियों ने एक बयान जारी कर उन पेशेवर निर्देशों की निंदा की, जिनके कारण महिला कर्मचारियों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर कार्यस्थल से अलग रखा गया तथा उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को लाया गया।

तमिलनाडु विधानसभा में घमासान

डीएमके विधायकों को मार्शलों ने सदन से निकाला

चेन्नई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के मीसा यानी मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट और पूर्व डीएमके सरकार से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों वाले बयानों को लेकर जमकर हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री के बयान को विधानसभा रिकॉर्ड से हटाने की मांग को लेकर मुख्य विपक्षी दल डीएमके के विधायकों ने पहले विरोध जताया और बाद में स्पीकर के चैंबर के बाहर धरने पर बैठ गए। सदन के अंदर भी डीएमके विधायकों ने नारेबाजी करते हुए स्पीकर के पोडियम को घेर लिया। स्थिति बिगड़ने पर स्पीकर जेसीडी प्रभाकर ने विधानसभा मार्शलों और वॉच एंड वार्ड स्टाफ को डीएमके विधायकों को सदन से बाहर निकालने का निर्देश दिया।

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही डीएमके के सचेतक ईवी वेलु ने मुख्यमंत्री विजय द्वारा सोमवार को दिए गए भाषण में मीसा और सरकारिया आयोग के संदर्भों पर आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री के भाषण के उन हिस्सों को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटाया जाए। विजय ने सोमवार को पूर्व डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक दस्तावेज का हवाला दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ठेकेदारों से ठेकों की कुल रकम का 7.5 से 10 प्रतिशत तक 'पार्टी फंड' के रूप में देने के लिए कहा जाता था। मुख्यमंत्री ने यह रकम नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति विभाग के कामों से जुड़े ठेकों से कथित तौर पर जुटाए जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने वीरानम जल योजना के संदर्भ में सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का भी जिक्र किया था।

पकड़ी गई 3 लोगों की जान लेने वाली बाघिन, कुछ ही देर बाद हो गई मौत, वन विभाग ने शुरू की जांच

अमरावती, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के कई इलाकों में बीते कुछ समय से एक बाघिन ने आतंक मचा रखा था। इस बाघिन ने 3 लोगों की जान भी ले ली थी। हालांकि, अब इस आदमखोर बाघिन का आतंक खत्म हो गया है।

सामने आई जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम ने जाल बिछाकर बाघिन को पकड़ लिया। हालांकि, इस दौरान एक हैरान करने वाली घटना देखने को मिली। बाघिन को जब ट्रेंकुलाइज करके इलाज के लिए ले जाया जा रहा था तो रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। सामने आई जानकारी के अनुसार, पिछले एक हफ्ते से अमरावती के मोर्शी, चांदूर बाजार और तिवसा इलाके में आतंक मचाकर तीन लोगों की जान लेने वाली आदमखोर बाघिन को कल वन विभाग ने ट्रेंकुलाइज करके पकड़ लिया। हालांकि, इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वन विभाग अब इस बात की जांच कर रहा है कि उसकी मौत का कारण क्या है। आपको बता दें कि जुलाई महीने में नागपुर में बाघ को नजदीक देखकर पिता ने बेटे के साथ बांध में छलांग लगा दी थी। इस घटना में दोनों की मौत हो गई थी। महाराष्ट्र के अमरावती में इस उग्र बाघिन को पकड़ने के लिए वन विभाग ने चंद्रपुर, नागपुर, पुणे और अमरावती से टीम मंगवाई थी। सोनोरी ग्राम के खेत के पास पुणे के रिस्क एरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य पशु चिकित्सक डॉक्टर हेमराज ने बाघिन को डार्ट से बेहोश किया था। इसके बाद उस पर ड्रोन से निगरानी रखी गई।

अमृता फडणवीस के कार्यक्रम से पहले विवाद, एएसआई ने क्यों थमाया नोटिस?

चंद्रपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस की मौजूदगी में आज मंगलवार (8 सितंबर) को प्रस्तावित लालपेठ स्थित ऐतिहासिक विशाल शिवलिंग के जीर्णोद्धार समारोह से पहले विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने संरक्षित स्मारक के आसपास कथित अनधिकृत निर्माण को लेकर मंदिर समिति को नोटिस जारी किया है। लालपेठ स्थित एकाश्म, चंद्रपुर यानी विशाल शिवलिंग को एएसआई द्वारा राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत संरक्षित स्मारक की सीमा से 100 मीटर तक का क्षेत्र प्रतिबंधित क्षेत्र माना जाता है।

इस क्षेत्र में नए निर्माण पर रोक होती है, जबकि 100 से 300 मीटर के नियंत्रित क्षेत्र में निर्माण

के लिए सक्षम प्राधिकरण की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है। एएसआई के नियमित निरीक्षण के दौरान शिवलिंग परिसर के आसपास ग्रेनाइट लगाए जाने के अलावा सीमेंट की ईंटों से दीवार और पक्का शेड बनाए जाने की जानकारी सामने आई। पुरातत्व विभाग ने इन निर्माण कार्यों को प्रतिबंधित क्षेत्र में किया गया कथित अनधिकृत निर्माण माना है। नोटिस में लालपेठ विशाल शिवलिंग मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष को निर्माण कार्य तत्काल रोकने तथा किए गए निर्माण को हटाकर परिसर को पूर्व स्थिति में लाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम की धारा 20(ए) का भी हवाला दिया है।

नोटिस के मुताबिक नियमों का उल्लंघन करने पर दो वर्ष तक की सजा, एक लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। ऐसे में समारोह से ठीक पहले एएसआई की कार्रवाई ने आयोजकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बताया जा रहा है कि परिसर में किए गए निर्माण के लिए स्थानीय बीजेपी विधायक किशोर जोरगेवार ने अपने स्वनिधि से राशि उपलब्ध कराई है। हालांकि, निर्माण से पहले एएसआई या सक्षम प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इसी को लेकर सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

एक तरफ अमृता फडणवीस की मौजूदगी में होने वाले जीर्णोद्धार समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और शहर में कार्यक्रम को लेकर बैनर लगाए गए हैं। दूसरी तरफ एएसआई की नोटिस ने आयोजन से पहले निर्माण की वैधता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिसर में संरक्षित स्मारक से संबंधित सूचना बोर्ड पहले से मौजूद होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले एएसआई से अनुमति क्यों नहीं ली गई? अगर अनुमति ली गई थी, तो उसकी प्रतिलिपि और वैधानिक आधार क्या है? फिलहाल एएसआई की नोटिस के बाद मुख्य सवाल यही है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण किस अनुमति के आधार पर किया गया और क्या जीर्णोद्धार के नाम पर किए गए निर्माण को विभाग की मंजूरी प्राप्त थी?

सुविचार: आप, अपने आप में विशेष हैं इसलिए अपने सत्य स्वरूप का आनन्द लें

तेलंगाना विधानसभा में अधिकारी को हार्ट अटैक आया

* मंत्री ने दिया सीपीआर, अस्पताल ले जाते समय मौत

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के अंदर मंगलवार को एक अधिकारी अचानक बेहोश होकर गिर गए। इसके बाद विधानसभा में अफरा-तफरी मच गई। पशुपालन मंत्री वकिटी श्रीहरि ने तुरंत उन्हें सीपीआर दिया। मेडिकल स्टाफ को बुलाकर अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है। वे प्रिंसिपल सेक्रेटरी नवीन मित्तल के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) थे। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, राजू को गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था। जब उन्हें मेडिकल सेंटर लाया गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सीपीआर यानी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक ऐसी इमरजेंसी लाइफ सेविंग प्रोसिजर है, जो तब की जाती है, जब हृदय की धड़कन रुक जाती है। सीपीआर किसी व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट से बचने में मदद कर सकता है।

भले ही आपको सीपीआर देना न आता हो, आप सिर्फ अपने हाथों का इस्तेमाल करके किसी व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। इसके लिए आपको तुरंत एक्शन लेने की जरूरत है।

रिश्वत के मामले में सब-रजिस्ट्रार समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने नारायणपेट जिले में मकान पंजीकरण से जुड़े रिश्वत की मांग के मामले में एक सब-रजिस्ट्रार और एक निजी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कदाचार का मामला दर्ज किया है। एसीबी के अनुसार, नारायणपेट के सब-रजिस्ट्रार ग्रेड-II, लगिसेट्टी वेंकट स्वामी ने कथित तौर पर 18 जुलाई को एक शिकायतकर्ता से घर के पंजीकरण को पूरा करने में आधिकारिक पक्षपात दिखाने के लिए 90 हजार रुपये की मांग की थी। आरोप है कि अधिकारी ने 21 जुलाई को मेस के मालिक और एक निजी व्यक्ति कम्मारी नागेश के माध्यम से आंशिक भुगतान के रूप में 50,000 रुपये स्वीकार किए और बाद में शेष 40,000 रुपये की मांग की। एसीबी ने आरोप लगाया कि सब-रजिस्ट्रार ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में अनुचित और बेईमानी से काम किया। आरोपी वेंकट स्वामी और नागेश दोनों को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। सुरक्षा कारणों से एसीबी ने शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी है।

गणेश मंडपों को विद्युत सुरक्षा को सर्वोपरि रखने का निर्देश

विजयवाड़ा, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । एपीपीसीपीडीसीएल के सीएमडी पी. पुलारेड्डी ने गणेश मंडपों के आयोजकों से विनायक चतुर्थी समारोह के दौरान बिजली सुरक्षा सावधानियों का सख्ती से पालन करने और अनधिकृत बिजली कनेक्शन से बचने का आग्रह किया है।

भक्ति के साथ मनाएं, सुरक्षा के साथ मनाएं के संदेश पर जोर देते हुए, सीएमडी ने आयोजकों को सलाह दी कि वे मंडपों को बिजली के खंभों और ओवरहेड पावर लाइनों से दूर रखें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी तार संरचनाओं के संपर्क में न आए। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले तारों, स्विचों और प्लगों के उपयोग, उचित क्षमता वाली वायरिंग और सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल पर जोर दिया।

स्पीकर पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

ताता मधु का पुतला फूंका, बर्खास्त करने की मांग

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार पर बीआरएस एमएलसी ताता मधु द्वारा कथित रूप से की गई आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्राबेल्ली स्वर्ण के नेतृत्व में खैरताबाद, सिकंदराबाद और मेडचल जिला महिला कांग्रेस अध्यक्षों की अगुवाई में लोअर टैंकबंड स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने ताता मधु का पुतला फूंका और उनकी टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। महिला कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे विधानसभा अध्यक्ष का अपमान करना बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना से बीआरएस नेताओं की महिलाओं और दलितों के प्रति कथित असम्मानजनक सोच उजागर हुई है। महिला कांग्रेस ने मांग की कि स्पीकर का अपमान करने वाले ताता मधु को तत्काल बीआरएस से निष्कासित करने के साथ ही एमएलसी पद से भी हटाया जाए और वह स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शन में प्रदेश महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष डॉ. रेखा बोयलापल्ली, खैरताबाद जिला अध्यक्ष शंभुल उषाश्री, सिकंदराबाद जिला अध्यक्ष कविता, मेडचल जिला अध्यक्ष आर. लक्ष्मी सहित प्रदेश महिला कांग्रेस पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

विधानसभा ने बीआरएस के दो एमएलसी के कथित अमर्यादित व्यवहार की निंदा की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा ने 7 सितंबर को विधानसभा परिसर में गेट नंबर-3 के पास बीआरएस के विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) टाटा मधुसूदन और एन. नवीन कुमार रेड्डी द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित रूप से की गई अपमानजनक और असंसदीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा द्वारा सदन में रखे गए प्रस्ताव में कहा गया कि दोनों सदस्यों का कथित आचरण विधानसभा अध्यक्ष की गरिमा, अधिकार और संवैधानिक पद के प्रति गंभीर रूप से आपत्तिजनक है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि दोनों सदस्यों ने सार्वजनिक रूप से टी-शर्ट उतारकर, महिलाओं की मौजूदगी में, अशोभनीय व्यवहार किया, जो सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। प्रस्ताव में स्पष्ट किया गया कि राजनीतिक मतभेद, व्यक्तिगत शिकायत या असहमति किसी भी स्थिति में पीठासीन अधिकारी की गरिमा और अधिकार को कम करने वाले आचरण को उचित नहीं ठहरा सकते। विधानसभा ने बीआरएस नेता और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव से दोनों सदस्यों के कथित अमर्यादित आचरण की जिम्मेदारी लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष से बिना शर्त माफी मांगने का आग्रह किया है। सदन ने आगे निर्णय लिया कि चूंकि टाटा मधुसूदन और एन. नवीन कुमार रेड्डी तेलंगाना विधान परिषद के वर्तमान सदस्य हैं, इसलिए प्रस्ताव की प्रति, विशेषाधिकार हनन संबंधी नोटिस, सदन के समक्ष रखी गई सामग्री और संबंधित कार्यवाही तेलंगाना विधान परिषद के सभापति को भेजी जाए। उनसे संविधान, परिषद के नियमों और विशेषाधिकार एवं अनुशासन से संबंधित कानूनों के तहत उचित कार्रवाई पर विचार करने का अनुरोध किया गया है।

स्कूलों और कॉलेजों में आग से सुरक्षा के नियमों के पालन पर ज़ोर

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फायर सर्विस के डायरेक्टर जनरल विक्रम सिंह मान ने मंगलवार को शिक्षण संस्थानों और अन्य संबंधित लोगों के बीच आग से सुरक्षा की ज़रूरतों और फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (फायर एनओसी) लेने की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से एक बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षण संस्थान आग से सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करें और आग से बचाव, सुरक्षा और जीवन-सुरक्षा के ज़रूरी उपायों की उपलब्धता और उनके सही ढंग से काम करने को सुनिश्चित करें। डायरेक्टर जनरल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि छात्रों, टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ और अन्य लोगों की जान बचाने के लिए शिक्षण संस्थानों में आग से सुरक्षा के प्रभावी इंतज़ाम ज़रूरी हैं।

पॉलिटेक्निक छात्रों ने जीओ 97 को तुरंत वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, पटनचेरु के छात्रों ने जीओ 97 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह आदेश सरकारी पॉलिटेक्निक को 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' के साथ मिलाता है, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्थापित किया गया है। छात्रों ने जीओ 97 को तुरंत वापस लेने और राज्य में सरकारी पॉलिटेक्निक की मौजूदा पहचान और एकेडमिक सिस्टम की सुरक्षा की मांग करते हुए नारे लगाए।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित बदलावों से मौजूदा पॉलिटेक्निक शिक्षा प्रणाली, डिप्लोमा छात्रों और उनके भविष्य के शैक्षिक अवसरों पर बुरा असर पड़ सकता है। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से उनकी चिंताओं पर विचार करने और लाखों डिप्लोमा छात्रों के भविष्य की रक्षा करने का आग्रह किया।

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई सात राज्यों में 47 जालसाज गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने अगस्त में साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई तेज कर दी, जिसके तहत 36 मामलों में सात राज्यों से 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया और पीड़ितों को 99.79 लाख रुपये की राशि वापस दिलाने में मदद की गई। ये गिरफ्तारियां निवेश धोखाधड़ी, ट्रेडिंग घोटाले, सोशल मीडिया अपराध, ओटीपी धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, नौकरी धोखाधड़ी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, एपीके धोखाधड़ी और विज्ञापन धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में की गईं। गिरफ्तार किए गए 47 लोगों में से 16 निवेश धोखाधड़ी और 12 ट्रेडिंग धोखाधड़ी में शामिल थे, जबकि सात सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों में शामिल थे। ओटीपी और प्रतिरूपण मामलों में तीन-तीन, नौकरी और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मामलों में दो-दो और एपीके और विज्ञापन धोखाधड़ी में एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। तेलंगाना में सबसे अधिक 15 गिरफ्तारियां दर्ज की गईं, उसके बाद आंध्र प्रदेश में 14 और दिल्ली में आठ गिरफ्तारियां हुईं।

महाराष्ट्र और कर्नाटक में चार-चार गिरफ्तारियां हुईं, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में एक-एक गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने अभियान के दौरान 28 मोबाइल फोन, तीन चेक बुक, तीन सिम कार्ड, एक डेबिट कार्ड, एक लैपटॉप, राउटर, हार्ड डिस्क और एक एप्पल आईपैड जब्त किया। इस रिफंड अभियान में 34 ऐसे मामले शामिल थे जिनमें 17.77 करोड़ रुपये के वित्तीय नुकसान की सूचना मिली थी। ट्रेडिंग धोखाधड़ी के पीड़ितों को सबसे अधिक 57.96 लाख रुपये का रिफंड मिला, उसके बाद APK धोखाधड़ी के पीड़ितों को 12.42 लाख रुपये का रिफंड मिला। जोनल साइबर सेल को अलग से 2,952 एनआरसीआरपी याचिकाएं प्राप्त हुईं, 349 एफआईआर दर्ज की गईं और 16 मामलों में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 41.05 लाख की राशि वापस की गई। साइबर गश्ती दल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर निगरानी भी बढ़ा दी है। अकेले अगस्त में ही, नाबालिगों से संबंधित अश्लील सामग्री, धोखाधड़ी वाली योजनाओं, सट्टेबाजी की भविष्यवाणियों, नकली मुद्रा और सिक्कों के प्रस्तावों, वैवाहिक घोटालों और फर्जी रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने वाले 231 प्रोफाइल और 20 सशुल्क विज्ञापनों की पहचान की गई और उन्हें हटा दिया गया।

पुलिस ने कुल मिलाकर ऑनलाइन गेमिंग, अवैध सट्टेबाजी और फर्जी निवेश वेबसाइटों को बढ़ावा देने वाले 1,317 सोशल मीडिया प्रोफाइल और 2,573 सशुल्क विज्ञापन हटाए हैं। प्रमोटरों के खिलाफ नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं।

सी-मित्र पहल के तहत, पुलिस ने साइबर अपराध पीड़ितों को 2,043 कॉल किए और त्वरित सहायता और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 290 जीरो एफआईआर दर्ज कीं।

तौल श्रमिकों को न्यूनतम वेतन दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे : जी. संजीव रेड्डी

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएनटीयूसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. जी. संजीव रेड्डी ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ी कृषि विपणन व्यवस्था में कार्यरत दड़वाइयों (तौल श्रमिकों) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि दड़वाइयों की न्यायसंगत मांगों को पूरा कराने और उन्हें न्यूनतम वेतन दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा। दड़वाइयों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार को हैदराबाद स्थित रवींद्र भारती में तेलंगाना राज्य कृषि विपणन दड़वाइला यूनियन (आईएनटीयूसी) का राज्य सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से करीब 1,500 श्रमिकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संजीव रेड्डी ने कहा कि दड़वाइयों को सरकारी कर्मचारियों

की तर्ज पर न्यूनतम वेतन, पीएफ, ग्रेच्युटी, ईएसआई, स्वास्थ्य बीमा समेत अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाकर जल्द समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दड़वाइयों के एकजुट होकर संघर्ष करने से ही उनकी समस्याओं का समाधान संभव है और आईएनटीयूसी उन्हें सम्मान, पहचान, सामाजिक एवं रोजगार सुरक्षा दिलाने के लिए उनके साथ खड़ा रहेगा।

उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य परिस्थितियां, उचित वेतन, रोजगार सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिलाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के समक्ष मुद्दा उठाया जाएगा। आईएनटीयूसी के राज्य महासचिव वाई. नागन्ना गौड़ ने कहा कि कृषि विपणन विभाग में कार्यरत दड़वाइयों की मांगें जायज हैं और कानून के अनुसार उन्हें न्यूनतम वेतन, पीएफ, ग्रेच्युटी, ईएसआई तथा स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उन्होंने दड़वाइयों के अधिकारों के लिए जारी संघर्ष को आईएनटीयूसी का पूर्ण समर्थन देने की बात कही। सम्मेलन में राज्य न्यूनतम वेतन बोर्ड के अध्यक्ष बी. जनक प्रसाद, आईएनटीयूसी के पदाधिकारी, कृषि विपणन यार्ड के अध्यक्ष, विभागीय अधिकारी और यूनियन के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगने के आरोप में एमएलए के पीए को पुलिस ने गिरफ़्तार किया

कोठागुडेम, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने भद्राचलम एमएलए के पीए कोरला कल्याण को नौकरी का झूठा वादा करके कई बेरोजगार युवाओं को ठगने के आरोप में गिरफ़्तार किया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आधिकारिक बयान में, भद्राचलम के डीएसपी एम. अरुण कुमार ने कहा कि आरोपी, जो राजस्व विभाग में एक वरिष्ठ सहायक है और मनुगुरु मंडल के समिति सिंगाराम का निवासी है, को रविवार को भद्राचलम में गिरफ़्तार किया गया था।

कल्याण ने कथित तौर पर भद्राचलम, मनुगुरु, पलोन्चा, येल्लंदु, चेरला, डुमुगुडेम, वाजेडु और बुरगामपाड सहित विभिन्न क्षेत्रों के 54 बेरोजगार व्यक्तियों को बीटीपीएस मनुगुरु और आईटीसी सरापाका में नौकरी का वादा करके ठगा था। उसने कथित तौर पर उनसे लगभग 8 करोड़ रुपये लिए लेकिन कोई नौकरी नहीं दी। भद्राचलम के रायला श्रीनू की शिकायत के बाद, भद्राचलम टाउन पुलिस ने 10 दिन पहले मामला दर्ज किया और कल्याण का पता लगाने के लिए तलाशी शुरू की। पूछताछ के दौरान पता चला कि कल्याण को ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी की लत लग गई थी और उसने बड़ी रकम गंवा दी थी। उसने अपना अपराध कबूल कर लिया और माना कि उसने परिचितों से नौकरी का वादा करके पैसे लिए थे, लेकिन बाद में सारा पैसा ऑनलाइन सट्टेबाजी में हार गया।

डीएसपी ने कहा कि उसके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर मामले दर्ज किए गए हैं और फिलहाल उनकी जांच चल रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे लोगों से सावधान रहें जो नौकरी का वादा करके और पैसे लेकर बेरोजगार लोगों को धोखा देते हैं। लोगों को ऑनलाइन सट्टेबाजी, सट्टेबाजी वाले ऐप्स और गैर-कानूनी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से भी सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई लोग जल्दी और ज़्यादा मुनाफ़े के लालच में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं और अक्सर शुरुआती नुकसान की भरपाई करने की कोशिश में और भी ज़्यादा आर्थिक नुकसान उठा बैठते हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, GOVINDA REDDY TUMATI(Old name) S/O LATE AGITHI REDDY Date of Birth 01-07-1959 (Old)R/o H.No.1-7 Challapalem Village Srikalahasti Mandal Tirupati Dist, Andhra Pradesh-517641, So as per Adhaar No. 543789356900. Have Changed my Name as Adhaar "T.GOVINDHA REDDY" & Date of Birth is 01-01-1946 from today onwards Pubicaton,

I, T NAGAMMA W/o T.GOVINDHA REDDY, Date of Birth: 01-07-1964(Old) R/o H.No.1-7 Challapalem Village Srikalahasti Mandal Tirupathi Dist, Andhra Pradesh-517641, So as per Adhaar No. 289622919090 Have Changed my Date of Birth as Adhaar is 01-01-1951 from today onwards Pubicaton.

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, PULICHERLA SAILAJA (Old Name) W/o T.REDDAPA R/o H.No.2-21,C Mallavaram vill,Perumallapalle PO, tirupati Dist, Andhra Pradesh -517505 So as per Adhaar No. 880165695020. Have Changed my Name as Adhaar "P.SAILAJA" from today onwards Pubicaton.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कविता ने सहायक अधिकारी और कांस्टेबल भर्ती के लिए आयु में छूट की मांग की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना की अध्यक्ष कलवाकुंतला कविता ने मंगलवार को राज्य सरकार से पुलिस पदों पर भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा बढ़ाने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि इस कदम से उन बेरोजगार युवाओं को राहत मिलेगी जो भर्ती अधिसूचना जारी करने में देरी के कारण पात्रता खो चुके हैं। कविता ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता में लाने में बेरोजगार युवाओं ने अहम भूमिका निभाई थी।

उन्होंने गांवों में बड़े पैमाने पर काम किया और पार्टी के लिए प्रचार किया। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के लगभग तीन साल बाद भी सरकार ने पर्याप्त रोजगार अधिसूचनाएं जारी नहीं की हैं। टीआरएस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने 2024 में सरकारी आदेश संख्या 31 जारी किया था, जिसमें कांस्टेबल भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करने का संकेत दिया गया था, लेकिन आयु में छूट का वादा लागू नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस देरी के कारण कई नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार ऊपरी आयु सीमा पार कर चुके हैं और भर्ती के लिए अपनी पात्रता खो चुके हैं। कविता ने कहा कि सामान्य तौर पर एसआई और कांस्टेबल भर्ती के लिए लगभग नौ लाख आवेदन आने की उम्मीद होती है, लेकिन आयु सीमा न बढ़ा पाने के कारण इस बार केवल तीन से चार लाख आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार सब-इंस्पेक्टर (एसआई) पदों के लिए ऊपरी आयु सीमा को तुरंत बढ़ाकर 38 वर्ष और कांस्टेबल पदों के लिए 36 वर्ष कर दे, क्योंकि इससे दो से तीन लाख और बेरोजगार युवाओं को लाभ होगा।

स्पीकर पद की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए : सचिन सावंत

तेलंगाना कांग्रेस सह-प्रभारी ने कई पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी सचिव एवं तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत ने तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ बीआरएस एमएलसी ताता मधु की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि बीआरएस और बीजेपी दलित समुदाय से इतनी नफरत क्यों करती हैं।

सावंत ने कहा कि गद्दम प्रसाद कुमार को तेलंगाना की जनता और संविधान के तहत विधानसभा का स्पीकर चुना गया है और उनके पद की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने गांधी भवन, हैदराबाद में आयोजित विरोध प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया, जहां बीआरएस की कथित दलित विरोधी मानसिकता और 'मनुवादी विचारधारा' के खिलाफ विरोध जताया गया। सावंत ने आरोप लगाया कि बीजेपी और बीआरएस

एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर दोनों के हित एक जैसे दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता इस राजनीतिक वास्तविकता को समझ चुकी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए बीजेपी और बीआरएस, दोनों को उचित जवाब देगी। सचिन सावंत ने टीपीसीसी सांस्कृतिक विभाग के अध्यक्ष चक्राला रघु के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोक कलाओं, नुक्कड़ नाटकों, जागरूकता शिविरों, लाभार्थियों के साथ संवाद और डिजिटल अभियानों के माध्यम से गांव, मंडल और वार्ड स्तर तक पहुंचाने की विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। सचिन सावंत ने कहा कि सांस्कृतिक टीमें सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं का संदेश जमीनी स्तर तक प्रभावी और आकर्षक तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और योजनाओं से जुड़े वास्तविक सफलता के मामलों को जनता के सामने लाने पर भी जोर दिया। उन्होंने टीपीसीसी इंटेलेक्चुअल सेल (विचार विभाग) के अध्यक्ष ए. श्याम मोहन के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के बौद्धिक और वैचारिक जनसंपर्क को और मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान पार्टी की विचारधारा को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने, बौद्धिक वर्ग के साथ संवाद बढ़ाने और संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

फर्रुखाबाद में 6 मकान गंगा में समाए

बलिया में कार-बाइकें डूबीं, गलियों में चली नाव, 49 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में गंगा और यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। दो दिन में 6 पक्के मकान नदी में समा गए हैं। बलिया में सरयू नदी की बाढ़ में कार और बाइक डूब गई हैं।

उन्नाव में पांडु नदी का पानी बस्तियों में घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। गोंडा में घाघरा नदी के बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में पहुंच गया। गांव वाले डर की वजह से घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं।

इधर, मंगलवार तड़के लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत 10 शहरों में हल्की बारिश हुई। लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज 49 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

बारिश की वजह से यूपी होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख बदल दी गई है। पहले यह 8 सितंबर से होनी थी। अब यह 14 सितंबर से शुरू होगी।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- मध्य यूपी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। साथ ही मानसूनी हवाओं की पट्टी भी यूपी से होकर गुजर रही है। इन दोनों सिस्टमों के असर से नेपाल की सीमा से सटे यूपी के उत्तरी इलाकों में आज बहुत भारी बारिश हो सकती है। अगले 48 घंटों में पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद मौसम साफ होने के साथ बारिश में काफी कमी आ जाएगी।

एनआईए की रेड, 20 लाख कैश के साथ पकड़ा गया शख्स

स्कूटी में रुपए लेकर भाग रहा था आतंकी गतिविधियों में शामिल एक और युवक को उठाया

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में एनआईए की छापेमारी के दौरान करीब 20 लाख रुपए कैश के साथ एक शख्स को पकड़ा गया है। इनकम टैक्स विभाग को इस मामले की जानकारी दी गई है।

इसके साथ ही एनआईए की टीम ने आतंकी गतिविधियों में शामिल एक और युवक को उठाया है। सूत्रों की मानें तो कुसुम इनफिनिटी के फ्लैट संख्या- 609 से एक मोस्टवांटेड को पकड़ा गया है। जिसे एनआईए अपने साथ लेकर गई है।

कार्रवाई मेन रोड से सटे जुडियो मॉल के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। एनआईए की टीम एक फ्लैट में छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान टीम गलती से दूसरे फ्लैट में घूस गई।

मस्जिद ढहाने पर योगी पर टिप्पणी करने वाली हुदा गिरफ्तार

कहा था- मस्जिद शहीद की गई, चुप नहीं बैठेंगे, रियाद में जन्म, आप नेता रहीं

सहारनपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर पुलिस ने यूट्यूबर हुदा जरीवाला को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराए जाने को लेकर सीएम योगी पर टिप्पणी की थी।

सोमवार शाम वह सर्किट हाउस में मस्जिद गिराए जाने के विरोध में पहुंचीं। अंदर जाने की जिद करने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उनके आने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें पकड़ लिया।

हुदा ने 2 दिन पहले कहा था- मुसलमानों की मस्जिद शहीद की गई है। यह क्रिमिनल एक्टिविटी है। आखिर मस्जिद गिराने का हक किसने दिया? पूरा मुस्लिम समाज ऐसे लोगों के खिलाफ खड़ा है। हम चुप नहीं बैठेंगे।

वीडियो सामने आने के बाद वकील दुष्यंत सिंह ने सोमवार सुबह थाना सदर बाजार में उनके खिलाफ शिकायत की थी। हुदा जरीवाला आम आदमी की प्रवक्ता रह चुकी हैं। बीबीसी लंदन में भी काम कर चुकी हैं। अभी खुद को सामाजिक कार्यकर्ता और यूट्यूबर बताती हैं।

हुदा के मामा डॉ. अजीज कुरैशी कांग्रेस के सीनियर नेता थे। वह उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश (अतिरिक्त कार्यभार) और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल रहे थे। राज्यपाल रहते हुए उन्होंने आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक दर्जा देने वाले बिल को मंजूरी दी थी।

हुदा जरीवाला के खिलाफ शिकायत करने वाले वकील दुष्यंत सिंह ने कहा- हुदा ने कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद हटाने की कार्रवाई पर प्रशासन के खिलाफ टिप्पणी की। सीएम के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें कहीं। इसका वीडियो भी सामने आया है। उनके बयान से लोगों में आक्रोश है। इसी के चलते मैंने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस से अपील है कि हुदा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

हुदा जरीवाला ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मेरे पिता रियाद में रहते थे। वहीं मेरा जन्म और शुरुआती पढ़ाई हुई। बाद में मेरा परिवार भारत आ गया। मैंने आगे की पढ़ाई यहीं से की। मैं सऊदी अरब के संस्कृति एवं सूचना मंत्रालय की रिसर्च टीम में भी रही हूं। उन्होंने बताया- भारत आने के बाद मैंने यूपी के शहरों और गांवों में काम किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में प्रचार किया। मुझे एजुकेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड और 'सेव अर्थ मिशन' से जुड़े पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

सहारनपुर में 5 सितंबर को प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को अवैध बताते हुए गिरा दिया था। 16 घंटे तक 6 बुलडोजर चले। रविवार सुबह मलबा हटाने पर नीचे कुआं मिला। सोमवार सुबह एएसआई की टीम जांच के लिए पहुंची। 3 अफसरों ने कुएं के अंदर उतरकर जांच की और फीता डालकर गहराई मापी। अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया।

4 करोड़ की टंकी 4 सेकंड में नदी में समाई

4 दिन पहले बाउंड्री किच्छा नदी में बही थी, एसडीएम मौके पर पहुंचीं

बरेली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में 4 करोड़ रुपए की निर्माणाधीन पानी की टंकी किच्छा नदी में समा गई। मंगलवार सुबह तेज बहाव के चलते कटान तेजी से हुआ। टंकी हिलने लगी और देखते ही देखते 4 सेकेंड में नदी में ढह गई।

4 दिन पहले ही इसकी बाउंड्रीवाल बह गई थी। जानकारी मिलते ही एसडीएम निधि मौके पर पहुंचीं और अफसरों और ग्रामीणों से जानकारी ली। जल जीवन मिशन के तहत 2023 से टंकी का निर्माण चल रहा था। इसका ढांचा तैयार हो चुका था, जबकि स्ट्रक्चर का काम बाकी था। पाइपलाइन भी बिछाई जा चुकी थी। मामला जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर शेरगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत बैरमनगर का है। टंकी का फाउंडेशन, परिसर, कमरा और गेट का काम हो चुका था। गांव के 70% घरों में पानी की टोंटियां लगाई जा चुकी हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, टंकी बनाने से पहले इंजीनियरों ने सर्वे किया था, लेकिन उन्होंने नदी के कटान का ध्यान नहीं दिया।

एक हफ्ते पहले नदी टंकी से 100 मीटर दूर थी। लेकिन कटान इतनी तेजी से हुआ कि 4 दिन पहले टंकी की बाउंड्रीवाल नदी में समा गई। इसके बाद अफसर मौके पर पहुंचे और सोलर पैनल, डीजी, स्कॉडा व जनरेटर समेत जरूरी सामान सुरक्षित कराया। ग्रामीणों ने बताया- हमने अफसरों से कहा था कि कटान रोकने के लिए पिचिंग नहीं कराई गई तो टंकी भी बह जाएगी, लेकिन अफसरों ने हमारी बात नहीं सुनी।

आंगनवाड़ी वर्कर की सैलरी 4 हजार बढ़ेगी

सहायिकाओं का भी वेतन 2 हजार बढ़ेगा

लखनऊ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को बड़ा तोहफा देने जा रही है। प्रदेश की करीब 3.28 लाख कार्यकर्ताओं का 4 हजार और सहायिकाओं का 2 हजार रुपए मानदेय बढ़ाया जाएगा।

सीएम योगी मंगलवार को अयोध्या में मानदेय बढ़ाने का ऐलान करेंगे। समारोह में नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे। अयोध्या प्रशासन ने इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसी दौरान मानदेय बढ़ोतरी का ऐलान कर सरकार मानदेय भोगी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देने जा रही है।

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बताया कि 71,310 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भर्ती की गई है। इनमें 21,804 कार्यकर्ता और 49,506 सहायिकाएं हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले सरकार का

पूरा फोकस ग्राउंड लेवल पर काम करने वाली महिला कर्मचारियों पर है। महिला वोट बैंक मजबूत करने की रणनीति- इससे पहले सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में तैनात रसोइयों का मानदेय और सुविधाएं बढ़ाई थीं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का दांव चला गया है।

सवा तीन लाख परिवारों पर सीधा असर- 1.89 लाख कार्यकर्ताओं और 1.39 लाख सहायिकाओं का मानदेय बढ़ने से सीधे तौर पर प्रदेश के सवा तीन लाख से अधिक परिवारों का बजट सुधरेगा। मजबूत ग्राउंड नेटवर्क- ग्रामीण और शहरी इलाकों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सीधी पहुंच घर-घर तक होती है। चुनावी माहौल तैयार करने और सरकारी योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने में इनका नेटवर्क बेहद निर्णायक माना जाता है।

अयोध्या के जीआईसी मैदान में आयोजित हो रहे इस मुख्य समारोह में केवल अयोध्या मंडल से ही करीब 12 से 15 हजार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं शामिल होंगी।

दरभंगा के बीडीओ के 5 ठिकानों पर ईओयू की रेड

बुलाने पर भी टीम के सामने नहीं आए महंगे गहनों के बिल और कई एटीएम मिले

दरभंगा, 8 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा के बहादुरपुर प्रखंड के बीडीओ आनंद कुमार विभूति के 5 ठिकानों पर मंगलवार सुबह से आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम छापेमारी कर रही है। पटना से पहुंची टीम ने सैदनगर मोहल्ले के जनकपुरी स्थित आवास 7 घंटे छापेमारी की।

ईओयू के डीएसपी मिथिलेश कुमार जायसवाल ने बताया कि डॉ. आनंद कुमार विभूति के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर पटना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दरभंगा के सैदनगर स्थित किराए के मकान में बीडीओ अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। यहां उनकी पत्नी की मौजूदगी में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं, जिन्हें ईओयू की टीम ने जब्त कर लिया है।

कार्रवाई के दौरान बीडीओ को कई बार उपस्थित होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन उनकी तरफ से यह कहा कि वो किसी काम में व्यस्त हैं। इसके बाद उनकी पत्नी की मौजूदगी में आवास की तलाशी ली गई।

आनंद कुमार विभूति के खिलाफ दरभंगा में पोस्टिंग से पहले निगरानी से संबंधित भ्रष्टाचार का मामला दर्ज होने की जानकारी है।

इसी मामले से जुड़े बिंदुओं पर ईओयू की कार्रवाई की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि उनके पास आय से 1.70 करोड़ ज्यादा संपत्ति होने का इनपुट है।

पटना आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने आनंद कुमार विभूति के दरभंगा, मुजफ्फरपुर समेत 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। बीडीओ के मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना के आदर्शग्राम रोड नंबर -1 स्थित किराए के मकान में ताला बंद है। ईओयू की टीम चाभी के इंतजार में पिछले 5 घंटे से बैठी हुई है।

आनंद कुमार विभूति करीब 2 महीने पहले मुजफ्फरपुर जिले के कांटी प्रखंड से ट्रांसफर होकर दरभंगा आए हैं। बीडीओ अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ दरभंगा में रहते हैं। बीडीओ के 2 बेटे और 1 बेटी है। आनंद कुमार विभूति मूल रूप से पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी के रहने वाले हैं।

दरभंगा के केवटी प्रखंड के बीडीओ चंद्रमोहन पासवान के खिलाफ आय से ज्यादा अर्जित करने के आरोप में ईओयू ने बुधवार को कार्रवाई की।

इनके बिहार और नेपाल तक फैले 6 ठिकानों पर एक साथ रेड हुई। ईओयू के अनुसार आय से 81% (89 लाख) अधिक संपत्ति मिली है।

मैनपुरी के सीओ की मूंछों पर अखिलेश का तंज

बोले- उसकी मूंछें छोटी थीं, भाजपा वाले 'बहरूपिया' हैं

लखनऊ, 8 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी में सीओ सिटी अशोक सिंह के वायरल वीडियो को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है।

लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे सीओ के उस वीडियो को लेकर सवाल किया गया, जिसमें वह मूंछ पर ताव देते हुए अखिलेश यादव को बताने की बात कहते नजर आए थे, तो पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उसकी मूंछें छोटी थीं। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद सीओ अशोक सिंह ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके वीडियो को क्रॉप करके प्रसारित किया गया है।

अखिलेश यादव ने नई पीढ़ी और छात्रों को पार्टी से जोड़ने के लिए समाजवादी छात्र सभा के छात्र जागरूकता अभियान का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि छात्र सभा के कार्यकर्ता विश्वविद्यालयों और कैंपस में जाकर छात्रों से संवाद करेंगे और उन्हें समाजवादी विचारधारा से जोड़ने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी की सोच नई होती है। इसलिए नई सोच और नई विचारधारा के साथ छात्रों के बीच जाने की जरूरत है। कैंपस में छात्रों से मिलने वाले सुझावों को समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने पीडीए को सामाजिक न्याय से जोड़ते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार पीड़ित, दुखी और अपमानित लोगों को जोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए का मतलब केवल राजनीतिक समीकरण नहीं है, बल्कि प्रेम, दया और अपनापन भी है।

पटना में 'आरक्षण 65%' को लेकर भारी बवाल

पुलिस की बैरिकेडिंग पर चढ़ मचाया उत्पात

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को दलित संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। 'आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ' के नारे के साथ हाथों में बैनर, पोस्टर और डॉ भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें लेकर निकले प्रदर्शनकारियों ने गांधी मैदान से लोकभवन की ओर मार्च शुरू किया। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान उग्र प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और समिति के संयोजक अमर आजाद सहित कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया।

जेपी गोलंबर पर रोके जाने के बाद प्रदर्शनकारियों का गुस्सा भड़क गया। वे सुरक्षा घेरा तोड़कर बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और 'जो दलितों से टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा' जैसे आक्रामक नारे लगाने लगे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों के साथ प्रदर्शनकारियों की धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने कई लोगों को डिटेन किया।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें क्या थी? आरक्षण का दायरा: बिहार में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाकर 65% करने और इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग।

न्यायपालिका और निजी क्षेत्र: सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायपालिका और निजी क्षेत्रों (प्राइवेट सेक्टर) में आरक्षण व्यवस्था लागू करने की अपील।

समानता और सुरक्षा: दलित समाज के खिलाफ अत्याचार पर रोक, पीड़ितों को तुरंत न्याय और सरकारी ठेकेदारी में 50% आरक्षण देने का दावा।

'आईएएस-आईपीएस पदों पर भी प्रताड़ना का आरोप'

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश में आज भी जातिगत भेदभाव खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि दलित समाज के लोग अगर आईएएस या आईपीएस जैसे शीर्ष प्रशासनिक पदों पर भी पहुंच जाते हैं, तब भी उन्हें जाति के नाम पर मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब तक पूर्ण सामाजिक न्याय नहीं मिलता, यह लड़ाई जारी रहेगी।

मार्च को देखते हुए पटना पुलिस प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट मोड में था। जेपी गोलंबर से लेकर डाकबंगला चौराहे तक मजबूत बैरिकेडिंग की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए 23 थानों के थानाध्यक्षों, 9 एसपी-डीएसपी अधिकारियों और लगभग 400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जो लगातार हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे।

सहारनपुर मस्जिद मामले में जमीयत की एंट्री

हकीमुद्दीन कासमी के नेतृत्व में पहुंचा डेलिगेशन रिपोर्ट के बाद तय होगा अगला कदम

सहारनपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने के बाद मामला लगातार चर्चा में है।

मामले की जमीनी स्थिति और प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महमूद मदनी गुट का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सहारनपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई जमीयत के जनरल सेक्रेटरी मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने की।

प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और सहारनपुर से जुड़े जमीयत के पदाधिकारी शामिल रहे। सहारनपुर पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान के आवास पर पहुंचे। यहां स्थानीय लोगों और मामले से जुड़े लोगों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई।

जमीयत के पदाधिकारियों ने मस्जिद से जुड़े घटनाक्रम, प्रशासन की कार्रवाई और अब तक की स्थिति को समझने के लिए अलग-अलग लोगों से बातचीत की।

प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि स्थानीय स्तर पर जुटाई जा रही जानकारी के आधार पर पूरे मामले की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस रिपोर्ट में घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों और प्रशासनिक कार्रवाई से संबंधित जानकारी को शामिल किया जाएगा। इसके बाद रिपोर्ट को जमीयत की सुप्रीम कमेटी के सामने रखा जाएगा।

बिहार में बाढ़ का कहर : सुल्तानगंज में गंगा ने तोड़ा 2021 का ऑल टाइम रिकॉर्ड

432 कम्युनिटी किचन के सहारे लाखों पीड़ित

पटना, 8 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के 13 जिलों में बाढ़ से 34 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा के उच्चतम स्तर(एचएफएल) पार करने के बाद प्रशासन ने निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आपदा प्रबंधन विभाग के मंगलवार को जारी बुलेटिन के अनुसार आठ सितंबर को सुबह आठ बजे भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो 17 अगस्त 2021 को दर्ज 36.75 मीटर के पिछले उच्चतम स्तर से अधिक है। हालांकि, फिलहाल जलस्तर

स्थिर बना हुआ है। मंगलवार सुबह भागलपुर जिले के खरीक रघोपुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में एक छोटी नाव पलट गई। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाव पर सवार सभी 10 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन, बागमती और घाघरा समेत कई नदियां राज्य के विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से पटना, भागलपुर, वैशाली, सारण, बेगूसराय, खगड़िया और मुंगेर सहित 13 जिलों के 79 प्रखंडों की 480 ग्राम पंचायतों में लगभग 34.31 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

बिहार मौसम सेवा केंद्र के अनुसार, सितंबर में अब तक राज्य में 79.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 31 प्रतिशत अधिक है। गंडक नदी डुमरियाघाट और हाजीपुर, कोसी नदी बलतारा और कुरसेला, बूढ़ी गंडक नदी खगड़िया, गंगा नदी दीघा, गांधी घाट, हथीदह, भागलपुर, कहलगांव और मुंगेर, पुनपुन नदी श्रीपालपुर, बागमती नदी बेनीबाद तथा घाघरा नदी दरौली और गंगपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

पुष्पा स्टाइल में नदी में बहा दी शराब

सोचा बीच में निकाल लेंगे, लेकिन सीतामढ़ी पुलिस कूद गई पहले

सीतामढ़ी, 8 सितंबर (एजेंसियां)। तस्कर की शराब की सुरक्षित तस्करी के लिए नदी की धारा के सहारे शराब की खेप नेपाल से भारतीय क्षेत्र में ले जा रहे थे। पूरा तरीका एकदम फिल्मी था, पुष्पा स्टाइल। मतलब चंदन की लकड़ियां नदी में फेंक दो और नाके से आगे जाकर उसे छान कर निकाल लो। सीतामढ़ी में शराब तस्करों ने भी ऐसा ही तरीका अपनाया था। लेकिन पुलिस ने कुछ ऐसा किया कि तस्कर भी हैरान रह गए और सिर पर पैर रख भाग छूटे।

मामला सोमवार की देर रात का है। बताया गया है कि कन्हौली थाना पुलिस ने लखनदेई नदी की धारा से नेपाली देशी सौंफी शराब की खेप जब्त की है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही तस्कर फरार हो गए। पुलिस ने जब्त शराब को लेकर अज्ञात तस्कर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर नेपाल से शराब की तस्करी को पुराने रास्तों को छोड़ लखनदेई नदी का सहारा ले रहे हैं और शराब की खेप भारतीय क्षेत्र में ला रहे हैं।

सूचना पर थानाध्यक्ष सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस ने मिडिल स्कूल, मुंहचट्टी के पीछे नदी की धारा से काले पॉलीथिन में बंधी शराब की 22 बोरी बरामद की है। प्रत्येक बोरी में पांच कार्टन शराब थी। कुल 3300 पीस नेपाली देशी सौंफी शराब मिली। नदी के रास्ते भारतीय क्षेत्र में शराब लाने के बाद तस्कर उसे छोटी गाड़ियों से विभिन्न स्थानों पर भेजते है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- 'सर तन से जुदा' उकसाने वाला नारा

'जय श्रीराम' जैसे धार्मिक नारों से तुलना नहीं तौकीर रजा की जमानत खारिज की थी

प्रयागराज, 8 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि 'गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा' जैसा नारा देश के कानून और उसकी एकता को खुली चुनौती देता है। यह नारा लोगों को हिंसा और देश के खिलाफ उकसाने वाला है।

हाईकोर्ट के जज जस्टिस आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा- इस नारे की तुलना 'जय श्रीराम', 'हर हर महादेव', 'सत श्री अकाल' या 'अल्लाहु-अकबर' जैसे धार्मिक नारों से नहीं की जा सकती। इसके साथ ही कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा खान और उनके करीबी डॉ. नफीस खान की जमानत याचिका खारिज कर दी। तौकीर रजा बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए दंगों के मामले में आरोपी है। 27 सितंबर, 2025 से जेल में बंद है। पुलिस ने तौकीर को दंगे का मास्टरमाइंड बताया है, जबकि तौकीर का कहना है कि उसे सियासी षड्यंत्र के तहत फंसाया गया। तौकीर रजा के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि मौलाना निर्दोष है। राजनीतिक रंजिश की वजह से उसे फंसाया जा रहा। उसने कभी भी किसी हिंसा का कोई आह्वान नहीं किया था। न ही वह घटना के समय मौके पर मौजूद था। 26 सितंबर को उसे घर में ही नजरबंद कर दिया गया था। वकील ने तर्क दिया कि तौकीर ने न तो कोई भाषण दिया और न ही ऐसी कोई अपील की, जिसे हिंसा, अव्यवस्था या सार्वजनिक शांति भंग करने के लिए उकसाने वाला माना जा सके।

पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने राहुल-प्रियंका से की मुलाकात

चुनावी रणनीति पर मंथन

चंडीगढ़, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। पंजाब का प्रभारी बनाए जाने के बाद राहुल और प्रियंका के साथ पायलट की यह पहली मुलाकात है। इसे आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में पंजाब कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, चुनावी रणनीति और पार्टी नेताओं के बीच चल रही गुटबाजी पर भी चर्चा हुई।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के इसी महीने पंजाब दौरे पर आने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी के दौरे से पहले सचिन पायलट अगले सप्ताह पंजाब और चंडीगढ़ पहुंचेंगे। अपने पहले दौरे के दौरान वह प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पायलट की इस बैठक के बाद ही राहुल गांधी के पंजाब दौरे का कार्यक्रम अंतिम रूप लेने की संभावना है। राहुल गांधी के सितंबर के अंत में पंजाब आने की संभावना जताई जा रही है। पायलट के पंजाब दौरे का कार्यक्रम अगले दो-तीन दिनों में अंतिम हो सकता है। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी नई दिल्ली में पायलट से मुलाकात कर चुके हैं। वड़िंग ने भी कहा था कि पायलट का पंजाब दौरा करीब एक सप्ताह के भीतर प्रस्तावित है। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी पार्टी के लिए चुनौती बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच राजनीतिक मतभेद लगातार चर्चा में रहे हैं। करीब दो महीने पहले कांग्रेस हाईकमान की ओर से विधानसभा चुनाव से जुड़ी समितियों के गठन के बाद चन्नी और उनके समर्थक विधायकों-सांसदों ने वड़िंग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

वड़िंग को प्रदेश प्रधान पद से हटाने की मांग भी उठी थी। इसके बाद कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को असम की जिम्मेदारी सौंपते हुए सचिन पायलट को पंजाब का नया प्रभारी नियुक्त किया। अब पायलट के सामने विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के साथ ही प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न धड़ों के बीच समन्वय कायम करने की चुनौती है। ऐसे में राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले पायलट का प्रदेश में पहुंचकर नेताओं के साथ बैठक करना संगठनात्मक रूप से अहम माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व की कोशिश है कि राहुल गांधी के दौरे से पहले पंजाब कांग्रेस में आपसी तालमेल और चुनावी तैयारियों को लेकर स्पष्ट रोडमैप तैयार किया जाए।

समुद्र में अमेरिका का कहर: इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं। नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे।

कॉन्क्विस्टा-2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे। इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यासीन मलिक ने तलाक की कही बात तो पाकिस्तानी पत्नी मुशाल ने लगाई गुहार

जेल से रिहाई की मांग, बताया खतरा

इस्लामाबाद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। आतंकवादी गतिविधियों में उम्र कैद की सजा काट रहे कश्मीरी अलगाववादी यासीन मलिक की पाकिस्तानी पत्नी मुशाल हुसैन मलिक ने पति की रिहाई की गुहार लगाई है। मुशाल हुसैन मलिक ने एक वीडियो संदेश में कहा कि जेल में बंद यासीन मलिक की सेहत बहुत खराब है और उनकी जान को खतरा है। मुशाल ने अमेरिका, चीन और इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी से अपील की कि वे उनके पति की रिहाई के लिए उपाय करें। मुशाल मलिक ने पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा फैलाते हुए कहा, जब यासीन मलिक ने सशस्त्र विद्रोह को छोड़कर जब राजनीतिक लड़ाई शुरू की तो दुनिया ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि जब कश्मीरी राजनीतिक लड़ाई पर आएंगे तो दुनिया उनकी आवाज सुनेगी।

मुशाल ने आगे कहा कि यासीन मलिक आज भी इसी शांतिपूर्ण आंदोलन की वजह से जेल में बंद हैं। सजाएं काट रहे हैं और उनकी सेहत दिनों-दिन गिरती जा रही है और उनकी जान को खतरा है। मुशाल ने कहा कि मैं दुनिया से अपील करती हूं, खासतौर पर अमेरिका, चीन, ओआईसी और फील्ड मार्शल (असीम मुनीर) से, कि उनकी जान को बचाने के लिए कुछ किया जाए। मुशाल ने यासीन मलिक को स्वास्थ्य के आधार पर रिहा करने और अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की। मुशाल का बयान ऐसे समय में आया है जब दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद यासीन मलिक ने पत्नी से तलाक लेने की इच्छा जताई है। मलिक ने जम्मू की टाडा/पोटा अदालत में हलफनामा दायर किया है जिसमें तलाक लेने के फैसले की वजह बताई है।

मलिक ने कहा कि वह पिछले 8 सालों से पत्नी और बेटी रजिया सुल्ताना से नहीं मिला है और न फोन पर बात की है। वह नहीं चाहता कि उसकी पत्नी एक विधवा की जिंदगी जिए। यासीन ने कहा कि उसकी पत्नी और बेटी को भी आजादी से रहने का हक है। मुशाल मलिक का ताजा बयान उस पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा सिस्टम का हिस्सा है जो कश्मीर में आतंकवादियों का समर्थन करता है। मुशाल ने अपने पति मुशाल मलिक को राजनीतिक विरोध का शिकार बता रही हैं लेकिन असलिय में उसे टेरर फंडिंग जैसे गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया गया है।

काजीगुंड में एनआईए का बड़ा एक्शन: दिल्ली ब्लास्ट मामले में आतंकी अदील मजीद के घर छापा, जुटाए जा रहे अहम सुराग

जम्मू, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा प्रहार जारी ही। इस बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को कश्मीर में बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने अनंतनाग जिले के काजीगुंड में व्हाइट-कॉलर आतंकी अदील मजीद राथर के घर पर छापा मारा। ये कार्रवाई पिछले साल 10 नवंबर को दिल्ली में भीषण बम विस्फोट मामले के मामले में की गई है। अदील को विस्फोट से तीन दिन पहले गिरफ्तार किया गया था।

पिछले साल दिल्ली में लाल किले के पास हुए इस विस्फोट ने पूरे देश को दहला दिया था। इस आतंकी घटना में एक दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई थी और 20 घायल हुए थे। जांच एजेंसी इस मामले की कड़ियों को जोड़ने के लिए लगातार जांच कर रही है। इसी सिलसिले में अदील मजीद के घर को खंगाला गया है। अधिकारियों के मुताबिक, अदील राथर के घर पर एनआईए ने करीब एक घंटे तक तलाशी ली। इस दौरान कई अहम सुरागों को जुटाने का प्रयास किया गया है। जांच एजेंसी की ओर से छापे में बरामदगी के बारे में अभी कोई भी जानकारी साझा नहीं की गई है।

अमेरिका के टैरिफ लगाने की आंशका से तांबा ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर तांबे की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसकी वजह रिफाइंड तांबे पर अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने की आशंका है, जिससे कारोबारियों ने तांबे की आपूर्ति अमेरिका भेजनी शुरू कर दी है और अन्य बाजारों के उपलब्धता कम हो गई है। एलएमई पर तीन महीने के वायदा में तांबे की कीमत 0.8 प्रतिशत बढ़कर 14,533 डॉलर मीट्रिक टन के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई है, जो कि जनवरी में दर्ज उच्चतम स्तर 14,527.50 मीट्रिक टन से अधिक है। इस साल अब तक तांबे की कीमत में करीब 17 प्रतिशत और पिछले 12 महीनों में करीब 47 प्रतिशत की तेजी आई है। घरेलू बाजार में भी तांबा वायदा (सितंबर) 1.21 प्रतिशत यानी 16.8 रुपए तक बढ़कर सुबह 10:30 बजे तक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 1,403.50 रुपए के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। तांबे में यह तेजी लंबे समय से चली आ रही आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन को दर्शाती है। पुरानी होती खदानें डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और बिजली ग्रिड से बढ़ती मांग के साथ तालमेल बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। हालांकि, तांबे की कीमतों में हालिया उछाल अंतिम उपभोक्ताओं की मांग में अचानक वृद्धि की बजाय टैरिफ से जुड़े आपूर्ति प्रवाह के कारण अधिक आया है। इसके अलावा, अमेरिकी वाणिज्य विभाग को रिफाइंड तांबे पर टैरिफ लगाने की जरूरत को लेकर व्हाइट हाउस को सलाह देनी थी, लेकिन 30 जून की समयसीमा के दो महीने से अधिक समय बाद भी अंतिम फैसला सामने नहीं आया है। वैश्विक स्तर पर तांबे का भंडार अभी भी अपेक्षाकृत ऊंचा है, लेकिन तांबे का स्टॉक अमेरिका में केंद्रित हो गया है। इसके कारण एलएमई नेटवर्क के जरिए उपलब्ध तांबे की मात्रा कम हो गई है। इसी तरह, हाजिर तांबा अभी भी तीन महीने के वायदा भाव से प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। बाजार की इस स्थिति को 'बैकवर्डेशन' कहा जाता है और यह निकट अवधि में तांबे की आपूर्ति में कमी का संकेत देती है। हालांकि, रिपोर्टों के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में वैश्विक तांबा खदान उत्पादन करीब 1 प्रतिशत घटा, जबकि कॉन्संट्रेट उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

प्रियंक कानूनगो का पंजाब सरकार पर एक्शन

संगरूर में बुजुर्ग की आत्महत्या पर एनएचआरसी की कार्रवाई शुरू

संगरूर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में एक बुजुर्ग व्यापारी द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने के मामले ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। आरोप है कि बुजुर्ग ने वित्त मंत्री हरपाल चीमा के सामने सार्वजनिक कार्यक्रम में ड्रग्स पर रोक लगाने का मुद्दा उठाया था, जिसके बाद पुलिस ने उसे इतना प्रताड़ित किया कि उसने आत्महत्या कर ली। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने संज्ञान ले लिया है। एनएचआरसी सदस्य प्रियंक कानूनगो ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी। उन्होंने लिखा, पंजाब के एससी कमीशन के पूर्व अध्यक्ष राजेश बागा से शिकायत प्राप्त हुई है कि संगरूर जिले में वित्त मंत्री हरपाल चीमा के सामने सार्वजनिक कार्यक्रम में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने ड्रग्स पर रोक लगाने का मुद्दा उठाया था जिससे मंत्री नाराज हो गए और पुलिस ने बुजुर्ग व्यापारी को इतना प्रताड़ित किया कि उसने जहर खा कर आत्महत्या कर ली।

हमने संज्ञान ले लिया है, कार्रवाई कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब के संगरूर जिले में रहने वाले 50 वर्षीय गुलजार सिंह ने जहर खा लिया। बताया जा रहा है कि वह सरकार द्वारा ड्रग्स की समस्या को रोकने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने से परेशान थे। जहर खाने के बाद उन्हें काफी दर्द हुआ लेकिन मरने से पहले उन्होंने लोगों से बात की। मरने से पहले गुलजार सिंह ने कहा था, चीमा भी मेरी मौत के लिए जिम्मेदार है। वह पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की ओर इशारा कर रहे थे, जिनसे उन्होंने गांव के दौरे के दौरान राज्य की ड्रग्स समस्या को लेकर सवाल किया था। गुलजार सिंह ने आरोप लगाया था कि 'आप' सरकार के मंत्री से सवाल करने के बाद पुलिस उन्हें अलग ले गई और माफी मांगने के लिए काफी दबाव डाला।

अपने आखिरी बयान में उन्होंने कहा था, सरपंच भी मेरी मौत के लिए जिम्मेदार है। मैंने चीमा से ड्रग्स के बारे में सवाल किया था। मेरा बेटा ड्रग्स लेता है। मेरा घर बिक गया। मेरे पास कुछ नहीं है और आखिरकार अब मैंने जहर खा लिया है। पंजाब में कहीं भी ड्रग्स की समस्या हल नहीं हुई है।

श्री जगन्नाथ मंदिर भूमि प्रबंधन के लिए ओडिशा कैबिनेट ने नए नियमों को दी मंजूरी

भुवनेश्वर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा मंत्रिमंडल ने श्री जगन्नाथ मंदिर भूमि प्रबंधन नियम, 2026 को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य ओडिशा भर में श्री जगन्नाथ मंदिर (एसजेटी) की भूमि के प्रबंधन और निपटान में अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता लाना है। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इन नियमों को मंजूरी मिल गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम, 1955 की धारा 32 के साथ धारा 16 की उपधारा (2) के तहत नए नियम बनाए गए हैं, जो समान नीति, 2003 और संशोधित समान नीति, 2019 का स्थान लेते हैं। सरकार ने कहा कि नए नियमों के तहत एसजेटी भूमि के निपटान के लिए आवेदनों की प्राप्ति, सत्यापन और निपटान के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन, पोर्टल-आधारित प्रणाली स्थापित की गई है। नियमों के अनुसार, कलेक्टर की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय भूमि उप-समिति (डीएलएससी) और प्रत्येक आवेदन के क्षेत्र सत्यापन और जांच के लिए जिला स्तर पर एक श्री जगन्नाथ महाप्रभु भूमि संचालन समिति (एसजेएमबीएससी) का गठन अनिवार्य है। नए नियमों के तहत, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) सभी बस्तियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करेगी, जिससे संस्थागत निगरानी सुनिश्चित होगी। नियमों में सेवकों, मठों, गैर-सेवकों और अन्य लाभार्थियों के लिए बेंचमार्क मूल्य (बीएमवी) और औसत भूमि बिक्री सांख्यिकी (एएलएसएस) में से जो भी अधिक हो, उसके आधार पर मूल्यांकन निर्धारित किया गया है।

0.250 डेसिमल तक की व्यावसायिक भूमि का मूल्यांकन बीएमवी या एएलएसएस (जो भी अधिक हो) के चार गुना के हिसाब से किया जाएगा। 30 वर्षों से अधिक समय से निरंतर कब्जे वाले सेवा पूजा युक्त मठों की बिजेस्थली के लिए विशेष रियायतें प्रदान की गई हैं। इन नियमों में सार्वजनिक रूप से सुलभ डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से सभी एसजेटी भूमि का व्यापक जीआईएस-आधारित डिजिटल मानचित्रण और सूची तैयार करना भी अनिवार्य है,

थलपति विजय को मिला कंगना रनौत का सपोर्ट

बीजेपी सांसद ने किसे दी अपने भीतर झांकने की नसीहत

शिमला, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महिलाओं के चरित्र का इस्तेमाल हमेशा उन्हें बर्बाद करने के लिए उनके ही खिलाफ किया जाता है और अब समय आ गया है कि समाज अपने भीतर झांककर देखे कि महिलाओं के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। बीजेपी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत यह बात कही। कंगना ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के भाषण का समर्थन करते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं कि यह केवल भारत तक सीमित नहीं है और दुनियाभर में ऐसा होता है कि कामकाजी महिलाओं, सफल महिलाओं, अभिनेत्रियों, राजनेताओं और सत्ता एवं अधिकार के पदों पर बैठी महिलाओं के चरित्र को निशाना बनाया जाता है ताकि उन्हें नीचे गिराया जा सके। दरअसल कंगना से थलपति विजय के उस भाषण के बारे में पूछा गया था जिसमें उन्होंने विपक्षी डीएमके को निशाना बनाते हुए चेतावनी दी थी कि व्यक्तिगत हमले, दोहरे अर्थ वाले अपमानजनक शब्द या महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने पर तत्काल और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विजय ने अपने भाषण में दिवंगत मुख्यमंत्री जे। जयललिता के साथ तमिलनाडु विधानसभा में कथित दुर्व्यवहार और अपमान का भी जिक्र किया था। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए एक शीर्ष अभिनेत्री पर किए गए व्यक्तिगत हमलों की ओर भी इशारा किया था। वर्ष 2021 में बनी जयललिता के जीवन पर आधारित फिल्म में उनकी भूमिका निभाने वाली कंगना रनौत ने कहा कि महिलाओं को इस तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में हमने देखा है कि एक बेहद प्रसिद्ध अभिनेत्री को उसके संबंधों को लेकर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि संबंध दोनों पक्षों से होते हैं, लेकिन दुर्व्यवहार, 'चीरहरण' और चरित्र हनन के लिए केवल महिला को निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें एक समाज के रूप में आत्ममंथन करना चाहिए कि हम महिलाओं को किस नजरिए से देखते हैं और क्या हम वास्तव में उनका सम्मान करते हैं या नहीं।

सीएम मरियम शरीफ के बयान पर मचा हंगामा, पंजाब सरकार की सफाई- इंडिया कार्ड खेला गया

इस्लामाबाद, 8 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पंजाब सरकार की ओर से अपने राज्य में सुरक्षा से जुड़े खतरे को लेकर मुख्यमंत्री मरियम नवाज की टिप्पणी पर सफाई दी गई है। यह सफाई मरियम की पिछले हफ्ते दिए बयान पर सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस के बाद आई है। पाक पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि आतंकवाद पर सीएम मरियम की बयान को मुख्य संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और उन्हें अनावश्यक रूप से राजनीतिक और प्रांतीय रंग दे दिया गया। बुखारी ने कहा, "सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज के एक बयान को लेकर बेवजह हंगामा खड़ा किया जा रहा है, जिसमें आतंकवाद को लेकर उनकी ओर से जताई गई चिंता को गलत, घिनौने और बेहद घटिया तरीके से प्रांतीय और राजनीतिक रंग दिया गया है।" उन्होंने आगे कहा कि मरियम को यह मालूम है कि पाकिस्तान को किसी पड़ोसी देश से कोई खतरा नहीं है। साथ ही बुखारी ने पाकिस्तानी सेना के हालिया प्रदर्शन का भी हवाला देते हुए कहा, "पाकिस्तान सेना ने इस तथ्य को साबित कर दिया है। पाकिस्तान सेना ने पूरी दुनिया को 'हक की लड़ाई' में अपनी जीत दिखाई है।" पाकिस्तानी प्रांत पंजाब की मंत्री ने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने को लेकर पंजाब सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पूरे पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवादियों तथा प्रतिबंधित संगठनों पर नजर बनाए रखने का काम करने वाले क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट (सीसीडी) का पुनर्गठन किया है। उन्होंने कहा, "सीसीडी, जो पूरे पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आतंकवादियों और प्रतिबंधित संगठनों पर नजर रखने के लिए जिम्मेदार क्राइम कंट्रोल एजेंसी है, जिसका मुख्यमंत्री मरियम ने पुनर्गठन किया है।" मंत्री बुखारी ने बताया कि मरियम ने लाहौर में आयोजित एआई हब का उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में किसी पड़ोसी देश की जगह अपने ही दूसरे प्रांतों से पंजाब में घुसने वाले आतंकवादियों से पैदा होने वाले खतरों का जिक्र कर रही थीं।

उन्होंने आगे कहा, "एआई हब के उद्घाटन के दौरान, उन्होंने कहा था कि खतरा पड़ोसी देश से नहीं, बल्कि दूसरे प्रांतों से आने वाले आतंकवादियों से है।" हालांकि इस बयान को लेकर पाकिस्तान में मचे बवाल पर सवाल उठाते हुए बुखारी ने कहा, "मुझे समझ नहीं आता कि इसमें क्या आपत्ति है।

सहारनपुर मस्जिद नहीं, मुसलमानों के सीने पर चला बुल्डोजर

बीजेपी पर भड़के एआईएमआईएम नेता वारिस पठान, अबू आजमी ने भी कोसा

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में मस्जिद गिराने के मामले में महाराष्ट्र तक हलचल मच गई है। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने यूपी सरकार पर निशाना लगाया है। वहीं ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के सीनियर नेता वारिस पठान ने भी सरकार को खरीखोटी सुनाई है। अबू आजमी ने कहा कि आरएसएस मोहब्बत फैलाने का काम कर रही है। सहारनपुर में सौ साल पुरानी मस्जिद को सत्ता में बैठे लोगों ने रात में जाकर तोड़ दिया। उन्होंने हाईकोर्ट जाने का मौका भी नहीं दिया। अबू आजमी ने कहा कि मैं समझता हूं कि जब ये देश आजाद नहीं था, उस वक्त यह मस्जिद बनी थी।

इस तरह से या किसी इमारत को भी इस तरह से तोड़ना, मैं समझता हूं बिल्कुल गलत है। उनको कोर्ट जाने का टाइम देना चाहिए था। यहां लगता है कि इस देश में जो है लोकशाही खत्म हो गई है और डिक्टेटरशिप शुरू हो चुकी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करने वालों ने हमारी मस्जिद पर नहीं, हमारे सीने पर बुलडोजर चलाया है। जब भारत की हिस्ट्री लिखी जाएगी तब इसे काला दिन लिखा जाएगा। हमारी एक और मस्जिद को षडयंत्र के तहत ध्वस्त कर दिया गया। वहां के लोगों को बुलाकर कहा कि मस्जिद सिर्फ सील करेंगे। बैरीकेड्स लगा दिए गए। लोगों को हाउस अरेस्ट कर दिया गया। मस्जिद को शहीद कर दिया गया।

आपके पास वक्त था, आप हाई कोर्ट जाने का समय दे सकते थे लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उस दिन संविधान का गला घोंटा गया। लोकतंत्र का कत्ल किया गया। कायदे कानून की धज्जियां उड़ाई गईं। दिल हमारा आहत है। यह बुल्डोजर हमारे सीने पर चलाया गया। पहले वहां मस्जिद बनाई गई फिर कलेक्ट्रेट बना। मस्जिद 1911 में बनी थी, इसका दस्तावेज है। यह लोग नफरत फैला रहे हैं। याकूब खान के शख्स बता रहे हैं कि उनकी जमीन है और उनके पास मस्जिद है। बीजेपी ध्यान भटका रही है, नफरत फैला रही है। मुसलमानों पर बुल्डोजर चला रही है। उन्होंने कहा कि अब हाई कोर्ट कायदा-कानून देखेगा।

'पहले पहचान जांचें, हनुमान चालीसा पढ़ें'

गरबा में मुस्लिमों की एंट्री पर राणे के बयान पर विवाद बढ़ा

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नवरात्रि के गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिमों की एंट्री रोकने की विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि गरबा में आने वालों की पहचान जांची जानी चाहिए। राणे ने प्रवेश से पहले हनुमान चालीसा पढ़ने की बात भी कही। उनका दावा है कि ऐसे त्योहारों के दौरान 'लव जिहाद' के मामले बढ़ते हैं। राणे ने कहा कि जो लोग मूर्ति पूजा का पालन नहीं करते, उन्हें हिंदू धार्मिक आयोजनों में शामिल नहीं होना चाहिए। गरबा में आने वालों को अपनी पहचान दिखानी चाहिए और प्रवेश की अनुमति देने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। वीएचपी ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र में होने वाले गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिमों को प्रवेश नहीं देने की मांग की थी। संगठन ने आयोजकों के लिए कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

इनमें प्रतिभागियों की पहचान आधार कार्ड से जांचने और उनके माथे पर तिलक लगाने की बात कही गई है। नवरात्रि का त्योहार 11 अक्टूबर से शुरू होगा। राणे ने आरोप लगाया कि नवरात्रि जैसे त्योहारों के दौरान 'लव जिहाद' के मामले बढ़ने लगते हैं। 'लव जिहाद' शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी कार्यकर्ता उस कथित साजिश के आरोप के लिए करते हैं, जिसमें मुस्लिम पुरुषों पर हिंदू महिलाओं को रिश्तों में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया जाता है। राणे ने इसी दावे का हवाला देते हुए गरबा आयोजनों में पहचान जांच की मांग का समर्थन किया है। राणे ने शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे को दिशा सालियान की मौत के मामले में घेरा। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर आदित्य ठाकरे का इस मामले से कोई संबंध नहीं है तो उनके वकील ने अदालत में हस्तक्षेप आवेदन क्यों दाखिल किया। राणे ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक नहीं, बल्कि एक महिला के सामूहिक दुष्कर्म और हत्या से जुड़ा है।

दो सितंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिशा सालियान की मौत की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। दिशा सालियान दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। अदालत ने छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करने को लेकर मुंबई पुलिस को फटकार भी लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि पुलिस की जांच 'जवाब से ज्यादा सवाल खड़े करती है।' राणे ने कहा कि अब इस मामले के सभी पहलू सामने आएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 9 सितंबर - 2026

किराये का जानलेवा कारोबार

महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक किराये पर मकान देने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। जहां जगह मिली, वहीं बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो गईं और देखते ही देखते आवासीय भवनों का इस्तेमाल पीजी, होटल, रेस्टोरेंट और दूसरे व्यावसायिक कामों के लिए होने लगा। समस्या कारोबार करने में नहीं है, समस्या उस व्यवस्था में है जिसमें इमारत की सुरक्षा पीछे छूट जाती है और कमाई सबसे आगे निकल जाती है। जब यही लापरवाही हादसे में बदलती है, तब कुछ दिनों तक प्रशासनिक कार्रवाई होती है और फिर सब कुछ पहले जैसा चलने लगता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना इसी गंभीर संकट का संदेश देती है। यह केवल एक इमारत के गिरने की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जिसमें जर्जर भवनों को भी व्यावसायिक उपयोग में लाया जाता रहता है। सवाल है कि ऐसी इमारतें खतरनाक घोषित होने से पहले ही जिम्मेदार विभागों की निगाह में क्यों नहीं आतीं? देश में हाल के दिनों में जर्जर इमारतों के गिरने और उनमें आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बीते जून में मुंबई के मालवाणी नगर में एक होटल में आग से बाइस लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश के लखनऊ के अलीगंज स्थित एक व्यावसायिक इमारत में आग की घटना में विद्यार्थियों समेत पंद्रह लोगों की जान चली गई। कानपुर में भी जर्जर इमारत गिरने से हादसा हुआ। हर घटना के बाद जांच, गिरफ्तारी, निलंबन और मुआवजे की घोषणाएं की औपचारिकताएं होती हैं, लेकिन मूल प्रश्न वहीं रहता है कि क्या अगला हादसा रोकने की कोई ठोस व्यवस्था बनी? किसी इमारत का नक्शा पास होने से लेकर निर्माण की गुणवत्ता और उसके बाद नियमित निरीक्षण तक कई स्तरों पर जांच का प्रावधान है। फिर नियमों की अनदेखी कैसे होती रहती है? जर्जर भवनों को असुरक्षित घोषित करने के बावजूद उनमें लोगों का रहना जारी कैसे रहता है? और यदि हादसा होने के समय भवन में मरम्मत का काम चल रहा था, तो पहले सुरक्षा जांच क्यों नहीं हुई? पीजी और किराये के मकानों का कारोबार बड़े शहरों में तेजी से फैल रहा है। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों की बड़ी संख्या ऐसी इमारतों पर निर्भर है। इसलिए उनकी सुरक्षा केवल मकान मालिक की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। स्थानीय निकाय, भवन निर्माण विभाग, अग्निशमन विभाग और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। किराये पर भवन देने की अनुमति तभी हो, जब उसकी सुरक्षा प्रमाणित हो। दिल्ली सरकार पीजी सुरक्षा नीति लाने की तैयारी कर रही है। हालांकि राजधानी में इस तरह के प्रयास वर्ष 1993 से जारी हैं, लेकिन अभी तक ठोस नियम जमीन पर प्रभावी नहीं हो पाए हैं। यही असली समस्या है। नए नियम बनाना आसान है, पुराने नियमों को ईमानदारी से लागू करना कठिन। सरकार को प्रत्येक पुराने और व्यावसायिक रूप से इस्तेमाल हो रहे भवन का नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट रिकॉर्ड, समयबद्ध निरीक्षण और उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। हादसे के बाद दोषी खोजने से बेहतर है कि हादसे की संभावना ही खत्म की जाए। आखिर इमारतों की कीमत उनकी मंजिलों से नहीं, उनमें रहने वाली जिंदगियों की सुरक्षा से तय होती है।

बाहर 'न्यू काशी', भीतर बदहाल बनारस!

सुरेश गांधी

काशी बदल रही है। यह बात अब केवल सरकारी दावों, भाषणों या होर्डिंग्स में नहीं दिखती। नमो घाट की रोशनी, विश्वनाथ धाम की भव्यता, रिंग रोड की रफ्तार और शहर को महानगरों से जोड़ती चौड़ी सड़कों ने वाराणसी की बाहरी तस्वीर सचमुच बदल दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2025 तक काशी के विकास के नाम पर 580 परियोजनाओं में करीब 48,459 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। बड़े प्रोजेक्ट लगातार आकार ले रहे हैं। जुलाई 2026 में रिंग रोड और एनएच-19 को जोड़ने वाले 46.039 किलोमीटर गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 14,447.64 करोड़ और वरुणा किनारे एनएच-31 को रिंग रोड से जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर कॉरिडोर के लिए 10,998.32 करोड़ रुपये मंजूर हुए।

लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के ठीक पीछे एक दूसरा बनारस सांस ले रहा है- और वह सांस भी बदबूदार है। वह बनारस, जहां बारिश होते ही सड़क और नाली की पहचान मिट जाती है। जहां कहीं घुटनों तक पानी है, कहीं सीवर उफन रहा है और कहीं कूड़े के ढेर के बीच से नागरिक रास्ता तलाश रहा है। हाल की बारिश ने करीब 35 इलाकों में जलभराव की समस्या उजागर की। गोदौलिया, नई सड़क, जैतपुरा, कज्जाकपुरा और गिरजाघर जैसे प्रमुख हिस्सों से लेकर मलदहिया, शिवपुरवा, पिपलानी, बजरडीहा, अंबा और कश्मीरीगंज तक पानी और सीवर ने लोगों की मुश्किल बढ़ाई। मारुति नगर और नीलकंठपुरम में कई दिनों तक घुटनों तक पानी जमा रहने की तस्वीरें बताती हैं कि समस्या सिर्फ बारिश की नहीं, जलनिकासी की क्षमता की भी है।

एक शहर, दो तस्वीरें

काशी की सबसे बड़ी विडंबना शायद यही है। एक काशी पर्यटक देखता है-घाटों की रोशनी, विश्वनाथ धाम की दिव्यता, चौड़े मार्ग, रिंग रोड और नए कॉरिडोर। दूसरी काशी नागरिक जीता है-टूटी गली, उफनता नाला, सड़क पर बहता सीवर, कूड़े का ढेर और बारिश में बदलती सड़कें। यही वह अंतर है जो विकास के आंकड़ों और नागरिक अनुभव के बीच खाई पैदा करता है। बड़े प्रोजेक्ट किसी शहर की क्षमता और महत्वाकांक्षा का प्रतीक होते हैं, लेकिन शहर की असली गुणवत्ता उसकी छोटी गलियां तय करती हैं। जिस नागरिक को रोज घर से निकलकर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़े, उसके लिए हजारों करोड़ की परियोजना का गौरव तभी मायने रखेगा जब उसका अपना मोहल्ला भी उस बदलाव का हिस्सा बने।

नगर निगम और जलकल का वित्तीय वर्ष 2026-27 का कुल बजट करीब 2,575 करोड़ रुपये बताया गया है। नगर निगम का बजट पिछले वर्षों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। सफाई व्यवस्था के लिए 180 करोड़ रुपये का प्रावधान है। सीवर लाइन, पंपिंग स्टेशन और एसटीपी की मरम्मत के लिए भी धन रखा गया है। फिर सवाल उठना स्वाभाविक है—अगर संसाधन हैं तो नतीजे कहां हैं? अगर नालों की सफाई के लिए पैसा है तो बरसात में वही नाले क्यों उफनते हैं? अगर सीवर व्यवस्था पर खर्च हो रहा है तो घरों और सड़कों पर सीवेज क्यों पहुंचता है? अगर सफाई का बजट बढ़ा है तो कूड़े के ढेर खत्म क्यों नहीं होते? यह सवाल किसी राजनीतिक दल का नहीं, उस नागरिक का है जो टैक्स देता है और बदले में न्यूनतम नागरिक सुविधा चाहता है। बजट का आकार शहर की सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। असली पैमाना यह है कि उस बजट का असर सड़क, नाली, सीवर और सफाई में कितना दिखाई देता है।

कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव के क्षेत्र में जलभराव और सीवर की समस्या को लेकर लोगों की नाराजगी सामने आई तो यह मुद्दा राजनीतिक बहस में भी पहुंच गया। कश्मीरीगंज-गुरुधाम क्षेत्र में लोगों ने विरोध जताया। विधायक मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से समस्या दूर करने को कहा। इसके बाद सीवर लाइन की डिसिल्टिंग, नई लाइन और पानी निकासी के लिए मशीनें लगाने जैसी कार्रवाई शुरू हुई। सौरभ श्रीवास्तव का तर्क है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी के विकास के लिए धन की कमी नहीं होने दी, लेकिन कई परियोजनाएं समय पर जमीन पर नहीं उतर सकीं। उनका सवाल नगर निगम के बड़े बजट और बरसात से पहले नालों-सीवर की सफाई को लेकर है। उनका यह भी कहना है कि विधायक निधि सीमित है, जबकि शहर की बुनियादी सुविधाओं की जिम्मेदारी बड़े बजट वाले विभागों की है। राजनीतिक नजरिए से इसे जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डालने की कोशिश कहा जा सकता है। लेकिन जनता के सवाल की अपनी स्वतंत्र ताकत है। उसके लिए यह मायने नहीं रखता कि सड़क किस विभाग की है, सीवर किस एजेंसी का और नाला किसके अधीन। नागरिक के सामने जो जनप्रतिनिधि खड़ा है, उससे वह समाधान मांगता है। माने पर विकास हुआ है-इसे नकारना तथ्यों से आंखें मूंदना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांसद बनने के बाद शहर में सड़क, पर्यटन, रेलवे, पेयजल, शहरी विकास और कनेक्टिविटी से जुड़ी अनेक परियोजनाएं आईं। 48,459 करोड़ रुपये का निवेश अपने आप में छोटी उपलब्धि नहीं है। इसलिए सवाल प्रधानमंत्री के विकास मॉडल के अस्तित्व का नहीं, उसके अंतिम छोर तक पहुंचने का है। बड़ी सड़क बन गई, लेकिन उससे जुड़ी गली कीचड़ में क्यों है? कॉरिडोर तैयार हो रहा है, लेकिन मोहल्ले का सीवर बारिश में क्यों भर जाता है? घाट चमक रहे हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने वाले शहर के भीतर के रास्ते नागरिक को क्यों परेशान करते हैं? विकास का अर्थ केवल दिखाई देने वाली भव्यता नहीं है। विकास तब पूरा होता है जब वह रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाता है। हड़हा सराय, दालमंडी, काशीपुरा और गणेशपुरी कॉलोनी से सीवर ओवरफ्लो की शिकायतें सामने आना बताता है कि समस्या किसी एक मोहल्ले तक सीमित नहीं।

डिजिटल का कीर्तिमान और भारत का आर्थिक महाशक्ति मॉडल

अशोक भाटिया

समकालीन भारतीय राजनीति में जनभावनाओं के उभार, चुनावी रणनीतियों और किसी राजनेता की लोकप्रियता को मापने के पारंपरिक पैमाने अब पूरी तरह बदल चुके हैं। हाल ही में 8 सितंबर 2026 को गुजरात के वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम नमो फॉर विकसित भारत को लेकर हुए अभूतपूर्व पंजीकरण ने न केवल एक नया इतिहास रचा , बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श में आधुनिक तकनीक के समावेश को एक सर्वथा नई दिशा भी दी है। यह देश के राजनीतिक इतिहास में संभवतः पहला ऐसा अवसर है जब किसी निर्वाचित राष्ट्रप्रमुख के सार्वजनिक कार्यक्रम में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावसायिक ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म BookMyShow का सहारा लिया गया और देखते ही देखते मात्र एक घंटे के भीतर पूरा मैदान आरक्षित हो गया। आमतौर पर मनोरंजन, सिनेमा, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों और बड़े संगीत कंसर्ट के टिकटों के लिए दिखने वाला डिजिटल क्रेज जब किसी राजनीतिक और पूरी तरह से विकास-केंद्रित कार्यक्रम के लिए दिखाई देने लगे, तो यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-अपील अपने कार्यकाल के इतने वर्षों बाद भी अपने चरम पर बनी हुई है। इस अभूतपूर्व पंजीकरण प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद भी बयालीस हजार से अधिक लोगों का लगातार वेटिंग लिस्ट में बने रहना यह साबित करता है कि जनता अपने नेता को सुनने, उनसे संवाद करने और उनके विजन से जुड़ने के लिए किस कदर उत्सुक है। यह घटना केवल एक सफल इवेंट मैनेजमेंट या प्रशासनिक तत्परता का उदाहरण भर नहीं है, बल्कि यह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर नव-मतदाता, युवा और तकनीक-सचेत नागरिक, अब विकास की राजनीति को किस तरह से आत्मसात कर रहे हैं और देश के भविष्य को लेकर कितने सजग हैं। इस पूरे घटनाक्रम के अंतर्निहित संदेशों को समझने के लिए हमें उस प्रशासनिक और राजनीतिक नवाचार का गहराई से विश्लेषण करना होगा, जो वडोदरा नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर इस ऐतिहासिक जनसभा के लिए पेश किया । पारंपरिक रूप से भारतीय राजनीति में रैलियों और जनसभाओं में भीड़ जुटाने के तौर-तरीके हमेशा से विवादों, राजनीतिक रस्साकशी और गंभीर अव्यवस्थाओं के घेरे में रहे हैं, जहाँ बसों और ट्रकों में भरकर लोगों को लाने, असंगठित भीड़ के कारण सुरक्षा घेरे को तोड़ने और यातायात व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने जैसी स्थितियाँ आम हुआ करती थीं। इसके विपरीत, वडोदरा के महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी पवेलियन ग्राउंड में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के लिए डिजिटल माध्यम से मुफ्त क्यूआर-कोड आधारित 'एम-टिकट' जारी करना एक क्रांतिकारी और अनुकरणीय कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल उस पुरानी वीआईपी संस्कृति को पीछे छोड़ते हुए आम नागरिकों को गरिमापूर्ण तरीके से सीधे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का पारदर्शी अवसर देता है, बल्कि सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिहाज से भी भविष्य की रैलियों के लिए एक नया वैश्विक मॉडल प्रस्तुत करता है। जब प्रत्येक आगंतुक के पास एक प्रमाणित डिजिटल पास होता है, तो कार्यक्रम स्थल पर होने वाली अफरातफरी और भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाती है।

यह पूरी पारदर्शी प्रक्रिया यह भी दर्शाती है कि प्रधानमंत्री का 'डिजिटल इंडिया' का सपना अब केवल बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं या वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उसने राजनीतिक भागीदारी, लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक संवाद के बुनियादी तौर-तरीकों को भी पूरी तरह से बदलकर रख दिया है। इस संदर्भ में, वडोदरा और समग्र गुजरात का आर्थिक व औद्योगिक महत्व इस पूरे विमर्श को एक बेहद मजबूत और ठोस धरातल प्रदान करता है। गुजरात आज भारतीय अर्थव्यवस्था का एक ऐसा मुख्य इंजन बन चुका है, जो देश के कुल निर्यात में लगभग एक तिहाई की हिस्सेदारी रखता है और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का प्रवेश द्वार बना हुआ है। वहीं वडोदरा, जिसे पारंपरिक रूप से 'संस्कारी नगरी' या कला, साहित्य और संस्कृति की राजधानी माना जाता था, आज भारत के सबसे तेजी से उभरते हुए आधुनिक औद्योगिक, हैवी इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल हब के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय धाक जमा चुका है। भारत के कुल बिजली पारेषण और वितरण उपकरण निर्माण का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा अकेले वडोदरा और उसके आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से आता है, जो इसे देश का एक प्रमुख ऊर्जा-इंजीनियरिंग केंद्र बनाता है। यही नहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के संयुक्त उद्यम के तहत इसी वडोदरा की धरती पर स्थापित की गई सी-295 (C-295) परिवहन विमान निर्माण सुविधा ने इस शहर को वैश्विक रक्षा निर्माण (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग) के नक्शे पर अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। विमान निर्माण की यह ऐतिहासिक परियोजना न केवल देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों कुशल इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रही है।

जब किसी ऐसे शहर में विकास की एक सर्वथा नई इबारत लिखी जा रही हो, जो सीधे तौर पर देश की जीडीपी को रफ्तार दे रहा हो, तो वहाँ के नागरिकों का देश के नीति-नियंता के प्रति ऐसा जबरदस्त डिजिटल उत्साह दिखाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। गुजरात की यह आर्थिक ताकत और वडोदरा की औद्योगिक उद्यमशीलता ही वह धुरी है, जिस पर आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक 'मैन्युफैक्चरिंग सुपरपावर' बनने का विशाल राष्ट्रीय सपना टिका हुआ है। इस असाधारण डिजिटल दीवानगी के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण और तात्कालिक कारक है, वह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास केंद्रित एजेंडा, जिसे वे विकसित भारत के संकल्प के रूप में देश के सामने लगातार रख रहे हैं। 8 सितंबर 2026 का यह वडोदरा दौरा केवल एक औपचारिक राजनीतिक जनसभा नहीं थी , बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली पैंतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की विशाल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उत्सव भी था । इन परियोजनाओं में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन मुख्य सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित किया जाना सबसे प्रमुख है, जो मालगाड़ियों की गति और देश की रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगी। इसके साथ ही वडोदरा-रतलाम जैसी बड़ी रेलवे योजनाओं के विस्तार, नई यात्री ट्रेनों की शुरुआत और राष्ट्रीय राजमार्गों के आधुनिकीकरण से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी पश्चिमी भारत के आर्थिक बुनियादी ढांचे को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जर्मनी में कट्टरपंथी एएफडी की छोटी जीत के बड़े मायने

संजय सक्सेना

आजकल जर्मनी में अल्टरनेटिव फॉर डॉयचलैंड (एएफडी) की एक छोटी-सी जीत की बड़ी चर्चा हो रही है। एएफडी की छोटी-सी जीत से पूरे यूरोप और खासकर इस्लामी जगत में बेचैनी नजर आ रही है। यह जर्मनी की एक ऐसी धुर दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टी है, जिसने हाल के वर्षों में जर्मन राजनीति में भूचाल ला दिया है। 2013 में स्थापित हुई इस पार्टी ने प्रवासियों के विरोध, यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रति अविश्वास और जर्मन राष्ट्रवाद के दम पर देश के चुनावी परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। अल्टरनेटिव फॉर डॉयचलैंड की स्थापना 6 फरवरी 2013 को हुई थी। शुरुआत में, इस पार्टी का गठन अर्थशास्त्रियों और बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया था, जो मुख्य रूप से यूरोपीय संघ की आर्थिक नीतियों, विशेष रूप से यूरो क्षेत्र के आर्थिक सहायता पैकेज के खिलाफ थे। हालांकि, 2015 के यूरोपीय शरणार्थी संकट के दौरान पार्टी की विचारधारा में एक बड़ा बदलाव आया। पार्टी ने अपना रुख पूरी तरह से धुर दक्षिणपंथी और लोकलुभावन बना लिया। इस विचारधारा के तहत पार्टी का सबसे प्रमुख एजेंडा देश में शरणार्थियों और प्रवासियों के आने पर पूर्ण विराम लगाना है। पार्टी अवैध शरणार्थियों को तेजी से निर्वासित करने की वकालत करती है। उनका मानना है कि प्रवासियों के आने से जर्मनी की पारंपरिक और सांस्कृतिक पहचान खतरे में है। वे स्कूलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने जैसी नीतियों को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही पार्टी खुले तौर पर जर्मनी में बढ़ते इस्लामीकरण और बहुसंस्कृतिवाद का विरोध करती है। जर्मनी की खुफिया एजेंसी की रिपोर्टों के अनुसार, इसके नेताओं द्वारा कई बार जनविरोधी और नस्लवादी बयान दिए गए हैं। पार्टी यूरोपीय संघ की मौजूदा व्यवस्था में बड़े बदलाव या उससे पूरी तरह बाहर निकलने की बात भी करती है। धार्मिक रुख की बात करें तो आधिकारिक तौर पर एएफडी स्वयं को ईसाई-यहूदी संस्कृति और पश्चिमी सभ्यता का रक्षक मानती है। पार्टी का राजनीतिक दर्शन पारंपरिक यूरोपीय ईसाई मूल्यों पर आधारित है। पार्टी पारंपरिक पारिवारिक संरचनाओं, जैसे एक पुरुष और एक महिला का विवाह, और रूढ़िवादी ईसाई सामाजिक मूल्यों का पुरजोर समर्थन करती है। वे प्रगतिशील या आधुनिक उदारवादी विचारों, जैसे स्कूलों में इंद्रधनुषी झंडे लगाने, का विरोध करते हैं। इसके विपरीत, पार्टी का रुख इस्लाम के प्रति बेहद सख्त है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि इस्लाम जर्मनी का हिस्सा नहीं है और वे मस्जिदों के मीनारों तथा अजान के सार्वजनिक लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते रहे हैं। हालांकि पार्टी ईसाई धर्म की रक्षक बनती है, लेकिन जर्मनी के मुख्यधारा के चर्च, जिनमें कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों शामिल हैं, अक्सर एएफडी की नस्लवादी और विभाजनकारी नीतियों की सार्वजनिक रूप से निंदा करते हैं। इसके बावजूद, देश के पारंपरिक ईसाई और रूढ़िवादी मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग इस पार्टी की तरफ आकर्षित हुआ है।जर्मनी की पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था के विपरीत एएफडी में कोई एक अकेला सर्वोच्च नेता नहीं है। यह पार्टी सह-नेतृत्व के मॉडल पर चलती है। वर्तमान में ऐलिस विडेल पार्टी की सबसे प्रमुख और प्रभावशाली चेहरा हैं। वे संसद में पार्टी की संसदीय समूह की नेता और राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष हैं। एक पूर्व निवेश बैंकर होने के नाते, वे पार्टी को एक आधुनिक और आर्थिक रूप से सक्षम छवि देने का प्रयास करती हैं। उनके साथ टिनो क्रुपाल्ला पार्टी के राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। क्रुपाल्ला मुख्य रूप से पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं और पूर्वी जर्मनी के कामकाजी वर्ग के बीच मजबूत पकड़ रखते हैं। प्रांतीय स्तर पर उलरिच सीगमंड का नाम बेहद तेजी से उभरा है, जिन्होंने सैक्सनी-अनहाल्ट के चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इन नेताओं के अलावा ब्योर्न होके थुरिंगिया राज्य में एएफडी के नेता हैं। इन्हें पार्टी के भीतर सबसे कट्टरपंथी और विवादित धड़े का जनक माना जाता है, और जर्मन खुफिया एजेंसियां इन्हें आधिकारिक तौर पर एक दक्षिणपंथी चरमपंथी मानती हैं।

जर्मनी के संघवाद में 16 राज्य हैं, और एएफडी की विस्तारवादी नीति देश के भीतर बेहद आक्रामक रही है। भूतपूर्व पूर्वी जर्मनी के राज्यों जैसे सैक्सनी-अनहाल्ट, थुरिंगिया, सैक्सनी और ब्रांडेनबर्ग में एएफडी इस समय सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है। सैक्सनी-अनहाल्ट के हालिया चुनावों में पार्टी ने करीब 44 प्रतिशत वोट हासिल कर मुख्यधारा की सभी पार्टियों को पछाड़ दिया है। शुरुआत में पश्चिमी राज्यों के अमीर और उदारवादी मतदाता इस पार्टी से दूर थे, लेकिन हालिया औद्योगिक मंदी, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई के कारण पार्टी ने पश्चिमी जर्मनी के राज्यों में भी अपनी पैठ मजबूत की है। वर्तमान में, जर्मनी के 16 में से 15 राज्यों की विधानसभाओं में पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद हैं। जर्मनी की राष्ट्रीय संसद में यह मुख्य विपक्षी दलों में से एक है।

इमारतों से ज्यादा जर्जर निगरानी सिस्टम

योगेश कुमार गोयल

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में जो हृदयविदारक घटना घटित हुई है, वह केवल एक पांच मंजिला इमारत के भरभराकर गिरने की घटना नहीं बल्कि राजधानी की उस व्यवस्था का ढ़हना है, जिसकी नींव नागरिकों की सुरक्षा, कानून के शासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर टिकी होनी चाहिए थी। जिस इमारत में कुछ घंटे पहले तक देश के अलग-अलग हिस्सों से आए युवा अपने भविष्य के सपने बुन रहे थे, देखते ही देखते वह ईंट, सीमेंट और लोहे के मलबे में बदल गई। धूल का गुबार तो छंट जाएगा, मलबा भी हट जाएगा, सड़कें फिर सामान्य हो जाएंगी लेकिन उन परिवारों के जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, वह कभी नहीं भर सकेगा। 'हॉस्टल डेज' नामक लड़कों के लिए बने पीजी की इस पांच मंजिला इमारत में हादसे के वक्त कई छात्र अपने कमरों में थे, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत लगभग 40-50 वर्ष पुरानी थी और हादसे के समय बेसमेंट में मरम्मत तथा खुदाई का काम चल रहा था। यही तथ्य इस त्रासदी को और भयावह बना देता है। सवाल केवल यह नहीं है कि इमारत क्यों गिरी बल्कि असली सवाल यह है कि इतनी पुरानी और संवेदनशील इमारत में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण संबंधी गतिविधियां आखिर चल कैसे रही थी? हर बड़े भवन हादसे के बाद एक ही कहानी दोहराई जाती है। प्रशासन कहता है कि जांच होगी, कुछ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है और कुछ दिनों बाद पूरा मामला फाइलों के नीचे दब जाता है। फिर किसी दूसरे इलाके में कोई और इमारत गिरती है, कहीं आग लगती है, कोई बेसमेंट मौत का कुआं बन जाता है और हम फिर वही प्रश्न पूछते रह जाते हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है? सच तो यह है कि भारत के शहरों में कोई बहुमंजिला अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं होता। जमीन का उपयोग बदलता है, नक्शा बनता है, निर्माण शुरू होता है, मंजिलें बढ़ती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और अंततः उस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभागों और अधिकारियों की भूमिका होती है। ऐसे में यह कहना कि प्रशासन को कुछ पता ही नहीं था, जिम्मेदारी से बचने का सबसे आसान बहाना है।

यदि कोई इमारत नियमों के विरुद्ध बन रही थी तो निर्माण के दौरान संबंधित नगर निगम अधिकारी कहां थे? यदि वहां व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थी तो फायर विभाग ने सुरक्षा का आकलन क्यों नहीं किया? बिजली और पानी के कनेक्शन किस आधार पर मिले? पुलिस और स्थानीय प्रशासन की नजर उस भवन पर क्यों नहीं पड़ी? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार था तो फिर हादसा हुआ कैसे? यही वे प्रश्न हैं, जिनका जवाब केवल ठेकेदार या किसी छोटे कर्मचारी को दोषी ठहराकर नहीं दिया जा सकता। सत्य निकेतन की त्रासदी इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दिल्ली में पीजी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। देशभर से राजधानी में पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और रोजगार तलाशने आने वाले हजारों युवा ऐसी इमारतों में रहते हैं, जहां कमरे छोटे हैं, गलियां संकरी हैं, सीढ़ियां संकरी हैं और सुरक्षा मानकों की स्थिति अक्सर संदिग्ध रहती है। मकान मालिक के लिए कमरों की संख्या बढ़ाना कारोबार है लेकिन उस कमरे में रहने वाला छात्र अपने सपने लेकर वहां आता है। जब छह कमरों की अनुमति वाली इमारत में 25 से अधिक कमरे बना दिए जाते हैं, जब बेसमेंट को पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जब एक ही निकास मार्ग पर सैकड़ों लोगों की सुरक्षा निर्भर कर दी जाती है, तब यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं रहता, यह मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बन जाता है।

चौखट की जंग लगी घंटी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आलीशान बहुमंजिला इमारत के फ्लैट नंबर चार सौ चार की संगमरमरी चौखट के बाहर बहत्तर साल के रामगोपाल जी हर इतवार की शाम ठीक पाँच बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर खड़े हो जाते थे। आधुनिक वास्तुकला की इन ऊंची इमारतों में नैतिकता का कद अक्सर इतना बौना हो जाता है कि ऊपर पहुंचने के लिए लिफ्ट की नहीं बल्कि ज़मीर की नीलामी की ज़रूरत पड़ती है। उनके कांपते हाथों में पीतल की एक छोटी पुरानी साइकिल वाली घंटी होती थी जिस पर गहरे जंग के मोटे चकत्ते पड़े थे क्योंकि हमारे देश में पुरानी यादों और बूढ़े मां बाप पर जंग लगना एक अनिवार्य नागरिक कर्तव्य बन चुका है। इमारत का नया सुरक्षाकर्मी जब भी उन्हें सीढ़ियों के कोने में खड़े देखता तो अपनी मूंछों पर ताव देते हुए ठहाका लगाकर कहता कि बाबा जब इस फ्लैट पर बिजली का आधुनिक म्यूजिकल डोरबेल लगा हुआ है तो इस जंग लगी घंटी को रोज़ अपनी हथेली पर बजाकर यहाँ लिफ्ट के सामने क्या तमाशा खड़ा करते हो। उस बेचारे गार्ड को क्या पता कि जिस समाज में संवेदनाएं मर चुकी हों वहां म्यूजिकल डोरबेल केवल अंतिम संस्कार का संगीत बजाती है। रामगोपाल जी अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को धोती के छोर से साफ करते और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह जंग लगी घंटी केवल पीतल का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे शहर की उस बहरी संवेदना का वो अलार्म है जिसे तुम्हारे ये सेंसर वाले बटन कभी नहीं बजा पाएंगे। सेंसर के बटन केवल बाहरी आहट पहचानते हैं जबकि इंसानियत को पहचानने के लिए जिस आंतरिक रडार की ज़रूरत होती है वह भ्रष्टाचार और भौतिकता के कोहरे में कब का गायब हो चुका है। आसपास से गुजरने वाले तमाम संभ्रांत लोग उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में दादाजी की याददाश्त खो चुकी है। भारत में जिसे याददाश्त खोना कहते हैं असल में वह सत्ता और संपत्ति के नशे में चूर लोगों के लिए एक सुविधाजनक बहाना है ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों को भूल सकें। रामगोपाल जी किसी की कड़वी बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस पीतल की घंटी के लीवर को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप उस बंद दरवाज़े को टकटकी लगाए देखते रहते थे।

उस पॉश रिहायशी सोसायटी के तमाम निवासी रामगोपाल जी की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह वाकिफ थे और उन्हें एक सनकी बुजुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। सभ्य समाज की परिभाषा यही है कि यहाँ दूसरों के दुख को सनक और अपनी बेईमानी को कुशलता माना जाता है। इमारत का बड़ा सेक्रेटरी जब भी हाथ में मेंटेनेंस बिलों का पुलिंदा लेकर लिफ्ट की तरफ बढ़ता तो रामगोपाल जी बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि बाबू जी क्या आज उस बंद कमरे की बत्ती जली। सेक्रेटरी के चेहरे पर वह विशिष्ट कुटिलता थी जो केवल उन लोगों में आती है जिन्होंने फाइलें दबाकर और चंदा खाकर धर्म का चोला ओढ़ रखा हो। वह गुस्से में अपनी चाबियों का गुच्छा खनखनाते हुए डांटकर कहता कि अरे बाबा जब तक फ्लैट का मालिक विदेश से नहीं लौटेगा और बैंक का कर्ज़ पूरा नहीं चुकाएगा तब तक यह दरवाज़ा नहीं खुलेगा। बैंक का कर्ज़ चुकाना आज के युग का सबसे बड़ा पुण्य है भले ही उसके लिए बाप की हड्डियां गिरवी रखनी पड़ें।

अमावस्या पर जन्मे लोग होते हैं रहस्यमयी

हिंदू शास्त्रों में तिथियों का बहुत बड़ा महत्व बताया गया है। कहते हैं कि मनुष्य जिस तिथि पर जन्मा हो उसका प्रभाव उसके व्यक्तित्व और जीवन पर भी पड़ता है। वहीं, जब अमावस्या तिथि की बात आए तो लोग अक्सर इसे लेकर चिंतित हो जाते हैं या डर जाते हैं। लेकिन ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या का मानना है कि किसी भी तिथि से जुड़े प्रभाव और उसकी ऊर्जा को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी होता है। अमावस्या पर जन्मे लोग बाकी लोगों से अलग पर्सनालिटी वाले होते हैं क्योंकि, इस तिथि पर सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। ऐसे में इनके पास एक छिपी हुई खास क्षमता भी होती है जिसे सही दिशा की जरूरत होती है। तो आइए विस्तार से जानें कि अमावस्या पर जन्मे लोग कैसे होते हैं और अमावस्या के प्रभाव को कम करने के कुछ सरल उपाय व नियम।

चुनौतियों का करते हैं डटकर सामना

अमावस्या के दिन जन्मे जातक बहुत ही मेहनती होते हैं। वहीं, अपने जीवन के हर पड़ाव पर थोड़ा संघर्ष का सामना भी करना पड़ता है। यही कारण है कि ये लोग बाकी लोगों से ज्यादा अनुभवी और समझदार भी होते हैं। इनके जीवन में कितनी भी परेशानियां और चुनौतियां आएं, ये लोग हमेशा डटकर उस परिस्थिति का सामना करते हैं। किसी भी मुश्किल से ऐसे जातक हार नहीं मानते हैं। संघर्ष के बीच भी ये लोग अपना रास्ता निकाल ही लेते हैं।

व्यक्तित्व पर अमावस्या का प्रभाव

ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि चंद्रमा जो मन के कारक का ग्रह होता है उसकी रोशनी न होने के कारण ये लोग कभी-कभी मानसिक रूप से खुद को थोड़ा कमजोर महसूस कर सकते हैं। ज्यादा सोचने के चलते कई बार इनका आत्मविश्वास भी कम हो सकता है। जिसके चलते मन में थोड़ी बेचैनी और उलझन बने रहने की आशंका रहती है। होता है।

होता है रहस्यमयी व्यक्तित्व

अपने जीवन के सभी संघर्ष और मेहनत के बीच इनमें सबसे बड़ी शक्ति इनकी प्रबल अंतर्ज्ञान शक्ति होती है। यानी ये किसी भी परिस्थिति और लोगों के सच को बिना कहे भी आसानी से पहचान सकते हैं। अमावस्या के दिन जिन जातकों का जन्म होता है वे बहुत शांत और गंभीर के स्वभाव के होते हैं। इनकी पर्सनालिटी थोड़ी रहस्यमयी भी हो सकती है। ऐसे में इनकी मन की बात को समझना सामने वाले के लिए इतना आसान नहीं होता है।

बिना कहे समझ लेते हैं दूसरों का दुख

बिना कहे समझ लेते हैं दूसरों का दुख

अमावस्या के दिन चंद्रमा की रोशनी नहीं होती है। ऐसे में इनकी भावनाएं बाहर बिखरी हुई नहीं होती हैं। इनमें दूसरों के दुख और समस्याओं को समझने की बहुत अच्छी और प्रबल शक्ति होती है। चाहें ये इस बात को सामने वाले के सामने न बोल पाएं लेकिन, उनके दिल की बात आसानी से जान लेते हैं। कहा जाता है कि ऐसे जातकों को अपने जीवन में स्त्री, पुत्र, कुल और धन संबंधित हानि उठानी पड़ सकती है। लेकिन शास्त्रों में कहा गया है कि अगर जन्म के समय शुभ नक्षत्र हो तो यह दोष बहुत हद तक दूर हो जाता है।

इन्हें करना पड़ सकता है सर्पशीर्ष दोष का सामना

ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि शास्त्रों के अनुसार अगर किसी बच्चे का जन्म अमावस्या के दिन हो और उस समय अनुराधा नक्षत्र का तीसरा या चौथा चरण चल रहा हो, तो उसे सर्पशीर्ष दोष कहा जाता है। ऐसे समय पर जन्मे शिशु का जन्म पूर्ण रूप से दोष-युक्त माना गया है, यानी उन्हें जीवन में संघर्ष और रुकावटों का सामना ज्यादा करना पड़ सकता है। हालांकि, कुछ उपाय और नियमों से इसके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

अमावस्या के प्रभाव को संतुलित करने के नियम और उपाय

अगर आपके किसी करीबी का जन्म अमावस्या तिथि को हुआ है, तो उन्हें जीवन में कुछ बदलाव जरूर करने चाहिए-

अमावस्या तिथि पर अपने पितरों के लिए दान-पुण्य और पूजा जरूर करें। ऐसा करने से जीवन में आने वाली बाधाएं और संघर्ष कम हो सकते हैं।

कमजोर चंद्रमा की स्थिति को मजबूत करने के लिए शिव भगवान की उपासना करें, उनके मंत्रों का जप करें। साथ ही, ध्यान करें।

अमावस्या के दिन भूलकर भी मांस, मदिरा या किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन से बचें। साथ ही, इस दिन क्रोध से भी बचना चाहिए।

राजा ने भिखारी से भीख में मांगा अनाज

प्रेरक कथा: दान करते समय कंजूसी नहीं करनी चाहिए अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद की सहायता करें

कहते हैं कि जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने से न केवल उसका जीवन आसान होता है, बल्कि दान करने वाले व्यक्ति को भी संतोष और धर्म लाभ मिलता है। दान वही श्रेष्ठ माना जाता है, जो बिना अहंकार और स्वार्थ के किया जाए। यह बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

पुराने समय में एक राजा अपने राज्य में घूम कर रहा था। रास्ते में उसे एक भिखारी दिखाई दिया। राजा उसके पास गया और बोला, आप मुझे भीख में थोड़ा-सा अनाज दे दीजिए। मेरे गुरु ने मुझे एक उपाय बताया है कि मुझे किसी भिखारी से भीख लेनी है। ऐसा करने से राज्य पर आया संकट दूर हो जाएगा।

राजा की बात सुनकर भिखारी हैरान रह गया। जिस राजा के सामने लोग मदद की उम्मीद लेकर जाते हैं, आज वही राजा उससे भीख मांग रहा था। वह राजा को मना भी नहीं कर सकता था। उसने अपनी झोली में हाथ डाला और मुट्ठी भर अनाज निकालने लगा, लेकिन तभी उसके मन में विचार आया, अगर मैं इतना अनाज राजा को दे दूंगा तो मेरे पास क्या बचेगा? यह अनाज मेरे लिए बहुत जरूरी है। मुझे ज्यादा अनाज नहीं देना चाहिए।

उसने अपनी मुट्ठी में से कुछ अनाज वापस झोली में डाल दिया और थोड़ा-सा अनाज राजा को दे दिया।

राजा ने वह अनाज अपने मंत्री को दे दिया। मंत्री ने उस अनाज के बराबर वजन की एक पोटली तैयार करवाई और वह पोटली भिखारी को देते हुए कहा, इसे घर जाकर खोलना।

कुछ समय बाद भिखारी अपने घर पहुंचा और उसने पत्नी को पूरी घटना बताई। पत्नी ने पोटली खोली, तो दोनों की आंखें खुली की खुली रह गईं। पोटली में अनाज के बराबर वजन के सोने के सिक्के थे।

अब भिखारी और उसकी पत्नी को पछतावा होने लगा। भिखारी सोचने लगा, काश! मैंने राजा को थोड़ा सा नहीं, बल्कि अपना सारा अनाज दे दिया होता। अगर मैं ज्यादा अनाज देता, तो शायद मुझे ज्यादा सोना मिलता।

यह कथा हमें संदेश देती है कि दान करते समय अनावश्यक कंजूसी नहीं करनी चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए। सच्चा दान वही है, जो प्रसन्न मन से किया जाए और जिसके बदले किसी लाभ की अपेक्षा न रखी जाए।

कथा की सीख

सामर्थ्य के अनुसार दान करें - दान का अर्थ केवल बड़ी रकम देना नहीं है। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना, कपड़े देना, पढ़ाई में मदद करना, समय देना या किसी कठिन परिस्थिति में उसका साथ देना भी दान का ही रूप है। इसलिए अपनी स्थिति के अनुसार जितना संभव हो, उतना दान जरूर करें।

दान में कंजूसी से बचें - जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करने का निर्णय लेते हैं, तो मन में बार-बार यह गणना नहीं करनी चाहिए कि हमें कितना देना है और कितना अपने पास रखना है। अपनी क्षमता के अनुसार उदारता रखना जीवन को समृद्ध बनाता है। यहां उदारता का अर्थ अपनी आवश्यकताओं की अनदेखी करना नहीं है, बल्कि स्वार्थ से ऊपर उठकर सहायता करना है।

दान का उद्देश्य लाभ नहीं, सहायता हो - कथा में भिखारी को बाद में सोने के सिक्के मिलने की बात सामने आती है, लेकिन वास्तविक जीवन में हर दान के बदले कोई प्रत्यक्ष लाभ मिले, यह जरूरी नहीं। यदि हम बदले में प्रशंसा, पैसा या सम्मान पाने की उम्मीद रखते हैं, तो दान की भावना कमजोर पड़ सकती है।

दान के साथ सम्मान भी दें - किसी जरूरतमंद की मदद करते समय उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना चाहिए। सहायता इस तरह करें कि सामने वाले को अपमानित महसूस न हो। वस्तु से अधिक महत्वपूर्ण हमारा व्यवहार होता है।

दान का दिखावा न करें - किसी की मदद करके उसका प्रचार करना आवश्यक नहीं है। अगर हम हर अच्छे काम को लोगों को बताने लगें, तो हमारा ध्यान सेवा से हटकर प्रशंसा पाने पर जा सकता है। इसलिए जहां संभव हो, दान को गुप्त और सहज रखना बेहतर है।

जरूरतमंद की पहचान करें - दान करते समय विवेक भी जरूरी है। सहायता वहां पहुंचनी चाहिए, जहां उसकी वास्तव में आवश्यकता हो। शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, बुजुर्गों की सहायता और बच्चों की जरूरतों जैसे क्षेत्रों में किया गया सहयोग समाज के लिए लंबे समय तक उपयोगी हो सकता है।

नियमित रूप से मदद की आदत बनाएं - दान केवल किसी विशेष दिन या अवसर तक सीमित न रहे। छोटी राशि या छोटी सहायता भी नियमित रूप से की जाए तो उसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। अपनी आय का एक छोटा हिस्सा सेवा के लिए अलग रखना अच्छी आदत बन सकती है।

सबसे बड़ा दान है अच्छी भावना - अंततः दान की असली कीमत वस्तु की मात्रा से नहीं, भावना से तय होती है। किसी भूखे को भोजन, निराश व्यक्ति को हौसला और जरूरतमंद को सम्मान देना भी पुण्य का कार्य है। इसलिए जीवन में जितना संभव हो, दूसरों के काम आने की कोशिश करें। मन से किया गया छोटा-सा सहयोग भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है।

हथेली में शुक्र पर्वत पर है स्टार का निशान तो लाइफ में राजा जैसी होगी ठाठ-बाट

जब तक एक रिलेशनशिप में रहेंगे, तब तक दूसरा शख्स उनको आकर्षित कर सकता है. ऐसे लोगों के रिलेशन ज्यादा दिन तक नहीं चलते हैं।

यदि आप शादीशुदा हैं और आपके शुक्र पर्वत पर स्टार का निशान है तो आपको बेहद सावधान रहना चाहिए. ऐसे महिला और पुरुष को पतिव्रता या पत्नीव्रता धर्म का पालन करना चाहिए. दूसरी महिला या पुरुष से प्रेम संबंध के बारे में भूलकर भी न सोचें, वरना दांपत्य जीवन में उथल-पुथल मच सकता है. ऐसे लोगों को अपने चरित्र का ख्याल रखना चाहिए, नहीं तो तलाक की स्थिति बन सकती है।

जिन लोगों की हथेली पर स्टार का निशान होता है, उनकी लाइफ में रोमांस भरपूर होता है. ये लोग एक राजा की तरफ लाइफ जीते हैं, उनको ठाठ-बाट वाली जिंदगी पसंद होती है, वैसे ही वे रहते भी हैं. उनके पास आमदनी भले ही कम क्यों न हो, लेकिन विलासितापूर्ण जीवन जीते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को वैवाहिक जीवन में बहुत रही सावधान रहना होता है, नहीं तो उनकी मैरिड लाइफ तबाह हो सकती है, तलाक तब की नौबत आ सकती है।

कहां होता है शुक्र पर्वत?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली में अंगूठे के नीचे से उभरा हुआ क्षेत्र नीचे कलाई पर मणिबंध के साथ तक फैला रहता है, उसे शुक्र पर्वत कहा जाता है. शुक्र को प्रेम, विलासिता, दांपत्य जीवन, भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है।

उभरा हुआ शुक्र पर्वत देता है लाइफ में लग्जरी

जब किसी की हथेली में शुक्र पर्वत उभरा हुआ और गद्देदार दिखाई देता है तो ऐसे लोगों को लग्जरी लाइफस्टाइल पसंद होती है. भले ही पैसे कम हों तो क्या है, उनकी महंगी चीजें ही पसंद आती हैं. ऐसे लोगों के जीवन में भौतिक सुख और सुविधाएं भरपूर रहती हैं. इनका अपना घर भी आलीशान होता है. अगर रेंट के मकान में भी रहेंगे तो भी पूरा ठाठ-बाट रहता है. जब उभरे हुए शुक्र पर्वत पर स्टार का निशान बना हो यानि शुक्र क्षेत्र में किसी एक बिंदु पर तीन रेखाएं एक दूसरे को काटती हों, वहां पर स्टार का निशान बनता है. ऐसे लोगों के प्रेम प्रसंग बहुत से होते हैं. अगर वह महिला है, तो पुरुष और पुरुष है तो महिलाएं उसकी ओर काफी आकर्षित होती हैं. शुक्र के प्रभाव की वजह से उनके एक से अधिक अफेयर होने की संभावना रहती है।

ये लोग एक प्रेम संबंध में टिककर नहीं रह सकते.

जेन-जी समझे शिक्षा में कितनी जानकारी और कितना ज्ञान है

यह जानकारी के सैलाब का समय है। एआई ने उसमें और योगदान दिया। अब किसी को ज्ञान से लेना-देना नहीं है। सारा काम तुरंत मिल रही जानकारी से चल रहा है। लेकिन याद रखें कि जानकारी जानने से रोक देती है। तो हमें जानना क्या है?

हम किस बात के लिए मनुष्य हैं, क्या फर्क है हममें और जानवर में- इसको कहेंगे सही रूप से जानना। और आज का तकनीकी युग इसमें आपको रोकेगा। सावधान रहें वरना जीवन को जानना मुश्किल हो जाएगा, भले पूरी दुनिया जान लें। तुलसीदास जी ने एक पंक्ति लिखी है- हरि सेवकहिं न ब्याप अबिद्या, प्रभु प्रेरित ब्यापइ तेहि बिद्या। हरि के सेवक को अविद्या नहीं व्यापती, प्रभु की प्रेरणा से विद्या व्यापती है। आज जेन-जी को यह समझना होगा कि जो भी शिक्षा उनके पास है, उसमें कितनी जानकारी और कितना ज्ञान है। विद्या का अर्थ होता है भ्रम की स्थिति दूर हो जाना और विषय का गहरा ज्ञान होना। जेन-जी खूब परिश्रम करें, भगवान पर भरोसा रखें तो फिर जो भी जीवनशैली अपनाएंगे, लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे।

एक ही फूल में दिखते हैं शिवलिंग और शेषनाग नागमल्ले पुव्वु की ये खासियत कर देगी हैरान

प्रकृति में कई ऐसे अनोखे पेड़-पौधे हैं जिन्हें देखकर इंसान हैरान रह जाता है. ऐसा ही एक चमत्कारी और दुर्लभ फूल इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. इस फूल की बनावट ऐसी है कि इसके बीचों-बीच साक्षात एक छोटा शिवलिंग नजर आता है और उसके ऊपर पंखुड़ियों की छतरी ऐसे दिखती है मानो फन फैलाए नाग देवता शिवलिंग पर छत्रछाया बनाए हुए हों।

तेलुगु में इस फूल को नागमल्ले पुव्वु और हिंदी में नागपुष्प या शिवलिंगी फूल कहा जाता है. वैज्ञानिक भाषा में इस पेड़ का नाम कैननबॉल ट्री है. इस पेड़ की सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसके फूल और तोप के गोले जैसे दिखने वाले गोल फल आम पेड़ों की तरह डालियों पर नहीं, बल्कि सीधे पेड़ के मुख्य तने पर गुच्छों में खिलते हैं. जब यह पेड़ पूरी तरह

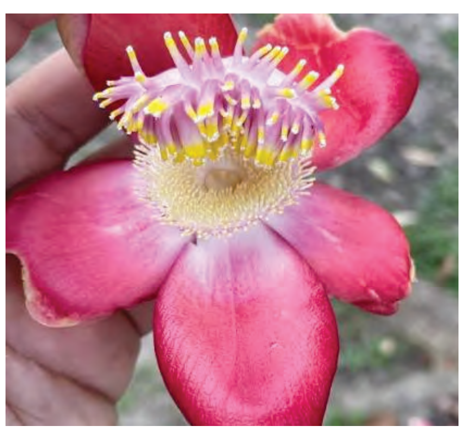

फूलों से लद जाता है तो इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है।

तेलंगाना में कहां देखने को मिलता है यह फूल?

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला तिरुपति के अलावा यह दुर्लभ पेड़ तेलंगाना और राजधानी हैदराबाद में भी कई स्थानों पर मौजूद है. नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन्स, संजीवैया पार्क और कोंडापुर के बॉटनिकल गार्डन में इसके विशाल वृक्ष लगे हैं. उस्मानिया यूनिवर्सिटी के हरे-भरे क्षेत्र और पुराने सरकारी बागानों में भी यह देखा जा सकता है. इसके अलावा हैदराबाद, सिकंदराबाद और तेलंगाना के कई ऐतिहासिक शिव मंदिरों के प्रांगण में श्रद्धालुओं ने आस्था के तौर पर इसे रोपा है.

भगवान शिव को बेहद प्रिय है यह फूल धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक यह फूल भगवान शिव को बेहद प्रिय है. शिव मंदिरों में पूजा और महाशिवरात्रि व सावन के दौरान इसे भोलेनाथ को चढ़ाना बेहद शुभ माना जाता है. इस फूल की भीनी-भीनी और मीठी सुगंध पूरे माहौल को तरोताजा कर देती है. धार्मिक महत्व के साथ-साथ आयुर्वेद में भी इसके पत्तों और छाल को त्वचा संबंधी समस्याओं और दर्द निवारण में गुणकारी माना गया है. यदि आप भी प्रकृति की इस अद्भुत कारीगरी को देखना चाहते हैं तो हैदराबाद के उद्यानों या प्रमुख शिव मंदिरों में जाकर इस अनोखे फूल का दीदार कर सकते हैं।

14 सितंबर को है हरतालिका तीज

हिंदू धर्म में चातुर्मास की अवधि को आत्म-साधना और देव-आराधना का काल माना जाता है. इस चातुर्मास का तीसरा पड़ाव भाद्रपद मास का होता है जिसमे प्रकृति, सौभाग्य और भक्ति का अद्वितीय संगम होता है. क्षीरसागर में योगनिद्रा में लीन विष्णु की अनुपस्थिति में पूरे ब्रह्मांड का संचालन भगवान शिव के त्रिशूल पर टिक होता है. भाद्रपद मास के कृष्ण और शुक्ल दोनों ही पक्ष आध्यात्मिक कार्यों के विशेष होते हैं. शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि विशेष महत्व होता है।

भाद्रपद मास में कृष्ण और शुक्ल पक्ष का धार्मिक महत्व

Advertisement

कृष्ण पक्ष में कृष्ण जन्माष्टमी का विशेष पर्व का आगमन होता है तो वही शुक्ल पक्ष में सौभाग्य, संतति, संतान प्राप्ति और पौत्रादि के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है. शास्त्रों में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि माता पार्वती और भगवान शिव की विशेष आराधना के लिए समर्पित होती है. 14 सितंबर को मनाई जाएगी

नारी-तपस्या के प्रतीक पर्व हरितालिका तृतीया के रूप में जीवन को पावन बनाती है. साल 2026 में यह पर्व 14 सितंबर को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा।

भगवान विष्णु के शयन के दौरान भगवान शिव संभालते हैं सृष्टि का संचालन पौराणिक ग्रंथों और धर्मशास्त्र के विद्वानों के अनुसार जब भगवान विष्णु चार माह के लिए शयन मुद्रा में चले जाते हैं तब पूरे ब्रह्मांड के संचालन का भर भगवान शिव करते है. ज्यादा जानकारी देते हुए शास्त्रों के जानकार पंडित श्रीधर शास्त्री बताते है कि भाद्रपद मास में शिव की आराधना सबसे अधिक फलदाई होती है. वह बताते है कि इस मास के दोनों पक्षों में बड़े धार्मिक अनुष्ठानों और व्रत करने का

हरितालिका तृतीया

पंडित शास्त्री बताते है कि 14 सितंबर को होने वाली इस खास तिथि को धार्मिक ग्रंथो में हरि तालिका या गौरी तृतीया कहा जाता है. इस कठिन व्रत से माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए किया था।

निर्जला व्रत रखने से मिलता है अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

सुहागन महिलाओं द्वारा इस व्रत को निर्जल रहकर शिव पार्वती की विधिवत पूजा अर्चना करने से अखंड सौभाग्य, पारिवारिक सुख-समृद्धि, संतति, पौत्रादि सुख और आरोग्य का वरदान मिलता है साथ ही यह व्रत विधि पूर्वक करने पर योग्य संतान की प्राप्ति और दांपत्य जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो जाती है।

आशा भोसले की बर्थ एनिवर्सरी

जैकी श्रॉफ ने किया स्पेशल पोस्ट

भारतीय की सबसे महान और लोकप्रिय पार्श्वगायिकाओं में से एक आशा भोसले की बर्थ एनिवर्सरी मंगलवार को मनाई जा रही है। इस मौके पर एक्टर जैकी श्रॉफ ने उन्हें याद किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर गायिका के साथ बिताए गए यादगार पलों की झलक शेयर की। इसमें उन्होंने गायिका का गया हुआ गीत 'जहां में ऐसा कौन है' भी ऐड किया। जैकी ने लिखा, 'आशा भोसले।' महाराष्ट्र के सांगली में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के घर में जन्मी आशा भोसले को गायिकी परिवार से मिली थी।

उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक जाने-माने शास्त्रीय गायक और थिएटर कलाकार थे और बड़ी बहन लता मंगेशकर भारतीय मनोरंजन जगत की जानी-मानी गायिका थीं। उनके अन्य भाई-बहन मीना खडीकर, उषा मंगेशकर और हृदयनाथ मंगेशकर हैं, जो सभी संगीत की दुनिया से जुड़े रहे हैं।

आशा भोसले की बर्थ एनिवर्सरी, जैकी श्रॉफ ने किया स्पेशल पोस्ट

उन्होंने बहुत कम उम्र में ही संगीत सीखना और गाना शुरू कर दिया था। वर्ष 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में बतौर प्लेबैक सिंगर अपने सफर की शुरुआत की। शुरुआती दौर में उन्हें ऐसे गाने मिले जिन्हें अन्य गायिकाएं छोड़ देती थीं लेकिन उन्होंने अपनी अनोखी शैली और मेहनत से अपनी अलग पहचान बनाई।

आशा भोसले ने हर अंदाज में बिखेरा सुरों का जादू

उन्होंने शास्त्रीय संगीत (क्लासिकल), गजल, कैबरे, पॉप और रॉक जैसे हर संगीत प्रारूप में महारत हासिल की, जिनमें 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा', 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को', और 'इन आंखों की मस्ती' उनके ऐतिहासिक गीतों में शामिल हैं।

इस गाने के लिए मिला नेशनल अवॉर्ड

फिल्म 'उमराव जान' (1981) के गीत 'इन आंखों की मस्ती' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

16 की उम्र में की थी शादी

आशा भोसले ने 16 साल की आयु में परिवार की मर्जी के खिलाफ अपने से बड़े गणपतराव भोसले (जो उनके सचिव भी थे) से शादी की थी। ये रिश्ता ज्यादा नहीं चला और साल 1960 में उनका तलाक हो गया।

श्रद्धा कपूर वायरल पोस्ट

वेकेशन पर निकलीं एक्ट्रेस, साझा की तस्वीरें; साथ बैठे दिखे रूमर्ड बॉयफ्रेंड

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस उनकी फिल्म 'ईठा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। मगर एक्ट्रेस अपने बिजी शेड्यूल से समय निकाल कर इन दिनों कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ छुट्टियों पर हैं। हाल ही में श्रद्धा ने सोशल मीडिया पर अपनी हॉलीडे फोटोज शेयर कीं। श्रद्धा कपूर इन दिनों राहुल मोदी के साथ हॉलीडे एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कई फोटोज शेयर किये। इसके साथ ही उन्होंने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, 'छोटी सी छुट्टी बनती है न? खास बात यह है कि इन फोटोज में उनके साथ उनके कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी भी नजर आए।

श्रद्धा अपने ट्रिप की फोटोज में काफी खुश दिखाई दीं। कई जगह उन्हें खाने का लुफ्त उठाते देखा गया। इसके साथ ही एक फोटो में राहुल मोदी एक किताब में मग्न देखे गए। श्रद्धा और राहुल की डेटिंग की खबरें 2024 में शुरू हुई थीं। पहली बार दोनों को साथ में मुंबई में डिनर डेट पर देखा गया था। जिसके बाद यह रूमर्ड कपल कई जगह साथ दिखे।

इसके बाद श्रद्धा और राहुल ने कई इवेंट्स में साथ शिरकत की। हालांकि, दोनों की तरफ से रिश्ते पर अबतक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। काम की बात करें तो श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इसमें उनके साथ रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा श्रद्धा 'नागिन', 'स्त्री-3' में भी अभिनय कर रही हैं।

दीपिका कक्कड़ की ननद सबा इब्राहिम के घर चोरी

20-25 दिनों से लगातार गायब हो रहे सोने और हीरे के गहने

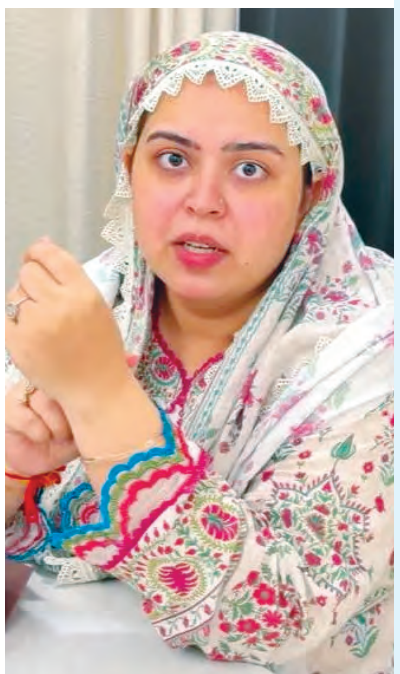

टीवी की मशहूर अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ इन दिनों अपनी जिंदगी के बेहद चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही हैं। 'ससुराल सिमर का' में सिमर का किरदार निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली दीपिका लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रही हैं। अभिनेत्री को लिवर कैंसर है और अब तक उनकी दो सर्जरी हो चुकी हैं। फिलहाल वह इम्यूनोथेरेपी के जरिए इलाज करा रही हैं। इस मुश्किल समय में दीपिका सोशल मीडिया और यूट्यूब के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं और अपनी रिकवरी से जुड़े अनुभव भी साझा करती हैं। वहीं दूसरी ओर उनकी ननद सबा इब्राहिम के घर पर चोरी की भी अपडेट सामने आई है, जिसमें सोने और हीरे के जेवर चोरी होने की बात व्लॉग में बताई गई है।

ननद सबा इब्राहिम के घर से सामान गायब

दीपिका की ननद और यूट्यूबर सबा इब्राहिम भी एक अलग वजह से चर्चा में आ गई हैं। सबा ने अपने हालिया व्लॉग में बताया कि पिछले कुछ समय से उनके घर से लगातार कीमती सामान गायब हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी ज्वेलरी, घड़ी, पर्स और पैसे समेत कई चीजें नहीं मिल रही हैं। सबा के मुताबिक करीब 20-25 दिनों के दौरान उनके कान का एक ईयररिंग गायब हुआ। इसके बाद घर की सफाई करते समय सोने की चेन और डायमंड ईयररिंग्स के भी गायब होने की जानकारी मिली। परिवार इस बात को लेकर परेशान है कि आखिर सामान कहां जा रहा है और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

कैमरे नहीं लगवाने का हुआ अफसोस

सबा के पति सनी ने भी इस मामले पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि घर में पहले कभी इस तरह की समस्या नहीं हुई थी, इसलिए सामान को लेकर ज्यादा सतर्कता नहीं बरती गई। उनका कहना था कि घर में सीसीटीवी कैमरे लगे होते तो शायद मामले को समझने में मदद मिलती। सबा ने अपनी तरफ से यह भी माना कि कीमती सामान को लॉकर में सुरक्षित नहीं रखना उनकी लापरवाही थी। हालांकि उनका कहना है कि पहले उन्हें ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती थी, क्योंकि घर में काम करने वाले लोग भरोसेमंद रहे हैं और फर्श पर पड़ी चीजें भी वापस कर देते थे।

ज्वेलरी के अलावा घड़ी और पर्स भी हुआ गायब

सबा ने बताया कि उनकी महंगी डिजिटल वॉच भी गायब हो चुकी है। इसके अलावा उनकी कजिन रिजा का पर्स भी नहीं मिला, जिसमें कुछ नकद पैसे रखे हुए थे। परिवार ने यह भी महसूस किया कि घर से खाने-पीने की कुछ चीजें भी कम हो रही थीं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने परिवार की चिंता बढ़ा दी है। सबा का कहना है कि उन्हें सबसे ज्यादा अफसोस आर्थिक नुकसान का नहीं, बल्कि अपनी लापरवाही का है। अब परिवार मामले को गंभीरता से ले रहा है और सबा ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही है।

बिग बॉस 20 : 'डॉन घर में आ चुका है'

शो में माही विज की एंट्री पर जय भानुशाली ने शेयर की पोस्ट

शो 'बिग बॉस 20' शुरू हो गया है। शो में इस सीजन एक्ट्रेस माही विज भी अपना जलवा बिखेर रही हैं। इसी बीच जय भानुशाली का अपनी पूर्व पत्नी के लिए किया गया पोस्ट चर्चाओं में आ गया है। जानिए क्या है पूरा मामला। जय भानुशाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माही विज की एंट्री का एक वीडियो शेयर कर उन्हें 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'डॉन घर में आ चुका है। ऑल द बेस्ट।' साथ ही उन्होंने माही विज को टैग भी किया। 'बिग बॉस 20' के प्रीमियर के दौरान जब उनसे जय भानुशाली से अलग होने की बात पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इसपर बात करने से मना कर दिया और कहा, 'मुझे हमारे अलगाव पर बात नहीं करनी। ये काफी पर्सनल है और मैं इसे पर्सनल ही रखना चाहती हूं।

मैं इसके बारे में कभी चर्चा नहीं करना चाहूंगी।' माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। इसके बाद दोनों ने जनवरी 2026 को इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर अलग होने की जानकारी दी। करीब 15 साल की शादी और लंबे साथ के बाद कपल ने यह फैसला लिया। साथ ही एक्टर्स ने उनके बच्चों- तारा, खुशी और राजवीर की साथ देखभाल करने की बात कही।

ताली: सुष्मिता सेन से पहले ये एक्टर था सीरीज के लिए पहली पसंद

एक आइडिया ने बदल दी पूरी कास्टिंग

प्रोड्यूसर और क्रिएटर कार्तिक निशानदार ने खुलासा किया है कि 'ताली' के लिए सुष्मिता सेन को कास्ट करने से पहले दूसरे एक्टर को अप्रोच किया गया था। हालांकि, बाद में मेकर्स ने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार सुष्मिता सेन से करवाने का फैसला किया। कार्तिक ने 'ताली' में श्रीगौरी सावंत के किरदार के लिए सुष्मिता सेन को चुनने की वजह बताई। उन्होंने सुष्मिता की अपने किरदार के प्रति मेहनत और लगन के बारे में भी बात की।

कार्तिक ने बताया कि 'ताली' में सुष्मिता सेन को कास्ट करते समय मेकर्स इस किरदार को ट्रांसजेंडर किरदारों की पिछली स्क्रीन प्रस्तुतियों से थोड़ा अलग दिखाना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'जब हम 'ताली' के लिए सुष्मिता को कास्ट कर रहे थे,

तो हमें एक मां चाहिए थी। हम चाहते थे कि उस किरदार को एक महिला निभाए, क्योंकि कहानी एक मां के अधिकारों और उसकी भावनाओं के बारे में है। सुष्मिता इस किरदार के लिए बिल्कुल सही थीं। वह खुद एक सिंगल मदर हैं, इसलिए उस समय यह बात भी एक खास कनेक्शन थी।' कार्तिक ने बताया कि सुष्मिता का नाम पहले से ही उनके दिमाग में था, लेकिन इस रोल के लिए सबसे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी से संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सुष्मिता हमेशा से थीं और हमने करीब 15-20 साल पहले उनके साथ काम भी किया था। लेकिन सबसे पहले हमने नवाज को अप्रोच किया था। हमने नवाज से बात की।

नोरा फतेही पर एविएशन कंपनी का मानहानि केस

3 करोड़ का हर्जाना, सफाई मांगी

दावा- स्टैंडर्ड चार्टेट प्लेन की सफर के बाद आलोचना की

एक एविएशन कंपनी ने बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ 3 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कंपनी ने उनके 'अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना' कमेंट्स से साख को नुकसान पहुंचने का दावा किया है। ड्यून्स एविएशन ने यह केस गांधीनगर कोर्ट में दायर किया है। कंपनी के मुताबिक, नोरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चार्टर्ड प्लेन का वीडियो शेयर कर उसे 'छोटा', 'टॉय' और 'लेगो एयरप्लेन' कहा था। कंपनी ने नोरा से सार्वजनिक सफाई मांगने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से विमान से जुड़े सभी बयान और कंटेंट हटाने की मांग भी की है। सीनियर सिविल जज आर। अग्रवाल की अदालत इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को करेगी। ड्यून्स एविएशन की ओर से दायर मुकदमे के अनुसार, नोरा ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई-जयपुर उड़ान के दौरान सेसना साइटेशन सीजे2 विमान के अंदर वीडियो रिकॉर्ड किए थे। इन वीडियो में उन्होंने विमान को 'छोटा', 'टॉय' और 'लेगो हवाई जहाज' बताया था।

कंपनी ने कमेंट्स को लापरवाही भरा बताया

कंपनी का आरोप है कि 4.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स वाली नोरा के लापरवाही भरे बयानों से बुकिंग रद्द हुईं। इससे कंपनी के कमर्शियल कामकाज पर भी बुरा असर पड़ा।

बुकिंग में 15-20% गिरावट का दावा

कंपनी ने दावा किया कि उसकी बुकिंग में 15-20% की गिरावट आई और कैंसिलेशन बढ़े। कंपनी के अनुसार, जिस विमान से नोरा ने यात्रा की थी, वह स्टैंडर्ड और सही साइज का था। ड्यून्स एविएशन ने कहा कि विमान पूरी तरह से डीजीसीए-सर्टिफाइड और उड़ान भरने के लायक था। यह विमान एक वैध एनएसओपी के तहत कानूनी रूप से संचालित किया जा रहा था।

3 करोड़ हर्जाने के साथ सार्वजनिक सफाई की मांग

मुकदमे में कंपनी ने कोर्ट से 3 करोड़ का हर्जाना दिलाने की मांग की है। इसके अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से विमान के बारे में बयान या जिक्र वाले सभी कंटेंट तुरंत हटाने का निर्देश देने की मांग की गई है। कंपनी ने यह भी मांग की है कि नोरा फतेही की ओर से इस मामले में सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए। मामले में नोरा की ओर से कोई सफाई सामने आई है या नहीं, यह अभी पता नहीं है।

आशिकी' से रातोंरात बने स्टार

अब शादियों में डांस कर गुजारा कर रहे राहुल रॉय, बोले- 'मुझे भी रोटी कमानी है'

90 के दशक में अपनी चॉकलेटी इमेज और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस से लाखों दिलों पर राज करने वाले अभिनेता राहुल रॉय एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिनमें वह शादी और दूसरे निजी कार्यक्रमों में डांस करते नजर आए। इन वीडियोज को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं, लेकिन अब अभिनेता ने खुद सामने आकर बताया है कि इन कार्यक्रमों में परफॉर्म करना उनके लिए महज मनोरंजन नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी और करियर को दोबारा खड़ा करने की कोशिश का हिस्सा है। राहुल रॉय ने दिए एक इंटरव्यू में अपनी मौजूदा परिस्थितियों के बारे में खुलकर बात की। अभिनेता के मुताबिक साल 2020 में ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। लंबे समय तक इलाज और रिकवरी के कारण वह फिल्मों से दूर रहे और काम का सिलसिला लगभग रुक गया। अब वह धीरे-धीरे दोबारा इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल का कहना है कि बीते करीब पांच साल उनके लिए एक तरह के ठहराव का दौर रहे। इस दौरान उनका मुख्य ध्यान स्वास्थ्य सुधारने पर था और काम के मौके बेहद सीमित हो गए थे। अब जब उन्हें दोबारा कैमरे के सामने आने का मौका मिल रहा है तो वह इसे बेहद सकारात्मक तरीके से देख रहे हैं। अभिनेता ने कहा कि वह उन लोगों के आभारी हैं, जो मुश्किल समय के बाद भी उन पर भरोसा कर रहे हैं और उन्हें काम दे रहे हैं।

राहुल रॉय ने अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर भी बेबाकी से बात की। उन्होंने बताया कि उनके सामने कई तरह की वित्तीय जिम्मेदारियां हैं और उन्हें अपने खर्चों के लिए कमाई करनी पड़ती है। इसी वजह से वह शादी और इवेंट्स में डांस परफॉर्मेंस भी कर रहे हैं। अभिनेता के मुताबिक एक कार्यक्रम से उन्हें कभी दो लाख तो कभी चार लाख रुपये तक की कमाई हो जाती है।

'7 लाख छात्र, सरकारी हॉस्टल में सिर्फ 30000 सीटें'

सोनू सूद ने सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे पर सरकार को दी सलाह

दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के साउथ कैंपस के पास 5 मंजिला इमारत सत्य निकेतन बिल्डिंग सोमवार को भरभराकर गिर पड़ा। इस हादसे ने कई जान ले ली है, जहां करीब 150 लोगों की कैपेसिटी वाला पीजी चल रहा था। अब इस घटना ने देश भर के लोगों और लाखों-करोड़ों उन स्टूडेंट्स और ऐसे मां-बाप को हिलाकर रख दिया है, जो अपने बच्चों को घर से दूर पढ़ने के लिए भेजते हैं। अब इस घटना पर सोनू सूद ने भी रिएक्ट किया है और सरकार को एक बड़ी सलाह भी दी है। सोनू सूदसामाजिक कार्य करने के साथ-साथ देश के बड़े मुद्दों पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटते हैं। मंगलवार को उन्होंने दिल्ली में हुए सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही, सरकार को थोड़ा बदलाव लाने की बात कही है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बच्चों के सपने पूरे करने और उनकी जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए सरकार को नीति में बदलाव लाने की बात की।

उनका मानना है कि थोड़ा बदलाव न सिर्फ बच्चों की जान बचा सकता है, बल्कि उनके सपने पूरे करने में मदद भी कर सकता है। उन्होंने अपनी बात को शुरू करने के लिए बच्चों की व्यथा पर जोर दिया। सोनू सूद ने लिखा, 'हर साल लाखों छात्र अपने घर से दूर दूसरे शहर में सपने पूरे करने के लिए जाते है लेकिन क्या हम उन्हें रहने के लिए एक सुरक्षित जगह दे पा रहे हैं? दिल्ली में करीब 7 लाख छात्र पढ़ते हैं लेकिन हॉस्टल में सिर्फ 30,000 सीटें हैं। मतलब 31 में से सिर्फ 1 छात्र को ही हॉस्टल मिल पाता है।'

एक्टर का मानना है कि यूनिवर्सिटी के आसपास जमीन पर हॉस्टल बनवाया जा सकता है। उन्होंने लिखा, 'क्यों न यूनिवर्सिटी के आसपास जो सरकारी जमीन खाली पड़ी है, वहां सुरक्षित और सस्ते हॉस्टल बनाए जाएं? यूनिवर्सिटी को भी ज्यादा बिल्डिंग बनाने की इजाजत दी जाए ताकि कैंपस में ही ज्यादा हॉस्टल बन सकें।'

उन्होंने लिखा, 'इससे छात्रों को सुरक्षा,

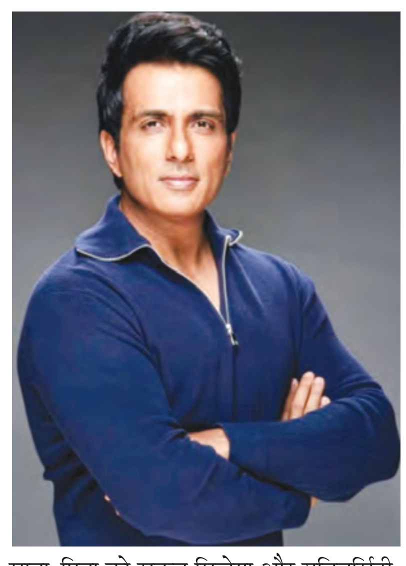

माता-पिता को सुकून मिलेगा और यूनिवर्सिटी और सरकार की भी कमाई होगी और सबसे बड़ी बात, हम कई जिंदगियों को सुरक्षित रख पाएंगे।' एक्टर का कहना है छोटा बदलाव लोगों की जिंदगी को सपनों को पूरा कर सकता है। उन्होंने लिखा, 'कभी-कभी नीति में एक छोटा सा बदलाव किसी के सबसे बड़े सपने को बचा सकता है।'

दरअसल, दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार, 6 सितंबर 2026 की दोपहर को एक 5 मंजिला पुरानी इमारत (हॉस्टल/पीजी) ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस बड़ी लापरवाही के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जांच कराने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा, इलाके के अन्य खतरनाक और पुराने भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करने का निर्देश भी दिया गया है।

वहीं इस बिल्डिंग के हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने उससे सटी दूसरी बिल्डिंग को गिराने का आदेश दिया है। एमसीडी की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, बिल्डिंग के मालिक को आदेश मिलने के तीन दिनों के भीतर प्रॉपर्टी को गिराने का निर्देश दिया गया है।

हरतालिका तीज 2026 नयी दुल्हन की तरह कैसे हों तैयार

हरतालिका तीज सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास पर्व माना जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए व्रत रखती हैं और सोलह श्रृंगार करके माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस साल हरतालिका तीज 14 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी।

अगर आपकी भी यह पहली हरतालिका तीज है और आप बिल्कुल नई दुल्हन की तरह सजना चाहती हैं, तो कुछ छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखकर अपने लुक को बेहद खूबसूरत बना सकती हैं। सही साड़ी, पारंपरिक ज्वेलरी, मेहंदी, चूड़ियां और मांग में सिंदूर आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं।

हरतालिका तीज पर नई दुल्हन जैसा लुक पाने के लिए लाल, मैरून या गहरे हरे रंग की साड़ी एकदम परफेक्ट रहेगी। आप बनारसी सिल्क, कांजीवरम या जरी वर्क वाली साड़ी चुन सकती हैं। साड़ी पर गोल्डन बॉर्डर और पारंपरिक मोटिफ्स हों तो लुक और भी रॉयल नजर आएगा। मैचिंग या कॉन्ट्रास्ट ब्लाउज पहनें और पल्लू को पारंपरिक अंदाज में कैरी करें।

तीज पर आप कुंदन, पोलकी या गोल्ड टेंपल ज्वेलरी का सेट पहन सकती हैं। चोकर के साथ लंबा हार, झुमके, मांगटीका और नथ आपके लुक को और खूबसूरत बनाएंगे। अगर ज्वेलरी हैवी है तो मेकअप को थोड़ा सटल रखें, इससे पूरा लुक बैलेंस नजर आएगा।

तीज के श्रृंगार में चूड़ियां बेहद खूबसूरत लगती हैं। लाल और हरी चूड़ियों को गोल्डन कंगन या चूड़े के साथ पेयर करके आप हाथों को आकर्षक बना सकती हैं। चाहें तो साड़ी के रंग से मैच करती चूड़ियां भी पहन सकती हैं। नई दुल्हन वाला टच देने के लिए हाथों में मेहंदी के साथ पारंपरिक कड़े भी अच्छे लगेंगे।

हरतालिका तीज के पारंपरिक श्रृंगार में

मेहंदी खास जगह रखती है। आप हथेली पर भरी हुई मेहंदी, बेल या फुल-हैंड डिजाइन लगवा सकती हैं।

पैरों में आलता लगाने से ट्रेडिशनल लुक और निखर जाता है। अगर मेहंदी डिजाइन बहुत हैवी है तो बाकी एक्सेसरीज को थोड़ा सिंपल रख सकती हैं।

नई दुल्हन जैसा लुक पूरा करने के लिए मांग में सिंदूर और माथे पर बिंदी जरूर लगाएं। लाल साड़ी के साथ गोल लाल बिंदी काफी सुंदर लगेगी। चाहें तो ज्वेलरी के डिजाइन के हिसाब से छोटी या बड़ी बिंदी चुन सकती हैं। बालों के जुड़े में सफेद गजरा लगाने से लुक में खूबसूरत पारंपरिक टच आएगा।

साड़ी के साथ ज्वेलरी

हरतालिका तीज 2026: तीज की साड़ी को बनाना है खास? इन 7 ज्वेलरी स्टाइलिंग आइडियाज को करें ट्राई हरतालिका तीज 2026: हरतालिका तीज पर इन 6 रंगों की साड़ी पहनकर लगेंगी सबसे खूबसूरत तीज पर मेकअप ऐसा रखें जो आपके ट्रेडिशनल आउटफिट को कॉम्प्लीमेंट करे। चेहरे पर नेचुरल ग्लो वाला बेस, हल्का ब्लश और हाईलाइटर लगाया जा सकता है।

आंखों को काजल, आईलाइनर और हल्के गोल्डन या ब्राउन आईशैडो से डिफाइन करें। होंठों पर रेड, मरून या डीप पिंक शेड की लिपस्टिक लगाएं। मेकअप बहुत ज्यादा भारी न हो, ताकि आपका पूरा लुक एलिगेंट और नेचुरल नजर आए।

कपड़े खरीदते समय हम बार–बार एक ही रंग क्यों चुनते हैं?

आपके वार्डरोब का पर्सनैलिटी कनेक्शन

क्या आपने कभी गौर किया है कि कपड़े खरीदते समय आपकी नजर बार-बार एक ही रंग पर जाकर रुक जाती है? वार्डरोब खोलने पर भी शायद आपको काले, नीले, सफेद, गुलाबी या किसी खास रंग के कपड़े ज्यादा नजर आएं।

दिलचस्प बात यह है कि किसी एक रंग को बार-बार चुनना सिर्फ फैशन पसंद या संयोग नहीं होता। कई बार इसके पीछे हमारी सोच, भावनाएं, आत्मविश्वास और खुद को देखने का नजरिया भी जुड़ा हो सकता है।

यही वजह है कि कुछ लोग नए रंग आजमाने के बजाय अपने पसंदीदा रंग के अलग-अलग शेड्स खरीदना पसंद करते हैं। तो क्या आपके वार्डरोब का सबसे ज्यादा दिखने वाला रंग आपकी पर्सनैलिटी के बारे में कुछ बताता है? जानते हैं इसके पीछे की दिलचस्प वजह।

जिस रंग को हम लंबे समय से पसंद करते हैं, उसमें हमें एक तरह का भावनात्मक आराम महसूस हो सकता है। इसलिए शॉपिंग के दौरान जब वही रंग दिखाई देता है, तो हम बिना ज्यादा सोचे उसकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं।

कपड़े केवल शरीर को ढकने

का माध्यम नहीं हैं। हम अपने कपड़ों के जरिए अपनी छवि भी बनाते हैं। अगर किसी खास रंग के कपड़े पहनकर आपको ज्यादा आत्मविश्वास महसूस होता है, तो आप भविष्य में भी उसी रंग को चुन सकते हैं।

काले, सफेद, नीले, बेज और ग्रे जैसे रंग कई दूसरे कपड़ों के साथ आसानी से मैच हो जाते हैं। इसलिए व्यावहारिक सोच रखने वाले लोग एक ही रंग या कुछ सीमित रंगों की रेंज में ज्यादा खरीदारी कर सकते हैं।

पुरानी यादों से जुड़ा हो सकता है रंग

कभी-कभी किसी रंग के साथ हमारी कोई अच्छी याद जुड़ी होती है। बचपन की कोई पसंदीदा ड्रेस, किसी खास मौके पर पहना हुआ कपड़ा या किसी व्यक्ति से जुड़ी याद उस रंग के प्रति हमारी पसंद को मजबूत कर सकती है।

काला रंग : काला रंग अक्सर सादगी, गंभीरता, आत्मविश्वास लुक से जोड़ा जाता है। साथ ही यह एक ऐसा रंग है जिसे अलग-अलग मौकों पर आसानी से पहना जा सकता है।

नीला रंग: नीले रंग को अक्सर शांति, भरोसे और स्थिरता से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि नीला रंग रोजमर्रा के कपड़ों से लेकर औपचारिक पहनावे तक काफी लोकप्रिय है।

लाल रंग: लाल रंग देखने में काफी प्रभावशाली होता है। इसे ऊर्जा, उत्साह, आत्मविश्वास और आकर्षण जैसी भावनाओं से जोड़ा जाता है।

सफेद रंग साफ-सफाई, सादगी और फ्रेश लुक का एहसास देता है। मिनिमल और क्लीन स्टाइल पसंद करने वाले लोगों को यह रंग खास तौर पर पसंद आ सकता है।

हरा रंग: हरा रंग प्रकृति, ताजगी और शांति से जुड़ा माना जाता है। इसके अलग-अलग शेड्स कपड़ों में बेहद अलग प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

गुलाबी रंग : गुलाबी रंग को अक्सर कोमलता, सकारात्मकता और चंचलता जैसी भावनाओं से जोड़ा जाता है। हालांकि गुलाबी को केवल किसी एक जेंडर या व्यक्तित्व से जोड़ना सही नहीं है।

बैंगनी रंग : बैंगनी रंग लंबे समय से रचनात्मकता, विशिष्टता और शाही अंदाज से जुड़ा माना जाता रहा है।

इसे पसंद करने वाले लोग कई बार अपने स्टाइल में कुछ अलग प्रयोग करना पसंद करते हैं।

गोल्ड, कुंदन या मोती? किस आउटफिट के साथ कौन-सी ज्वेलरी लगेगी खूबसूरत

इस फेस्टिव सीजन कुछ आसान स्टाइलिंग टिप्स अपनाकर आप अपने आउटफिट के साथ परफेक्ट ज्वेलरी पेयर कर सकती हैं और बिना ज्यादा मेहनत के शानदार, बैलेंस्ड और एलिगेंट लुक पा सकती हैं।

त्योहारों पर लोग खूबसूरत आउटफिट तो पहले से रेडी करा लेते हैं लेकिन जब तैयार होने का समय आता है तो उनका लुक कुछ अधूरा या बिगड़ जाता है। इसका कारण है आउटफिट के हिसाब से सही ज्वेलरी का चुनाव न करना।

सही ज्वेलरी पूरे लुक को खास और गलत ज्वेलरी लुक को खराब कर सकती है। हालांकि कई बार कपड़े का रंग, नेकलाइन, डिजाइन और फैब्रिक देखकर एक्सेसरीज चुनना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। गलत ज्वेलरी आपके पूरे लुक को ओवरड्रेस्ड या असंतुलित दिखा सकती है, जबकि सही नेकलेस, ईयररिंग्स, चूड़ियां या अंगूठियां साधारण आउटफिट को भी एलीगेंट फेस्टिव लुक दे सकती हैं।

अगर आप साड़ी, लहंगा, अनारकली या इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहनने वाली हैं, तो ज्वेलरी चुनते समय रंगों के कॉम्बिनेशन और डिजाइन पर खास ध्यान दें। गोल्ड, सिल्वर, कुंदन, ऑक्सीडाइज्ड और मोती जैसी ज्वेलरी अलग-अलग आउटफिट के साथ अलग प्रभाव देती हैं।

फेस शेप और नेकलाइन के हिसाब से एक्सेसरीज चुनना भी जरूरी है। इस फेस्टिव सीजन कुछ आसान स्टाइलिंग टिप्स अपनाकर आप अपने आउटफिट के साथ परफेक्ट ज्वेलरी पेयर कर सकती हैं और बिना ज्यादा मेहनत के शानदार, बैलेंस्ड और एलिगेंट लुक पा सकती हैं।

सिंपल साड़ीः अगर आप सिंपल सी साड़ी पहन रही हैं तो टेंपल गोल्ड ज्वेलरी पहन सकते हैं।

अगर आप त्योहार पर कॉटन की साड़ी पहन रही हैं तो इसे फेस्टिव लुक देने के लिए साथ में ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी पहनें।

जॉर्जेट या शिफॉन साड़ी : जॉर्जेट या शिफॉन की साड़ी के साथ डायमंड ज्वेलरी को पेयर कर सकते हैं। इससे साड़ी और लुक दोनों खास बन जाते हैं।

ऑर्गेंजा या फ्लोरल साड़ीः आपके पास ऑर्गेंजा या फ्लोरल साड़ी है और आप इसे त्योहार पर पहनना चाहती हैं तो फेस्टिव लुक के लिए साथ में पर्ल या रोज गोल्ड ज्वेलरी पहन सकती हैं।

बनारसी साड़ी : बनारसी साड़ी के साथ कुंदन या पोलकी ज्वेलरी को टीमअप कर सकते हैं। इससे लुक ज्यादा क्लासी लगता है।

लाल, मैरून या डीप रेड आउटफिट के साथ गोल्ड ज्वेलरी बेहद खूबसूरत लगती है। ट्रेडिशनल लुक के लिए कुंदन या पोल्की डिजाइन भी अच्छा विकल्प है।

पिंक, पीच, लैवेंडर, मिंट या बेबी ब्लू जैसे पेस्टल शेड्स के साथ पर्ल, डायमंड-लुक या हल्की सिल्वर ज्वेलरी एलिगेंट दिखाई देती है। एमराल्ड या डीप ग्रीन कपड़ों के साथ गोल्ड ज्वेलरी और कॉन्ट्रास्ट स्टोन वाला नेकलेस या इयररिंग्स फेस्टिव लुक को अधिक खूबसूरत बना सकता है। ब्लैक साड़ी, सूट या ड्रेस के साथ गोल्ड, सिल्वर या स्टेटमेंट ज्वेलरी आकर्षक लग सकती है। अगर आउटफिट हैवी वर्क वाली है तो मिनिमल ज्वेलरी रखें। आइवरी और व्हाइट आउटफिट के साथ मोती, गोल्ड या पोल्की ज्वेलरी का कॉम्बिनेशन बेहद एलिगेंट फेस्टिव लुक दे सकता है।

बिहार में है खूबसूरत वॉटरफॉल

दूर- दूर से देखने आते हैं टूरिस्ट्स यहां आकर होगा जन्नत का एहसास

बिहार टूरिज्म के मामले में काफी अच्छा कर रहा है, हर साल यहां आने वाले टूरिस्ट की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आज हम आपको यहां के एक खूबसूरत वॉटरफॉल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे देखकर ऐसा लगेगा कि आप केरल की वादियों में है। आइए जानते हैं यहां कैसे पहुंचा जा सकता है।

बिहार हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म जैसे विभिन्न धर्मों के सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। कई टूरिस्ट अपनी तीर्थ यात्रा के लिए बिहार आते हैं। इसी के साथ यहां के कल्चर को देखने टूरिस्ट देश- दुनिया से आते हैं। यहां की फेमस आर्ट मधुबनी पेंटिंग दुनिया भर में मशहूर है, वहीं यहां लोक नृत्य, और लोक गीत भारत की संस्कृति को दर्शाता है। प्राकृतिक सौंदर्य में भी बिहार पीछे नहीं है। अगर आप नेचर को करीब से देखना चाहते हैं, तो यहां हम आपको खूबसूरत वॉटरफॉल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे देखकर मन मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

हम बिहार के रोहतास जिले में स्थित मां टुटला 'भवानी वॉटरफॉल' के बारे में बात कर रहे हैं। इस वॉटरफॉल के आस- पास का नजारा इतना सुंदर और मनमोहक है, कि आपको लगेगा, जैसे आप केरल की वादियों की बीच खड़े हैं। दिन- प्रतिदिन यहां आने वाले टूरिस्ट्स की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगर आप बिहार घूमने आ रहे हैं, तो इन वॉटरफॉल को देखना बिल्कुल न भूलें।

भवानी वॉटरफॉल बिहार के सासाराम शहर के पास स्थित है। यह सासाराम से लगभग 30 किमी दूर है। मां टुटला भवानी वॉटरफॉल खूबसूरत होने के साथ- साथ धार्मिक महत्व

भी काफी रखता है। जो भी भक्त मंदिर के दर्शन करने आते हैं। वे एक बार जरूर इस वॉटरफॉल को देखने भी आते हैं। बता दें, वॉटरफॉल दो विशाल पहाड़ों के बीच से रास्ता बनाते हुए नीचे 200 मीटर की ऊंचाई से गिरता है। भवानी वॉटरफॉल में देखने के लिए टिकट लेनी होगी। बिना टिकट लिए आप यहां एंट्री नहीं कर सकेंगे। एंट्री फीस 30 रुपए है। इसी के साथ सलाह दी जाती है, जब आप वॉटरफॉल जाएं, तो अच्छी ग्रिप वाले जूते पहनें, क्योंकि वॉटरफॉल के आस- पास फिसलन वाली जगह काफी होती है। इसी के साथ बता दें, भवानी वॉटरफॉल के आसपास के टूरिस्ट प्लेस, जैसे शेर शाह सूरी मकबरा-हिंदुस्तान, तारा चंडी मंदिर, नेहरू पार्क भी है, जहां घुमा जा सकता है। यूं तो इस वॉटरफॉल को देखने के लिए आप सालभर में कभी भी जा सकते हैं, लेकिन अक्टूबर से नवंबर इस देखने के लिए बेस्ट माना गया है। इस दौरान मौसम में हल्की ठंडक रहती है और हल्की धूप पड़ने से वाटरफॉल का पानी चमकने भी लगता है। इस वॉटरफॉल को पूरा एक्सप्लोर करने में कम से कम 3 घंटे का समय लग सकता है, इसलिए जब भी यहां तो समय निकाल कर ही आना। टूरिस्ट्स सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक एंट्री कर सकते हैं।

बिहार सभी रोड के जरिए सभी राज्यों से कनेक्टेड है। अगर आप ट्रेन के जरिए आ रहे हैं, तो आपको सासाराम रेलवे स्टेशन उतरना होगा , जो तुतला भवानी वॉटरफॉल से कुछ ही किमी दूर है। वॉटरफॉल तक पहुंचने के लिए आप टैक्सी या रिक्शा ले सकते हैं।

बार-बार शैंपू करने के बाद भी स्कैल्प चिपचिपा?

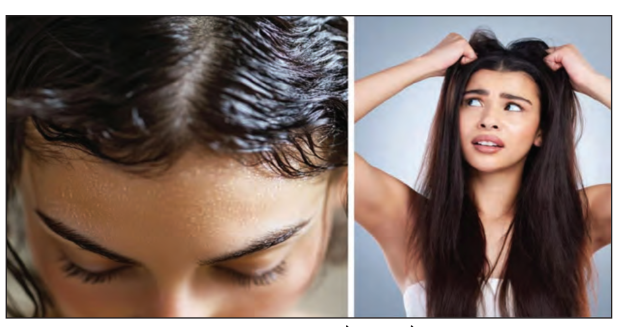

बाल धोने के बाद हमें उम्मीद होती है कि स्कैल्प फ्रेश, हल्का और साफ महसूस होगा। लेकिन कई बार शैंपू करने के बावजूद सिर की त्वचा ऑयली, चिपचिपी या भारी-सी लगती है। कुछ लोगों को ऐसा भी लगता है कि बालों की लंबाई तो साफ हो गई, लेकिन जड़ों के पास अभी भी गंदगी मौजूद है। ऐसी स्थिति में बार-बार शैंपू करना हमेशा समाधान नहीं होता।

स्कैल्प पर प्राकृतिक तेल यानी सीबम बनता है। इसके साथ पसीना, धूल, हेयर प्रोडक्ट्स और त्वचा की मृत कोशिकाएं जमा हो सकती हैं। अगर बाल धोने का तरीका सही न हो, तो ये चीजें स्कैल्प पर रह सकती हैं। दूसरी ओर, जरूरत से ज्यादा शैंपू करना या बहुत गर्म पानी इस्तेमाल करना भी स्कैल्प को परेशान कर सकता है।

साफ और स्वस्थ स्कैल्प के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने बालों को धोने के सही रूटीन पर ध्यान दें। शैंपू की मात्रा, लगाने का तरीका, बाल धोने का तरीका और इस्तेमाल किए जाने वाले हेयर प्रोडक्ट्स जैसी छोटी बातें भी फर्क डाल सकती हैं। अगर बाल धोने के बाद भी आपका स्कैल्प साफ महसूस नहीं होता, तो इन रोजमर्रा की आदतों पर एक नजर डालें।

शैंपू का मुख्य काम स्कैल्प को साफ करना है। इसलिए इसे हथेलियों में लेकर हल्के हाथों से स्कैल्प पर लगाएं और उंगलियों के पोरों से धीरे-धीरे मसाज करें। बालों की लंबाई को जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं होती। कई लोग ज्यादा सफाई के चक्कर में नाखूनों से स्कैल्प को रगड़ते हैं। इससे त्वचा में इरिटेशन हो सकती है। इसके बजाय उंगलियों के साफ्ट फिंगरटिप्स से हल्के हाथों से मसाज करें। कई बार समस्या शैंपू करने में नहीं बल्कि उसे ठीक से धोने में हो सकती है। स्कैल्प और बालों से शैंपू पूरी तरह निकलने तक पर्याप्त पानी से धो लें। खासतौर पर घने बालों में यह और जरूरी हो जाता है।

हेयर जेल, वैक्स, ड्राई शैंपू, सीरम या दूसरे स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल गंदगी की वजह बन सकता है। अगर आप नियमित रूप से ऐसे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, तो अपनी बाल धोने की रूटीन को उसी के अनुसार रखें। बहुत गर्म पानी स्कैल्प को रूखा या इरिटेटेड महसूस करा सकता है।

स्वाद और पोषण का कॉम्बो है कर्नाटक की मशहूर डिश

'बिसी बेले भात'

अगर आप वही रोजाना के दाल-चावल खाकर बोर हो चुके हैं और कुछ नया व स्वादिष्ट ट्राई करना चाहते हैं, तो कर्नाटक की आइकॉनिक डिश 'बिसी बेले भात' आपके लिए एक परफेक्ट चॉइस है। गरमा-गरम, क्रीमी और फ्लेवरफुल बिसी बेले भात न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि दाल और हरी सब्जियों के कारण बेहद पौष्टिक भी होता है।

ताजा भुने खड़े मसालों की खुशबू, इमली का चटपटा खट्टापन और ऊपर से देसी घी में फ्राई किए काजू-मूंगफली का तड़का इसे एकदम नेक्स्ट लेवल स्वाद देता है। इसे बनाना बहुत आसान है और यह पूरे परिवार को खूब पसंद आता है। तो चलिए जानते हैं पारंपरिक स्टाइल में इसे बनाने का आसान तरीका।

सबसे पहले प्रेशर कुकर में चावल और अरहर की दाल को पानी से 2-3 बार अच्छी तरह से धो लें। अब अपनी पसंद की ताजा कटी सब्जियां जैसे गाजर, बीन्स, आलू और हरी मटर मिलाएं। पानी, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर मिलाएं। कुकर का ढक्कन बंद करके इसे 3-4 सीटी आने तक मध्यम आंच पर पकने दें, ताकि दाल, चावल और सब्ज़ियां एकदम सॉफ्ट और मैश होने लायक हो जाएं।

इस डिश की असली जान इसका ताजा भुना हुआ मसाला है। एक पैन में चना दाल, उड़द दाल, खड़ा धनिया, जीरा, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और सूखी लाल मिर्च डालें। इन सभी खड़े मसालों को धीमी आंच पर हल्का सुनहरा और खुशबू आने तक ड्राई रोस्ट करें। मसाले ठंडे होने के बाद इन्हें मिक्सी में पीसकर एक फाइन और खुशबूदार दक्षिण भारतीय मसाला पाउडर तैयार कर लें।

एक बड़े बर्तन या कड़ाही में तेल/घी गर्म करें। इसमें राई और करी पत्ते डालकर चटकने दें। इसके बाद कटे हुए प्याज और शिमला मिर्च डालकर 1-2 मिनट तक हल्का भूनें। फिर कटे हुए टमाटर डालें और उनके थोड़ा नरम होने तक पकाएं। अब इसमें तैयार किया गया ताजा बिसी बेले भात मसाला पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिला लें ताकि मसालों का स्वाद सब्ज़ियों में रच-बस जाए।

मसाले भून जाने के बाद इसमें इमली का पानी और थोड़ा सा नमक मिलाएं। इमली

का पानी इस डिश को पारंपरिक खट्टा-तीखा पंच देता है। इसके बाद कड़ाही में आवश्यकतानुसार पानी डालें और ग्रेवी में एक बढ़िया उबाल आने दें। उबाल आने से मसालों, इमली और तड़के का स्वाद आपस में अच्छी तरह घुल-मिल जाता है।

जब ग्रेवी अच्छी तरह से उबल जाए, तो कुकर में उबाले गए सॉफ्ट चावल, दाल और सब्ज़ियों के मिश्रण को कड़ाही में डाल दें। कछी की मदद से सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं ताकि कोई गांठे न रहें और एक थिक, क्रीमी टेक्सचर मिले। धीमी आंच पर इसे 2-3 मिनट तक पकने दें ताकि चावल सारे मसालों और इमली के स्वाद को सोख ले।

एक छोटे तड़का पैन में 2 चम्मच देसी घी गर्म करें। इसमें काजू और मूंगफली के दानों को सुनहरा और क्रिस्पी होने तक रोस्ट कर लें। इस क्रंची तड़के को तैयार बिसी बेले भात के ऊपर डालें।

अब इस गरमा-गरम डिश को पारंपरिक तरीके से केले के पत्ते पर निकालें, ऊपर से ढेर सारा देसी घी डालें और रायता या पापड़ के साथ लुत्फ उठाएं।

तीन साल में पहली बार फंड जुटाने जा रहे मुकेश अंबानी

रिलायंस देगी सालाना 7.47% ब्याज

नई दिल्ली,8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग तीन साल बाद देश के रुपया बॉन्ड मार्केट में वापसी करने जा रही है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी पांच साल के बॉन्ड बेचकर 12,500 करोड़ रुपये (1.32 अरब डॉलर) जुटाने की योजना बना रही है। यह रिलायंस का नवंबर 2023 के बाद पहला रुपया बॉन्ड ऑफर होगा। तब कंपनी ने 200 अरब रुपये जुटाए थे, जो किसी भारतीय नॉन-फाइनेंशियल कंपनी की सबसे बड़ी लोकल करेंसी डेट सेल थी।

रिपोर्ट में पांच मर्चेंट बैंकरों के हवाले से यह दावा किया गया है। बैंकरों के मुताबिक रिलायंस पांच साल के बॉन्ड बेचकर 12,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना पर काम कर रही है। इस पर सालाना कूपन यानी वार्षिक ब्याज 7.47% होगा। कंपनी अगले हफ्ते निवेशकों से बोलियां मंगाएगी। कंपनी ने इस बारे में भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया।

फंड जुटाना हुआ सस्ता

बैंकरों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर पांच साल तक के बॉन्ड पर यील्ड में भारी गिरावट के कारण इस तरह से फंड जुटाना डॉलर में कर्ज लेने की तुलना में सस्ता हो गया है। जून की शुरुआत से पांच साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में 33 बेसिस पॉइंट की गिरावट आई है। इसकी मुख्य वजह यह है कि आरबीआई की सब्सिडाइज्ड योजनाओं में भारी मात्रा में डॉलर आया है। नॉन-रेजिडेंट डॉलर डिपॉजिट स्कीम के तहत आई रकम ने स्थानीय यील्ड को नीचे गिरा दिया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी दरों में बढ़ोतरी ने भारतीय कंपनियों के लिए डॉलर में फंड जुटाने की लागत बढ़ा दी। बैंकरों ने बताया कि बड़े प्राइवेट बैंक इस डील के लिए अरेंजर के तौर पर काम कर रहे हैं और वे इन बॉन्ड को आंशिक रूप से सब्सक्राइब भी करेंगे। इस बीच, कंपनी 10 साल के बॉन्ड जारी करने पर भी विचार कर रही है।

इसके लिए कंपनी बैंकरों और निवेशकों के साथ बातचीत कर रही है। नॉन-रेजिडेंट डॉलर डिपॉजिट स्कीम के तहत आई रकम ने स्थानीय यील्ड को नीचे गिरा दिया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी दरों में बढ़ोतरी ने भारतीय कंपनियों के लिए डॉलर में फंड जुटाने की लागत बढ़ा दी। बैंकरों ने बताया कि बड़े प्राइवेट बैंक इस डील के लिए अरेंजर के तौर पर काम कर रहे हैं और वे इन बॉन्ड को आंशिक रूप से सब्सक्राइब भी करेंगे।

इस बीच, कंपनी 10 साल के बॉन्ड जारी करने पर भी विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी बैंकरों और निवेशकों के साथ बातचीत कर रही है।

कोयले से गैस बनाएंगे अडानी

कोल गैसीफिकेशन स्कीम में किया आवेदन, 7 कंपनियों में मची होड़

नई दिल्ली,8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में घरेलू कोयले से गैस और औद्योगिक ईंधन बनाने की योजना को लेकर कंपनियों की दिलचस्पी सामने आई है। केंद्र सरकार की कोयला गैसीकरण योजना के पहले चरण में कुल 7 आवेदन मिले हैं। इनमें गौतम अडानी की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की ओर से तीन अलग-अलग प्रस्ताव शामिल हैं।

इसके अलावा एनटीपीसी, तलचर फर्टिलाइजर्स, गैलेंट इस्पात और श्याम सेल एंड पावर ने भी इस योजना के तहत आवेदन किया है। कोयला मंत्रालय ने जुलाई में इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी और पहले चरण में आवेदन करने की अंतिम तारीख 7 सितंबर थी। कोल गैसीफिकेशन में मुकेश अंबानी भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

इन कंपनियों ने किया आवेदन

अडानी एंटरप्राइजेज ने यूरिया उत्पादन से जुड़े तीन अलग-अलग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है। गैलेंट इस्पात ने डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन और सिंथेटिक गैस यानी सिनगैस बनाने की परियोजना का प्रस्ताव दिया है।एनटीपीसी ने सिंथेटिक नेचुरल गैस प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है।श्याम सेल एंड पावर ने भी सिनगैस उत्पादन की परियोजना प्रस्तावित की है।तलचर फर्टिलाइजर्स ने यूरिया प्रोजेक्ट के लिए सरकारी सहायता मांगी है।

37,500 करोड़ रुपये का बजट

केंद्र सरकार ने मई में कोयला गैसीकरण योजना को मंजूरी दी थी। इसके लिए 37,500 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। योजना का उद्देश्य घरेलू कोयले से औद्योगिक कच्चा माल और ईंधन तैयार करना है, ताकि देश की आयात पर निर्भरता कम की जा सके। सरकार का फोकस एलएनजी, यूरिया, अमोनिया और मेथनॉल जैसे उत्पादों के आयात को घटाने पर है। वित्त वर्ष 2024-25 में इन उत्पादों के आयात पर भारत ने करीब 2.77 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे।

क्या है सरकार का लक्ष्य?

इस योजना के जरिए सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश में 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण क्षमता विकसित करना है।

इसमें योजना के तहत करीब 75 मिलियन टन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।सरकार को उम्मीद है कि यह योजना निजी और सरकारी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे करीब 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित किया जा सकता है।

8 प्रोजेक्ट पर चल रहा काम

कोयला गैसीकरण योजना को नेशनल कोल गैसीफिकेशन मिशन के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले जनवरी 2024 में सरकार ने 8500 करोड़ रुपये की एक योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत फिलहाल 8 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाएं बड़े पैमाने पर निवेश वाली परियोजनाएं हैं।

अंबानी भी हैं लाइन में

कोल गैसीफिकेशन सेक्टर में एंट्री मारने के लिए मुकेश अंबानी भी तैयार हैं। दरअसल, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश को विदेशी ऊर्जा संकट से उबारने के लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। रिलायंस ने आंध्र प्रदेश में भारत का पहला एकीकृत अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन कॉम्प्लेक्स स्थापित करने के लिए अगले 30 वर्षों में लगभग 2.73 लाख करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी

सेंसेक्स 555 अंक टूटा, निफ्टी 23650 के नीचे बंद

मुंबई,8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 555 अंक गिरकर 75,578 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 भी 144 अंक के नुकसान के साथ 23,635 पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दर वृद्धि की चिंताएं और आईपीओ बाजार में तेजी जैसे कारक बाजार की धीमी गिरावट में योगदान दे रहे हैं।

मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांकों ने नुकसान दर्ज किया। सेंसेक्स करीब 555 अंक गिरकर 75,578 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 ने 144 अंक का नुकसान उठाया और 23,635 पर समाप्त हुआ। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और ब्रेंट क्रूड की बढ़ती कीमतें लगभग 99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के कारण निवेशकों की भावना पर दबाव पड़ने से रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 28 पैसे गिरकर 94.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों की चिंता बढ़ा रही हैं। इसके साथ ही, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका भी बाजार पर दबाव डाल रही है। आईपीओ बाजार में लगातार हो रही नई लिस्टिंग भी पूंजी को मुख्य बाजार से खींच रही है। व्यापक बाजार, जैसे निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100, हरे निशान पर बंद हुए।

इन सूचकांकों में 0.2 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई।

किन शेयरों में रही गिरावट और तेजी?

आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में लगभग 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी 1 फीसदी से अधिक गिरे। हालांकि, इस गिरावट के रुझान के विपरीत बीईएल और अडानी पोर्ट्स के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि देखी गई।

वैश्विक बाजारों का क्या रहा हाल?

वैश्विक बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा। टोक्यो समय अनुसार सुबह 10:42 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा लगभग अपरिवर्तित रहा। जापान का निक्केई 225 वायदा 0.1 फीसदी बढ़ा, जबकि टॉपिक्स 0.4 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.6 फीसदी और हांगकांग का हैंग सेंग 0.7 फीसदी नीचे आया। शंघाई कंपोजिट 0.3 फीसदी बढ़कर बंद हुआ, वहीं यूरो स्टॉक्स 50 वायदा भी लगभग अपरिवर्तित रहा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	सिंह	में
चंद्र	कर्क	में
मंगल	मिथुन	में
बुध	सिंह	में
गुरु	कर्क	में
शुक्र	तुला	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

लग्नारंभ समय	
सिंह	04-37 बजे
कन्या	06-43 बजे
तुला	07-47 बजे
वृश्चिक	10-57 बजे
धनु	13-13 बजे
मकर	15-26 बजे
कुंभ	17-08 बजे
मीन	18-45 बजे
मेष	20-21 बजे
वृष	22-04 बजे
मिथुन	00-08 बजे
कर्क	02-24 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-39
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष बुधवार **09 Sep 2026**
तिथि - त्रयोदशी **12-30** तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - आश्लेषा **15-14** तक उपरान्त मघा
योग - शिव **21-52** तक उप सिद्ध
करण - वणिज **12-31** तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेषः मास शिवरात्रि

भद्राकाल - 12-31 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-13 से 13-46 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	
लाभ	06-01 - 07-37 शुभ
अमृत	07-37 - 09-09 शुभ
काल	09-09 - 10-41 अशुभ
शुभ	10-41 - 12-13 शुभ
रोग	12-13 - 13-46 अशुभ
उत्पात	13-46 - 15-18 अशुभ
चंचल	15-18 - 16-50 शुभ
लाभ	16-50 - 18-42 शुभ

रात का चौघड़िया	
उत्पात	18-42 - 19-50 अशुभ
शुभ	19-50 - 21-18 शुभ
अमृत	21-18 - 22-46 शुभ
चंचल	22-46 - 00-13 शुभ
रोग	00-13 - 01-41 अशुभ
काल	01-41 - 03-09 अशुभ
लाभ	03-09 - 04-37 शुभ
उत्पात	04-37 - 06-01 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें ।इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें । हर रोज अपने शरीर का ध्यान रखना शुरू करें ।हो सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा ।आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेह्तर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं । आप पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य के मामले में काफी सख्त दिनचर्या का पालन कर रहे हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

बेंगलुरु में अमेज़न और स्विगी इंस्टामार्ट के डार्क स्टोर पर छापा ,1.42 करोड़ के एक्सपायर्ड फूड और दवाएं जब्त

बैंगलूरू,8 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप ऑनलाइन ऑर्डर करके सामान मंगाते हैं तो सावधान होने की जरूरत है। कर्नाटक के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को अमेजन और स्विगी इंस्टामार्ट के डार्क स्टोर पर छापा मारा।

यह कार्रवाई एक्सपायर हो चुके खाने-पीने के सामान और दवाओं के स्टोरेज और बिक्री के खिलाफ तेज की गई मुहिम का हिस्सा थी। इस दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग और औषधि सुरक्षा विभाग ने एक्सपायर और गलत तरीके से लेबल किए गए फूड प्रोडक्ट को जब्त किया है।

इसके साथ ही कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यूटी खादर ने लोगों से अपील की कि वे खाने-पीने की चीजें और दवाएं खरीदने से पहले उनकी एक्सपायरी डेट जरूर देख लें। अमेजन और स्विगी इंस्टामार्ट पर कार्रवाई के दौरान 1.38 करोड़ रुपये के फूड प्रोडक्ट और 4.02 लाख रुपये की दवाएं जब्त कीं।

जब्त किए गए उत्पादों को अधिकारियों ने अपनी कस्टडी में ले लिया है और आगे की जांच चल रही है। होसकोटे स्थित इंस्टामार्ट के स्टोर को बंद कर दिया गया है।

3 करोड़ के फूड प्रोडक्ट और दवाइयां जब्त

मंत्री खादर ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में पूरे राज्य में लगभग 3 करोड़ रुपये की कीमत के फूड प्रोडक्ट और दवाइयां जब्त की गई हैं। इनमें एक्सपायर हो चुके प्रोडक्ट और दवाइयां भी शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर बेचने के लिए स्टोर किया गया था और उन पर नए लेबल लगाए गए थे। मौजूदा कार्रवाई में टीम को अमेजन के डार्कस्टोर से दूध, सब्जियां, दही, काजू बिस्किट, रागी का आटा, चिकन पैटी, पनीर, बिस्कुट, मेवे, अंडे, मैदा आदि उत्पाद मिले जिनकी एक्सपायरी डेट समाप्त हो चुकी थी।

ग्राहकों से सतर्क रहने की अपील

खादर ने ग्राहकों से खाना, दवाइयां और दूसरे प्रोडक्ट खरीदते समय सतर्क रहने की अपील की।

उन्होंने कहा, 'मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे कोई भी प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर देखें। अगर आपको कोई छोटा-सा भी सुराग या कुछ संदिग्ध दिखे, तो कृपया इसकी रिपोर्ट करें। 'उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्राहकों को प्रोडक्ट की जांच करने में मदद करने के लिए क्यूआर कोड और बारकोड शुरू किए हैं। साथ ही, सोशल एक्टिविस्ट से अपील की है कि वे सार्वजनिक जगहों पर इस सिस्टम के बारे में जानकारी फैलाकर लोगों में जागरूकता पैदा करें।

ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों के जरिए ग्राहकों तक एक्सपायर हो चुके और गलत लेबल वाले खाने-पीने के सामान और दवाइयों को पहुंचने से रोकने के लिए लगातार जांच और लोगों की भागीदारी जरूरी है।

भारत को मिला अमेरिका का साथ

6जी नेटवर्क के लिए मिलकर नियम तय करेंगे कई देश, एकसाथ आने की वजह खास

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत 6जी की रेस में आगे रहने के लिए लगातार काम कर रहा है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय (डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स) ने बताया है कि भारत, अमेरिका और 24 अन्य देश एक साथ मिलकर भविष्य की नई इंटरनेट टेक्नोलॉजी 6जी नेटवर्क को बनाने और उसके नियम तय करने पर काम करेंगे। इससे साफ-साफ दिख रहा है कि 6जी के भविष्य को तय करने में अब भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।

बता दें कि वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने जी20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के दौरान अमेरिका के व्यापार और उद्योग मंत्री हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात की थी, जहां दोनों ने 6जी टेक्नोलॉजी के भविष्य पर चर्चा की।

दरअसल, अमेरिका के कॉमर्स विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में बताया गया है कि आज हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत, अमेरिका और 24 अन्य देशों के साथ 6जी के विकास में शामिल हो गया है ताकि यह ताकि यह पक्का किया जा सके कि भविष्य की 6जी इंटरनेट तकनीक हमारी सुरक्षा का ध्यान रखे, देश को बिजनेस और तकनीक में दूसरों से आगे रखे और नवाचार को बढ़ावा दे।

यह खबर ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका के मियामी शहर में जी20 शिखर सम्मेलन हो रहा है, जिसमें केंद्रीय वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंत्री लेवल पर कई बैठक में हिस्सा लिया।

अगले 12 महीनों तक चलेगा काम

बता दें कि भारत इसी साल जुलाई में अमेरिका की टेलीकॉम एजेंसी द्वारा शुरू की गई '6जी लीडरशिप और सिक्योरिटी' पहल का हिस्सा बना है।

इस समझौते के तहत भारत और बाकी 25 देश अगले 12 महीनों तक मिलकर एक सुरक्षित, मजबूत और भरोसेमंद 6जी नेटवर्क ढांचा तैयार करेंगे।

इस पार्टनरशिप का मकसद 6जी नेटवर्क में साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, अलग-अलग कंपनियों के उपकरणों को आपस में आसानी से जोड़ने योग्य बनाना और नेटवर्क को संभालने के लिए सुरक्षित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करना है।

'भारत 6जी मिशन' के तहत ग्लोबल हब बनने की तैयारी

इसके साथ ही भारत अपने 'भारत 6जी मिशन' के जरिए खुद को 6जी तकनीक के ग्लोबल हब के रूप में स्थापित कर रहा है। भारत का लक्ष्य सिर्फ 6जी का इस्तेमाल करना ही नहीं, बल्कि इसके नए पेटेंट, उपकरण और सस्ते टेलीकॉम प्रोडक्ट्स बनाकर पूरी दुनिया में निर्यात करना भी है।

खरीफ का रकबा कर्नाटक और तेलंगाना में घटा

धान की बुवाई में देश में 3.71% की कमी

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। 2026 खरीफ सीजन में धान की बुवाई में 3.71 फीसदी की कमी आई है। इस साल अब तक कुल 421.82 लाख हेक्टेयर में धान बोया गया है। पिछले साल इसी अवधि में यह रकबा 438.19 लाख हेक्टेयर था। यह कमी मुख्य रूप से कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कम बुवाई के कारण हुई है। कृषि मंत्रालय ने अपने आंकड़ों में इनकी पुष्टि की है।

धान की बुवाई में कहां और कितनी कमी आई?

धान की बुवाई में सबसे बड़ी कमी कर्नाटक में दर्ज की गई है, जहां 4.28 लाख हेक्टेयर की गिरावट आई। आंध्र प्रदेश में 1.91 लाख हेक्टेयर और तेलंगाना में 3.61 लाख हेक्टेयर कम बुवाई हुई। झारखंड में 1.38 लाख हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 1.84 लाख हेक्टेयर और मध्य प्रदेश में 1.75 लाख हेक्टेयर की कमी देखी गई। तमिलनाडु में 1.32 लाख हेक्टेयर और महाराष्ट्र में 1.15 लाख हेक्टेयर रकबा घटा है। हालांकि, असम में 0.52 लाख हेक्टेयर और ओडिशा में 0.29 लाख हेक्टेयर में अधिक धान बोया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, अल नीनो प्रभावित मानसून के डर के बावजूद धान की बुवाई में कमी कम हुई है। अधिकांश चावल उत्पादक राज्य अब सिंचाई पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। वे देर से हुई बारिश से निपटने के लिए कम अवधि वाली किस्मों पर चले गए हैं। उन्हें सरकार की सुनिश्चित खरीद का लाभ भी मिलता रहता है।दालों और तिलहन का रकबा भारत के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। देश घरेलू कमी को पूरा करने के लिए इन फसलों के आयात पर काफी निर्भर करता है। दालों की बुवाई में सुधार देखा गया है। 4 सितंबर तक यह पिछले साल के स्तर से बढ़कर 117.13 लाख हेक्टेयर हो गई है। पिछले साल इसी अवधि में यह 115.30 लाख हेक्टेयर थी। अरहर का रकबा मामूली रूप से बढ़कर 45.66 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 44.93 लाख हेक्टेयर था। उड़द का रकबा भी बढ़कर 25.15 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल यह 22.46 लाख हेक्टेयर था। हालांकि, मूंग का रकबा 33.19 लाख हेक्टेयर पर कम रहा है। दालों के रकबे में सबसे अधिक वृद्धि उत्तर प्रदेश (3.97 लाख हेक्टेयर), झारखंड (0.98 लाख हेक्टेयर) और तेलंगाना (0.90 लाख हेक्टेयर) में हुई है। दूसरी ओर, तिलहन का रकबा पिछले साल के 193.06 लाख हेक्टेयर से फिसलकर 191.99 लाख हेक्टेयर हो गया है।

मध्य पूर्व में तनाव का असर, भारत की क्रूड ऑयल बास्केट 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई,8 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में तनाव का असर भारत की क्रूड ऑयल बास्केट पर भी देखा जा रहा है और इसकी औसत कीमत अब चार महीने के उच्चतम स्तर 100.75 डॉलर पर पहुंच गई है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, 7 सितंबर को भारत की क्रूड ऑयल बास्केट की कीमत 106.26 डॉलर प्रति बैरल थी।

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के साथ-साथ भारत के लिए कच्चा तेल आयात करना महंगा होता जा रहा है। इससे पहले भारत के कच्चे तेल के बास्केट की औसत कीमत अगस्त में 90.19 डॉलर प्रति बैरल, जुलाई में 82.04 डॉलर प्रति बैरल और जून में 83.22 डॉलर प्रति बैरल थी। वहीं, मई में अमेरिका-ईरान में युद्ध के चरम पर भारत के कच्चे तेल की बास्केट की औसत कीमत 106.23 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कच्चे तेल का दाम भी 100 डॉलर प्रति बैरल की तरफ पहुंच रहा है। दोपहर 2:20 पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.75 प्रतिशत बढ़कर 97.73 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 93.11 डॉलर प्रति बैरल पर था।मध्य पूर्व में लगातार तनाव के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद है, जिससे दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का आवागमन होता है।अमेरिका-ईरान के युद्ध के बीच में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले करने के कारण स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है और युद्ध के बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के कई रणनीतिक और आर्थिक ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर दिया है।

चांदी 2,406 बढ़कर 2.34 लाख किलो पर पहुंची

10 ग्राम सोना 606 महंगा होकर 1.53 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 606 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 2,406 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए हो गई है।

इस साल सोना 20 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है।वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सीकर में फौजी का अपहरण: वोटिंग से एक दिन पहले छुट्टी पर घर लौटा था जवान

सीकर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव के प्रथम चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले सीकर जिले के खंडेला इलाके में फौजी के अपहरण की सनसनीखेज घटना सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सेना से छुट्टी लेकर घर आए जवान के अचानक रास्ते से गायब होने और कुछ लोगों की ओर से उसे वाहन में डालकर ले जाने की सूचना मिलते ही पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। देर रात तक पुलिस जवान की तलाश में जुटी रही।

वाहन में डालकर ले गए बदमाश

खंडेला थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह देगड़ा के मुताबिक, भारतीय सेना में कार्यरत श्रीराम सिहाग छुट्टी पर अपने गांव आया हुआ था। बताया जा रहा है कि वह छुट्टी के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा था। सोमवार रात वह बाइक पर सवार होकर अपने गांव केरपुरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में कुछ अज्ञात लोगों ने उसे कथित तौर पर रोक लिया और वाहन में डालकर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी सामने आते ही इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों को जैसे ही फौजी के अपहरण की भनक लगी, बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

खंडेला थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह देगड़ा ने बताया कि पुलिस को रात करीब 10 बजे फौजी के अपहरण की सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार कुछ लोग श्रीराम सिहाग को एक वाहन में डालकर अपने साथ ले गए। पुलिस ने तत्काल आसपास के इलाकों में नाकाबंदी करवाई और संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फौजी को किस वाहन में ले जाया गया और वारदात में कितने लोग शामिल थे।

'नगरीय निकाय चुनावों में बुरी तरह हार रही है भाजपा'
अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल पर किए बड़े हमले

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनावों के लिए पहली वोटिंग 9 अगस्त को होगी। इस मौके पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने दावा किया कि भाजपा नगरीय निकाय चुनावों में बुरी तरह हार रही है। साथ ही अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल व भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि गृह जिले भरतपुर समेत सभी जगहों पर मुख्यमंत्री के फ्लॉप रोड शो, पार्षद चुनावों में मंत्री और विधायकों द्वारा भाजपा का पार्षद न बनने पर वार्ड का विकास रोकने की धमकी, बीजेपी के बागी उम्मीदवारों तक के प्रतिष्ठानों पर जीएसटी के छापे और उनके प्रतिष्ठानों को सील करना आदि दिखा रहे हैं कि भाजपा नगरीय निकाय चुनावों में बुरी तरह हार रही है।

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि आज तक सत्ताधारी दल के खिलाफ इतना माहौल कभी नहीं देखा गया। भाजपा के ढाई साल के कुशासन से अब जनता इतनी त्रस्त है कि 9 और 11 सितंबर को होने वाले चुनावों में भाजपा की एकतरफा हार सुनिश्चित करने के लिए, वोटिंग करने के लिए बड़ी संख्या में निकलेगी। निकाय चुनावों में कांग्रेस की जीत और भाजपा की हार से आने वाले ढाई साल में भाजपा जनता की आवाज सुनकर काम करने के लिए मजबूर होगी।

राजस्थान में किसानों की दुर्दशा पर अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान की किस्मत में सिर्फ दो ही विकल्प बचे हैं, या तो एमएसपी पर खरीद ही नहीं होगी, या खरीद हो भी गई तो भुगतान का कोई पता नहीं। यही इस सरकार की असली सच्चाई है। उत्तर में हनुमानगढ़ से लेकर दक्षिण में झालावाड़ तक, पूरे राजस्थान के किसानों का यही हाल है। कहीं मंडियों में एमएसपी से कम दाम पर फसल बेचने की मजबूरी, तो कहीं महीनों बाद भी भुगतान के लिए दफ्तरों के चक्कर।

2023 में कांग्रेस ने एमएसपी गारंटी कानून का वादा किया था ताकि किसान को उसका पूरा हक मिले, लेकिन भाजपा ने किसानों को बरगलाकर सत्ता हथिया ली और आज नतीजा पूरे प्रदेश में सामने है। भजनलाल जी, किसान का पैसा कब मिलेगा, यह सवाल पूरा राजस्थान पूछ रहा है।

गाय पर चिंता जताते हुए अशोक गहलोत कहा कि गाय के नाम पर सत्ता में आने वाली भाजपा एक्सपोज हो गई है। विज्ञापनों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भले खुद को गौभक्त बताकर तस्वीरें खिंचवाएं, हकीकत यह है कि प्रदेश की 4523 गौशालाओं में बैठे 18 लाख गोवंश दस महीने से एक रुपया नहीं देखा। करीब 900 करोड़ का अनुदान फाइलों में दबा पड़ा है, जबकि संचालक कर्ज लेकर और भामाशाहों के भरोसे किसी तरह चारा जुटा रहे हैं।

अशोक गहलोत कहा कि सड़क पर भटकते बेसहारा गोवंश की तस्वीरें ही इस सरकार का असल रिपोर्ट कार्ड हैं। श्रद्धा दिखाने के लिए कैमरा चाहिए, लेकिन गौसेवा के लिए बजट देने में यही सरकार पीछे हट जाती है। भाजपा का यह दोगलापन जनता समझ चुकी है। अगर प्रदेश में स्थिति सूखे की बन गई तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

बुरी फंसी जयपुर पुलिस! चोरों से करवाई चोरी फिर बाईक बरामद की
सीसीटीवी ने खोल दी पोल

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में पुलिस का एक हैरान करने वाला कारनामा सामने आया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को पकड़ा था। फिर चोरी की बाइक बरामद करने में पुलिस ने गलती कर दी। हुआ यूं कि पुलिस ने चोरों के कहने पर एक घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल को चोरी की समझ कर उठा लिया। बाद में उसी बाइक को झाड़ियों से बरामद करना बताया। पुलिस ने अपनी मनमर्जी से कहानी गढ़ी थी लेकिन सीसीटीवी कैमरों ने पुलिस की पोल खोल दी।

चोरी हुए बिना ही पुलिस द्वारा बाइक को उठवाना, लोडिंग पिकअप में डालकर ले जाना और फिर झाड़ियों से बरामद होने की कहानी गढी लेकिन सीसीटीवी कैमरों ने पुलिस की करतूत को उजागर कर लिया। घटना गुर्जर की थड़ी स्थित शांति नगर निवासी राजेंद्र शर्मा के साथ हुई। राजेंद्र शर्मा की मोटरसाइकिल उनके घर के बाहर खड़ी थी। 3 सितंबर की सुबह जब मोटर साइकिल गायब मिली तो राजेंद्र ने सीसीटीवी फुटेज देखे। फुटेज में देखा कि पुलिस कुछ युवकों के साथ आई और बाइक को उठाकर लोडिंग टेंपो में डालकर ले गई। यानी बाइक चोरी हुई नहीं बल्कि पुलिस ने ही चोरी करवाई और फिर उसे झाड़ियों से बरामद होना बता दिया। बाइक चोरी और फिर उसकी बरामदगी की फिल्मी कहानी महेश नगर थाना पुलिस ने गढ़ी थी। दरअसल दो सितंबर को पुलिस गश्त के दौरान दो संदिग्ध बदमाशों को गिरफ्तार किया था। चोरों ने चोरी की तीन चार वारदातें करना स्वीकार किया। चोरी की बाइक बरामद करने के चक्कर में पुलिस ने शांति नगर स्थित एक मकान के बाहर खड़ी बाइक उठवाई और फिर उसी बाइक को झाड़ियों से बरामद करना बता दिया। चोरी होने के अगले दिन 3 सितंबर को राजेंद्र ने पुलिस कंट्रोल रूम कॉल करके बाइक चोरी होने की सूचना भी दे दी। राजेंद्र शर्मा का कहना है कि जब उसकी बाइक चोरी हुई और सीसीटीवी फुटेज में चोर खाकी वर्दी में नजर आया तो उन्होंने मानसरोवर थाने में फोन किया। मानसरोवर पुलिस ने किसी भी बाइक को जब्त करने से इनकार किया।

'अमायरा डेथ केस' में अब सीजेपी की एंट्री
बोले- 'हमने न्याय दिलाने का वादा किया है'

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के सबसे चर्चित मामलों में से एक, 9 वर्षीय मासूम बच्ची अमायरा की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है। कॉकरोच जनता पार्टी के को-कन्वीनर आशुतोष रांका ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक विस्तृत और भावुक पोस्ट शेयर की है। इसमें राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार, जयपुर पुलिस और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर तीखे सवालों की बौछार की है। रांका ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सिस्टम आम आदमी को किस तरह तड़पाता है और उसका उत्पीड़न करता है, इसे समझना है तो अमायरा केस को फॉलो करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को टैग करते हुए चेतावनी दी कि अमायरा का परिवार इस लड़ाई में अकेला नहीं है और पूरा देश इस मामले पर नजर बनाए हुए है।

जयपुर के मानसरोवर स्थित नीरजा मोदी स्कूल में हुई इस दर्दनाक घटना को बीते 10 महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन पीड़ित परिवार आज भी अदालतों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है। सीजेपी ने अमायरा के माता-पिता विजय और शिवानी से किए गए अपने वादे को दोहराते हुए साफ कर दिया है कि जब तक इस केस में प्रिंसिपल और जिम्मेदार स्कूल प्रशासन के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह लड़ाई सड़क से लेकर कानूनी मंचों तक पूरी मजबूती के साथ जारी रहेगी।

आशुतोष रांका ने अपनी पोस्ट में अमायरा की यादों को साझा करते हुए लिखा कि वह महज 9 साल की होनहार और हंसती-खेलती बच्ची थी। वह अपने स्कूल में बेस्ट ऑलराउंडर थी, जो पढ़ाई के साथ-साथ डांस और म्यूजिक में भी हमेशा चैंपियन रहती थी। हालांकि, स्कूल में उसकी ही क्लास के कुछ बच्चे उसे लगातार परेशान और बुली कर रहे थे।

1 नवंबर 2025 के दिन क्लास में सहपाठियों द्वारा तंग किए जाने पर अमायरा अपनी क्लास टीचर के पास एक-दो बार नहीं बल्कि 5 बार शिकायत करने गई। आरोप है कि उस दौरान क्लास टीचर अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थी और दूसरी पीरियड टीचर क्लास में मौजूद ही नहीं थी। मानसिक रूप से बेहद परेशान दिख रही बच्ची जब चुपचाप क्लास से बाहर निकली, तो किसी भी शिक्षक या गार्ड ने उसे रोकने या पूछने की जहमत नहीं उठाई। अपमान न सह पाने के कारण मासूम बच्ची भागती हुई स्कूल की चौथी मंजिल पर गई और वहां से छलांग लगा दी।

सीजेपी के को-कन्वीनर ने आरोप लगाया कि इस दर्दनाक हादसे के तुरंत बाद नीरजा मोदी स्कूल प्रशासन ने झाड़-पोंछा लगवाकर मौके से खून के सारे धब्बे मिटा दिए और सीसीटीवी फुटेज को भी गायब करने की कोशिश की गई। पुलिस को भी शुरुआती दौर में गुमराह किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने जांच बिठाई और सुरक्षा मानकों में भारी खामियां पाए जाने पर स्कूल की 9वीं से 12वीं तक की मान्यता रद्द कर दी थी। हालांकि, बाद में स्कूल ने कानूनी दांव-पेंच और बड़े वकीलों का सहारा लेकर उच्च न्यायालय से सीबीएसई के इस आदेश पर स्टे हासिल कर लिया।

हाईकोर्ट भवन निर्माण में गड़बड़ी पड़ी भारी
आरएसआरडीसी के 3 अधिकारी समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के झालामंड स्थित नए भवन के निर्माण में कथित गड़बड़ियों को लेकर दर्ज बहुचर्चित मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड (आरएसआरडीसी) के तीन अधिकारियों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जयपुर की जेके इलेक्ट्रिक कांट्रेक्टर फर्म के प्रोपराइटर और प्रोजेक्ट डायरेक्टर भी शामिल है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से चार को पुलिस रिमांड और एक आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। एसीपी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट भवन निर्माण में सामने आई खामियों को लेकर वर्ष 2024 में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरएसआरडीसी के अधिकारी जितेंद्र शर्मा पुत्र राजा बाबू शर्मा, नवीनचंद्र के राय पुत्र किशोरीलाल और राजेश पुरोहित को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा जेके इलेक्ट्रिक कांट्रेक्टर, जयपुर के प्रोपराइटर रामेश्वरदयाल खण्डेलवाल पुत्र मोहनलाल खण्डेलवाल निवासी गेटोर रोड, जयपुर और प्रोजेक्ट डायरेक्टर गोपाललाल खण्डेलवाल पुत्र मोहनलाल खण्डेलवाल निवासी सवाई गेटोर रोड, जयपुर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पांचों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरएसआरडीसी अधिकारी जितेंद्र शर्मा, नवीनचंद्र के राय, रामेश्वरदयाल खण्डेलवाल और गोपाललाल खण्डेलवाल को रिमांड पर भेज दिया। वहीं राजेश पुरोहित को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

कोर्ट ऑफिसर सेल कर्मचारी शरद जोशी ने दो साल पूर्व शिकायत दर्ज कराई थी कि हाईकोर्ट के नए भवन का निर्माण कार्य आरएसआरडीसी की ओर वर्ष 2008 में शुरू किया गया था और दिसंबर 2019 में इसे पूरा किया गया। 220 करोड़ की लागत से बनी इमारत के रखरखाव के लिए हर साल 2 करोड़ 20 लाख का बजट के बावजूद गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। राजस्थान हाईकोर्ट के कोर्ट ऑफिसर सेल के कर्मचारी शरद जोशी की शिकायत पर करीब दो साल पहले मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार झालामंड स्थित राजस्थान हाईकोर्ट के नए भवन का निर्माण आरएसआरडीसी लिमिटेड की ओर से वर्ष 2008 में शुरू कराया गया था और दिसंबर 2019 में पूरा हुआ। निर्माण पर करीब 220 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। भवन के रख-रखाव के लिए हर साल करीब 2.20 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित होने के बावजूद निर्माण और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे।

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों के उड़े होश
गार्डन में पेड़ पर बैठा दिखा लेपर्ड, वन विभाग ने रेस्क्यू किया

कोटा, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के सबसे पुराने सार्वजनिक पार्क छात्र विलास उद्यान में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे शहरवासियों ने एक लेपर्ड को पेड़ पर बैठे देखा। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पार्क में मौजूद सभी लोगों को बाहर निकालकर लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज करने का अभियान शुरू किया गया। वन विभाग की टीम ने सुरक्षा के लिहाज से गार्डन के सभी गेट बंद कर पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। डीएफओ प्रमोद धाकड़ ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे लेपर्ड पेड़ पर दिखाई दिया था। उस समय 200 से अधिक लोग गार्डन में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे के भीतर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने सबसे पहले लेपर्ड की लोकेशन और मूवमेंट का जायजा लिया। इसके बाद पूरे गार्डन को खाली कराया गया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। वन विभाग की टीम ने क्रेन की मदद से लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज करने के लिए डार्ट फायर किए। शुरुआती दो-तीन प्रयास सफल नहीं हुए और डार्ट लेपर्ड को नहीं लग पाए। इसके बाद क्रेन को पेड़ के और करीब ले जाया गया। करीब 10 फीट की दूरी से दोबारा निशाना साधकर डार्ट फायर किया गया। डोज का असर होते ही लेपर्ड बेहोश हो गया। इसके बाद उसे पेड़ से नीचे उतारने की प्रक्रिया शुरू की गई। नीचे कर्मचारियों ने सुरक्षा के लिए नेट बिछा रखा था, ताकि लेपर्ड गिरने से घायल न हो। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने लेपर्ड का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता को अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं से खतरा, दर्ज कराई शिकायत

उदयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की अंदरूनी सियासत के बीच उदयपुर में यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. दिव्यानी कटारा ने अपनी ही पार्टी से जुड़े लोगों से जान को खतरा बताते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

उनका आरोप है कि पूर्व मंत्री स्व. खेमराज कटारा के बेटे एवं उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी विवेक कटारा के समर्थकों ने उन्हें धमकी दी और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। मामले में गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. दिव्यानी कटारा की ओर से दर्ज रिपोर्ट में किशन डांगी, भरत रामानुज और अवित खराड़ी के नाम बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार 4 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे किशन डांगी ने उनके टीम मेंबर को फोन किया। उस समय डॉ. दिव्यानी भी कॉन्फ्रेंस कॉल पर जुड़ी हुई थीं।

आरोप है कि फोन पर धमकी देते हुए कहा गया कि 'आपकी लीडर डॉ. दिव्यानी के आज से उल्टे दिन शुरू हैं। उन्हें तो हम कहीं पर भी रोककर मार सकते हैं।' डॉ. दिव्यानी ने पुलिस को दी शिकायत में अपनी जान-माल को गंभीर खतरा बताया है। साथ ही उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर जातिगत गालियां और आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने का भी आरोप लगाया है।

विवेक कटारा ने पूरे विवाद पर अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि उनका मकसद पार्टी हित में था। उनका कहना था कि चुनाव के दौरान डॉ. दिव्यानी जहां भी जाएं, पार्टी के लोगों के साथ जाएं। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं और ब्लॉक अध्यक्ष ने उनसे इस संबंध में सवाल किए थे, जिसके बाद उन्होंने फोन किया।

टूरिस्ट गाइड की चाकू मारकर हत्या
आमेर में बाजार बंद; सड़क पर उतरे लोग

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के आमेर किले में एक जीप ड्राइवर ने टूरिस्ट गाइड पर चाकू से हमला कर दिया। आज मंगलवार सुबह उस टूरिस्ट गाइड की मौत हो गई।

घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने आमेर में आज बाजार बंद कर दिए। इस घटना के बाद लोगों के बीच भारी गुस्सा है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी (आमेर) ट्रेनिंग और आईपीएस अधिकारी प्रतीक सिंह ने बताया कि पीड़ित मनीष कुमार सोनी आमेर का रहने वाला था, उसकी उम्र 40 साल थी और वह टूरिस्ट गाइड का काम करता था। एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मनीष आमेर मावठा गया था। एक प्राइवेट कार में आए पर्यटकों ने उससे आमेर किले का रास्ता पूछा।

जब पर्यटक मनीष से आमेर किले का रास्ता पूछ रहे थे, तब वहीं पास खड़े जीप ड्राइवर आजम ने बीच में पड़ते हुए पर्यटकों से कहा कि प्राइवेट कारों को किले तक जाने की इजाजत नहीं है और उनसे अपनी जीप में जाने को कहा। जीप ड्राइवर आजम की बात कहने के बाद मनीष ने पर्यटकों को रास्ता समझा दिया, जिसके बाद पर्यटक अपनी कार से ही किले की ओर बढ़ गए। यही बात आजम को अच्छी नहीं लगी, जिससे आजम और मनीष के बीच बहस हो गई। आजम और मनीष के बीच बहस जल्द ही बढ़ गई और आजम ने चाकू निकालकर मनीष के पेट में घोंप दिया। मनीष को तुरंत एसएमएस अस्पताल ले जाया गया और आईसीयू में भर्ती कराया गया।

अजगर का रेस्क्यू, 13 फीट लंबे अजगर को जंगल में छोड़ा

अलवर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर अजगर निकलने से लोगों में डर का माहौल बन गया। वन विभाग और रेस्क्यू टीम ने दोनों जगह पहुंचकर अजगरों को सुरक्षित बाहर निकाला। रायसर रेंज के मांगूर गांव में करीब 13 फीट लंबे अजगर को रेस्क्यू कर घने जंगल में छोड़ दिया गया। गोलाकाबास क्षेत्र में जयपुर डिवीजन की रायसर वन रेंज के दांतली वन नाके के मांगूर गांव में पाबूजी महाराज के मंदिर के पास ग्रामीणों को अजगर दिखाई दिया। मंदिर के आसपास अजगर देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। इसके बाद टोल फ्री नंबर पर वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर वन्यजीव जयपुर के डीसीएफ जगदीश गुप्ता के निर्देश पर जयपुर डिवीजन की वन्यजीव रेंज अजबगढ़ के वन अधिकारी चंद्रप्रकाश मीणा को मामले की जानकारी दी गई।

घरेलू नौकरानी ने चुराई 10 लाख की ज्वेलरी, पुलिस ने बरामद किए आभूषण

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में घरेलू नौकरानी द्वारा लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर चोरी किए गए सोने की चेन और हीरे जड़ित पेंडेंट बरामद कर लिए हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद किए गए आभूषणों की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में गिरफ्तार महिला की पहचान 36 वर्षीय वर्षा तोलानी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, एक परिवार ने घर से सोने की चेन और डायमंड पेंडेंट गायब होने की शिकायत मोती डूंगरी थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घर में काम करने वाले लोगों और आसपास के संदिग्धों से पूछताछ की। जांच आगे बढ़ने पर घरेलू नौकरानी वर्षा तोलानी पर संदेह गहराया। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद आभूषणों को जांच के बाद शिकायतकर्ता को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।

फिलहाल पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर मामले की आगे की जांच कर रही है।

जयपुर बम धमाका केस में सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख
दो आतंकियों की रिहाई याचिका खारिज, बोला- मामला बेहद गंभीर

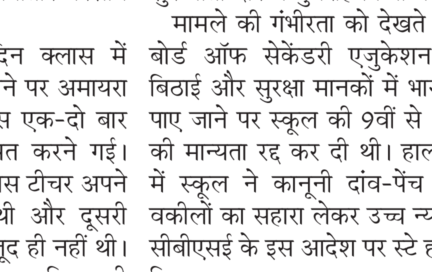

जयपुर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2008 के जयपुर सीरियल बम धमाका मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आतंकी मोहम्मद सरवर आजमी उर्फ ढिल्ला पप्पू और शाहबाज अहमद की रिहाई से इनकार कर दिया है। इस बीच कोर्ट ने कहा कि मामला गंभीर है, इसे किसी सामान्य जमानत मामले की तरह नहीं देखा जा सकता। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनता की सुरक्षा को खतरे का विषय शामिल है।

न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश प्रसन्ना वी वराले की पीठ ने दोनों आतंकी की अपील खारिज करते हुए यह आदेश दिया। इससे अपील पर सुनवाई के दौरान रिहाई से इनकार करने के हाईकोर्ट के आदेश पर दोनों को राहत नहीं मिल पाई। यह मामला चांदपोल बाजार में मिले जिंदा बम से जुड़ा है। तथ्यों के अनुसार, 13 मई 2008 को जयपुर में नौ जगह बम लगाए, जिनमें से 8 फट गए और एक जिंदा रह गया। विस्फोट में 70 लोगों की मौत हो गई, करीब 186 घायल हुए थे।

13 मई 2008 की वह खौफनाक शाम आज भी जयपुरवासियों के जेहन में ताजा है। शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 70 बेगुनाहों की मौत हुई थी और 185 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। उस भयावह मंजर के बीच यदि एक और नौवां बम समय रहते निष्क्रिय न किया जाता, तो मौतों का यह आंकड़ा और भी भयावह हो सकता था।

जिंदा बम को निष्प्रभावी करने वाले बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) के सदस्य सुनील भाटिया ने बताया कि बम चांदपोल में सीतारामजी मंदिर के सामने बेहद व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में रखा गया था। इसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि अधिक से अधिक जनहानि हो। यदि वह बम फट जाता तो कम से कम 20 से 25 लोगों की और जान चली जाती।

परकोटे के प्रमुख बाजारों में एक के बाद एक आठ धमाके हुए थे। एक तरफ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां घायलों को संभालने और साक्ष्य जुटाने में व्यस्त थीं। वहीं, दूसरी तरफ जिंदा बम की सूचना मिलते ही बीडीएस टीम ने मौके पर पहुंचकर सूझबूझ के साथ उसे निष्क्रिय किया और एक बड़ी तबाही को रोक लिया।

बेटी की शादी की चल रही थी तैयारी
इधर डांसर के प्यार में फंसे एनआरआई का जला शव मिला; कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है

श्री गंगानगर, 8 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले की पुरानी आबादी क्षेत्र में करीब चार साल पहले हुए सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर के मामले में अदालत ने आरोपी दंपती को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे कोर्ट संख्या-1 के न्यायाधीश कमल लोहिया ने आरोपी अबोहर निवासी रोहित और उसकी पत्नी जैसमीन उर्फ आशू को दोषी माना। अपर लोक अभियोजक विजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि धारा-302 में दोनों को आजीवन कारावास और दस-दस हजार रुपए जुर्माने तथा धारा-201 में तीन-तीन साल के कठोर कारावास और पांच-पांच हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। परिवादी की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र पाराशर ने पैरवी की।

मामले के अनुसार, 18 दिसंबर 2022 की रात पुरानी आबादी की एक कॉलोनी में वारदात हुई थी। मृतक चक-7 जैड निवासी 55 वर्षीय वीरेंद्र सिंह था। वह श्रीलंका में एक कंपनी में सुपरवाइजर था और घटना से करीब एक महीने पहले ही भारत लौटा था। करीब तीन महीने पहले रेलवे स्टेशन पर उसकी मुलाकात अबोहर निवासी डांसर जैसमीन उर्फ आशू से हुई थी। दोनों ने मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान किया और बातचीत व चैटिंग होने लगी। जांच में सामने आया कि जैसमीन को वीरेंद्र के बैंक खातों में काफी रकम होने की जानकारी मिली।

बीआरएस नेताओं ने एमएलसी की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और बीआरएस विधानमंडल दल के उपनेता टी हरीश राव ने मंगलवार को पार्टी के एमएलसी ताता मधु और बी नवीन कुमार रेड्डी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार विपक्ष को चुप कराने के लिए पुलिस और आपराधिक मामलों का इस्तेमाल कर रही है।

केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार छह गारंटियों और 420 वादों को पूरा करने में विफल रही है और अपने 1,000 दिनों के कार्यकाल में केवल गिरफ्तारियां और गैरकानूनी हिरासतें ही कर पाई है। उन्होंने पूछा, अगर वादे पूरे किए गए, तो सभी बीआरएस एमएलसी और विधायक आगे आकर स्वेच्छा से गिरफ्तार हो जाएंगे। हम तैयार हैं; क्या आप तैयार हैं? उन्होंने सोमवार को विधानसभा द्वार पर बीआरएस महिला विधायकों के साथ कथित दुर्व्यवहार के संबंध में सरकार से सवाल किया। उन्होंने वरिष्ठ विधायक पी सबिता इंदिरा रेड्डी और वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी की साड़ी खींचने, उनकी गर्दन पकड़ने और उन पर हमला करने के आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का विवरण मांगा। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि सोमवार को उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बावजूद मधु और नवीन को मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने सरकार पर ध्यान भटकाने वाली राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि जनता सरकार के आचरण को देख रही है। हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर पुलिस ने बीआरएस विधायकों पर हमला किया और मधु और नवीन को गिरफ्तार करने से पहले उन्हें विधानसभा में प्रवेश करने से रोक दिया। उन्होंने गिरफ्तारियों की निंदा करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बावजूद एमएलसी के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

इंजीनियर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद डिवीजन के क्वालिटी कंट्रोल सेल के एक डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को मंगलवार को भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने एक शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी के अनुसार, आरोपी अधिकारी एस साई राम, उप कार्यकारी अभियंता, गुणवत्ता नियंत्रण प्रकोष्ठ, मुशीराबाद डिवीजन ने शिकायतकर्ता को आधिकारिक सहायता प्रदान करने के बदले रिश्वत की मांग की और उसे स्वीकार किया। आरोप है कि अधिकारी ने शिकायतकर्ता के पहले अनुबंध कार्य के लिए पहले से जारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाण पत्र को सुगम बनाने और दूसरे अनुबंध कार्य के लिए गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पैसे की मांग की थी। सिटी रेंज-1 के एसीबी अधिकारियों ने अधिकारी को घेर लिया और उसके कहने पर उससे 10,000 रुपये की रिश्वत बरामद की। एसीबी ने कहा कि आरोपी अधिकारी ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन अनुचित और बेईमानी से किया था। आरोपी अधिकारी को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से एसीबी ने शिकायतकर्ता की पहचान और विवरण गुप्त रखा है।

सिंगरेनी ट्रेन ने सेवा के 50 साल पूरे किए

कोत्तागुडेम, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धीरे-धीरे चलने वाले स्टीम इंजन से लेकर तेज़ रफ़्तार वाले डीज़ल और इलेक्ट्रिक इंजन तक, कोठागुडेम से शुरू होने वाली सिंगरेनी ट्रेन ने सेवा के 50 साल पूरे करते हुए एक लंबा सफ़र तय किया है।

यह ट्रेन तेलंगाना के कोयला बेल्ट इलाकों के निवासियों के लिए एक जीवन रेखा और अटूट बंधन रही है; हर परिवार की इससे जुड़ी यादें हैं - जैसे नौकरी के पहले दिन का सफ़र, त्योहारों पर अपने गृहनगर की यात्रा या अस्पताल की चिंता भरी यात्रा।

सिंगरेनी ट्रेन सेवा 2 सितंबर 1976 को कोत्तागुडेम (भद्राचलम रोड) से बेल्लमपल्ली के बीच शुरू की गई थी और यह पाँच दशकों से अनगिनत लोगों की साथी रही है। बाद में इसे सिरपुर कागज़नगर शहर तक बढ़ाया गया। शुरुआत में यह ट्रेन एक्सप्रेस सेवा के रूप में चली, बाद में इसे 'फास्ट पैसेंजर ट्रेन' के तौर पर चलाया गया, और कोविड-19 महामारी के दौरान इसे मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (मेमू) एक्सप्रेस में बदल दिया गया, जो पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर चलती है। यह आसिफाबाद, मंचिरियल, पेड्डापल्ली, करीमनगर, हनमकोंडा, वारंगल, महबूबाबाद और कोत्तागुडेम ज़िलों के साथ-साथ महाराष्ट्र के कोयला शहर बल्हारशाह को भी जोड़ती है। एससीसीएल इलाकों के हज़ारों यात्री रोज़ाना इस ट्रेन पर निर्भर रहते हैं। चूँकि एससीसीएल का मुख्यालय और मुख्य अस्पताल कोत्तागुडेम में स्थित है, इसलिए कर्मचारियों, मज़दूरों और उनके परिवारों की यात्रा की ज़रूरतों के लिए यह ट्रेन बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले पांच दशकों में एससीसीएल में कई बदलाव हुए हैं।नई खदानें खुली हैं और कर्मचारियों की कई पीढ़ियां बदली हैं। फिर भी, सिंगरेनी ट्रेन का सफ़र कभी नहीं रुका। एससीसीएल के पूर्व कर्मचारी केएम फ्रांसिस ने अपना अनुभव साझा करते हुए यह बात कही। अब यात्री साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) अधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि सिंगरेनी कर्मचारियों की सुविधा के लिए ट्रेन सर्विस को मनुगुरु तक बढ़ाया जाए और मेमू ट्रेन के बजाय रेगुलर कोच वाली ट्रेन चलाई जाए, जिसमें ज़्यादा जगह हो।

भाजपा ने शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया पर राज्यपाल के हस्तक्षेप की मांग की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से लंबे समय से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति के मुद्दे में हस्तक्षेप करने और लगभग 15,000 करोड़ रुपये के बकाया की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

राव के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को यहां लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें दावा किया गया कि इस देरी से तेलंगाना भर में लगभग 40 लाख छात्र प्रभावित हो रहे हैं। राव ने कहा कि निजी डिग्री, इंजीनियरिंग और फार्मेसी कॉलेजों से स्नातक होने वाले छात्रों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि बकाया भुगतान न होने के कारण संस्थान प्रमाण पत्र जारी करने में असमर्थ हैं। उन्होंने दावा किया कि वित्तीय संकट के कारण कई कॉलेज अपने शिक्षण कर्मचारियों को पूरा वेतन देने में भी संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए राव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के पास शिक्षा मंत्रालय होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार को विधानसभा सत्र के दौरान कम से कम एक पूरा दिन शुल्क वापसी के मुद्दे पर चर्चा के लिए समर्पित करना चाहिए। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस इस मुद्दे से ध्यान भटका रहे हैं और हालिया विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले भाजपा और बीजेवाईएम कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की। राव ने कहा कि भाजपा राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार करेगी और चेतावनी दी कि अगर यह मुद्दा अनसुलझा रहा तो छात्रों के साथ मिलकर राज्यव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बाद में, राव और अन्य भाजपा नेताओं ने लकडीकापुल स्थित श्रीहरि अस्पताल का दौरा किया और जंगांव जिला भाजपा अध्यक्ष चौड़ा रमेश से मुलाकात की, जो चलो विधानसभा रैली के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में घायल होने के बाद इलाज करा रहे थे।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwaysIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.12-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27, दि.03-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा निविदा सं.12- सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27 के प्रति, बंद करने की दि.25-09-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं & किसी भी प्रकार के मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदार या कान्ट्रैक्टर्स को अनुमति है कि, इस निविदा के प्रति निविदा दस्तावेज मूल्य & अग्रधन का भुगतान, केवल आनलाइन पेमेन्ट पध्दति पर उपलब्ध आईआरईपीएस पोर्टल जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही, करना चाहिए। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफडीआर के माध्यम से मैन्युएल पेमेन्ट्स अस्वीकार किए जायेंगे।

क्रम संख्याः1, निविदा सं.12-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2026-27, दि.03-09-2026, **कार्य विवरणः** कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद पर बायो-टायलेट टैंक्स का पीओएच अटेंशन कार्य। अनुमानित मूल्य रु.4,41,04,813.44पैसे(रु.चार करोड इकतालीस लाख चार हजार आठसौ तेरह&44पैसे मात्र), अग्रधन रु.8,82,100.00 (रु. आठ लाख बय्यालीस हजार & एकसौ मात्र),**कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने,बंद करने की तिथिः**25-09-2026 के11.00 बजे।

1-वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

2. निविदा के संपूर्ण विवरण को देखने का नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना संख्याकः सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/36/पीए/ओटी/2026-27, दि.03-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.25-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, ई-टेंडर नं.-ईटेंडर नं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/36/पीए/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-36-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः बिजली रखरखाव विभागः (I) एसआर. डीइएन/उत्तर/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों में दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (II) एसआर. डीइएन/उत्तर-पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों में दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (III) एसआर. डीइएन/दक्षिण/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों में दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (IV) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों में दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (V) एसआर. डीइएन/उत्तर/एससी क्षेत्राधिकार के तहत अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु शेष बचे (जैसे टैक्टाइल गाइडस सहित एस्सेसीबुल रूट, प्लेटफार्म जोनिंग हेतु टैक्टाइल फ्लूरिंग, स्ट्रक्चरल एलिमेन्ट्स&प्लेटफार्म एज स्ट्रिप्स हेतु कान्ट्रास्टींग कलर स्कीम या योजना) दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान।(VI) एसआर. डीइएन/उत्तर-पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (VII) एसआर. डीइएन/दक्षिण/एससी सेक्शन के तहत अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (VIII) एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु (वाटर टैप्स, दिव्यांगजन शौचालयों, टैक्टाइल गाइडस सहित एस्सेसीबुल रूट, प्लेटफार्म जोनिंग, स्ट्रक्चरल एलिमेन्ट्स&प्लेटफार्म एज स्ट्रिप्स हेतु विपरिंग रंग योजना) दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (IX) एसआर. डीइएन/को-आर्ड/एससी सेक्शन के तहत अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। (X) एसएनएफ-एससी-केजेडजे में अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने हेतु दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.2,50,80,968.00, अग्रधन रु.5,01,600.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने।

निविदा शर्तें/अन्य विवरण, आईआरईपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर उपलब्ध, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है & कोई भी परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव)/सिकंदराबाद

मदनूर सरकारी दवाखाना मे डॉक्टर एक मरीज अनेक

मदनूर, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त सरकार ने कुछ वर्ष पहिले मदनूर मंडल में गरीब जनता की सेवा के लिए 30 बिस्तर वाला सरकारी दवाखाना स्थापित किया था। इस दवाखाना में पहले 6 वैद्यकीय अधिकारी सेवा में रहते थे। उसके बाद जनता की मांग पर जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव के आदेश पर तेलंगाना सरकार ने 4 और वैद्यकीय अधिकारी की नियुक्ति की। अब इस दवाखाना में कुल 10 अधिकारी रहते हैं। इसके बाद भी मंगलवार के दिन दवाखाना में केवल एक डॉक्टर मरीजों के सेवा में दिखे। जबकि मौसमी बीमारी के अंतर्गत हर रोज दवाखाना में 200 से ज्यादा मरीज आ रहे हैं। इस विषय में दवाखाना अधीक्षक डॉक्टर जाधव को फोन द्वारा दवाखाना में डॉक्टर एक मरीज अनेक हैं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि एक डॉक्टर की नाईट ड्यूटी थी दूसरा छूटी पर हैं बाकि के कहाँ गए मुझे पता नहीं। मै बांसवाड़ा दवाखाना में मीटिंग के लिए आया हूं।

निविदा सूचना संख्याः एलजीडी/एल/10/2026-27/ओटी, दि.07-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए,डीवाय. सीईई/एलजीडीएस द्वारा **निविदा संख्याः एलजीडी/एल/10/2026-27/ओटी के प्रति- ई-टेंडर- बंद करने की तिथि 05-10-2026 के 15.00 बजे** तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

ठेकेदार को यह अनुमति दी जाती है कि, वे इस निविदा से संबंधित अग्रधन (बोली सुरक्षा) का भुगतान, ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद रुप में कर सकते हैं या भारत के किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारंटी बान्ड के रुप में प्रस्तुत कर सकते है या निविदा दस्तावेजो में उल्लेखित सूचनानुसार प्रस्तुत कर सकते हैं। गारंटी बांड VIए नुसार होना चाहिए & बोली वैधता अवधि से परे 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारंटी बांड को व्यक्तिगत रुप में, बोली प्रस्तुति की अंतिम तिथि (डेड लाइन) की 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, निविदा दस्तावेज के सूचनानुसार, नामित पदाधिकारी को सौंपना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर, निर्दिष्ट अवधि के भीतर, बिड सहित बी.जी. की स्कैन्ड कापी को न प्रस्तुत करने पर तथा/मूल बी.जी. को न प्रस्तुत करने पर, बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम संख्याः1, निविदा संख्याः एलजीडी/एल/10/2026-27/ओटी, कार्य विवरणः एम&इ स्टोर्स का विस्तार या एक्सपैंशन, आरएसपी स्टोर्स का विकास, बोगी & अन्य कम्पोनेन्ट्स हेतु क्लीनींग फैसलिटीज का निर्माण, मेमु रखरखाव हेतु पीइबी शेड का निर्माण, & व्हील शाप हेतु इनफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का उन्नयन व विकास तथा पूर्व गेट साइड की तरफ कोरोसोन शाप बे-VII का विस्तार-बिजली व्यवस्थाएं। विज्ञापित निविदा का मूल्य रु.3,15,82,682.80 (रु.तीन करोड पंद्रह लाख बयासी हजार & छह सौ बयासी & अस्सी पैसे मात्र), बोली सुरक्षा रु.6,31,700.00, पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 12 महिने, बंद करने की तिथिः 05-10-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा शर्तें/विवरण (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य बिजली अभियंता कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

गणेश के 58,000 से ज़्यादा रूप

एक व्यक्ति ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड वाला गणेश सैंक्चुअरी

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाधाओं को दूर करने वाले गणेश के 58,000 से ज़्यादा अलग-अलग रूपों को इकट्ठा करने के लिए जीवन भर के अटूट समर्पण और असीम जुनून की ज़रूरत होती है। क्या आपने कभी ऐसा कलेक्शन देखा है जो महाद्वीपों, युगों और अलग-अलग माध्यमों से गुज़रते हुए गणेश से जुड़ी 58,498 चीज़ों तक पहुँच गया हो?

सिकंदराबाद के पाबसेट्टी शेखर के लिए, यह बड़ी उपलब्धि रातों-रात हासिल नहीं हुई। उन्हें इसके लिए पाँच दशकों से ज़्यादा समय तक लगातार कोशिश, बारीकी से चीज़ों को इकट्ठा करने और अटूट विश्वास की ज़रूरत पड़ी, जिसके परिणामस्वरूप गणेश के विभिन्न रूपों का एक अनोखा और विशाल कलेक्शन तैयार हुआ। उनके कलेक्शन को

(फाइल फोटो)

देखने पर ऐसा लगता है जैसे किसी विशाल आध्यात्मिक जगह पर आ गए हों, जहाँ ज़मीन से छत तक बनी खास अलमारियों में गणेश की मूर्तियों की कतारें लगी हैं - इनमें ऊँची, बारीक नक्काशी वाली धातु की मूर्तियों से लेकर छोटी-छोटी नाज़ुक मूर्तियाँ तक शामिल हैं।

जापान, मिस्र, तिब्बत और दक्षिण अफ्रीका सहित दर्जनों देशों के अलग-अलग आकार, मुद्राएँ और कलात्मक अभिव्यक्ति दिखाने वाले इस गणेश कलेक्शन की संख्या और दायरा हैरान करने वाला है। शेखर के बहुत ही अच्छे ढंग से रखे गए इस कलेक्शन में 21,622 गणेश मूर्तियाँ, 19,708 पोस्टकार्ड, 15,582 तस्वीरें, 1,105 बड़े पोस्टर, 260 गणेश पुराण और किताबें, 250 की-चेन और 205 ऑडियो-वीडियो कैसेट शामिल हैं। इनमें सोना, चाँदी, टेराकोटा और चंदन जैसी अलग-अलग सामग्रियों से बनी गणेश की सभी 33 पारंपरिक आकृतियाँ मौजूद हैं। जुलाई 1973 में शिरडी साईबाबा मंदिर में प्लास्टर ऑफ़ पेरिस की गणेश जी की एक छोटी सी मूर्ति से मिली बचपन की प्रेरणा, शेखर के लिए जीवन भर का जुनून बन गई है। वे कहते हैं, मैं हमेशा से गणेश जी का भक्त रहा हूँ। परिवार के सहयोग के बिना अपने इस जुनून और भक्ति को बनाए रखना मुमकिन नहीं है। मेरा मकसद अगली पीढ़ी को भगवान गणेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उनके गहरे महत्व के बारे में बताना और इन पवित्र रूपों को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है।

अंतर-राज्यीय गांजा नेटवर्क का भंडाफोड़

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ईगल फोर्स ने अंतर-राज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और दो लोगों को पकड़ा। पुलिस ने 20 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया। संदिग्धों की पहचान नवीन कुमार (27), जो कर्नाटक के यादगीर ज़िले के शाहपुर का रहने वाला है, और विजय कुमार (32), जो तुमकूर ज़िले के मधुगिरी का रहने वाला एक रसोइया है के तौर पर हुई।

पुलिस के अनुसार, दोनों कथित तौर पर गांजा खरीदने के लिए ओडिशा गए थे और उन्होंने ओडिशा के पापलुर के अर्जुन से 20 किलो गांजा लिया था। पेमेंट कथित तौर पर फोनपे के ज़रिए तुमकूर के विजय उर्फ कबीर सिंह को ट्रांसफर किया गया था, जिस पर इस नेटवर्क में रिसीवर होने का शक है। ईगल टीम के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य ने कहा, प्रतिबंधित सामान लेने के बाद, संदिग्ध कर्नाटक की ओर जा रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे उन्हें भद्राचलम में रुकना पड़ा। उनकी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उन्हें सरापाका में रोका और पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि नवीन कुमार कथित तौर पर आर्थिक तंगी के कारण गांजा तस्करी में शामिल हुआ था और विजय उर्फ कबीर सिंह के निर्देश पर काम कर रहा था।

सरपंच ने मंडल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का प्रारंभ किया

मदनूर, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला परिषद बॉयज़ हाई स्कूल में मंगलवार के दिन अंतर-विद्यालय मंडल स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का ग्राम सरपंच उषा संतोष और मंडल शिक्षण अधिकारी रामुलु ने खेल प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सरपंच ने बयाया कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक क्षमता के साथ-साथ अनुशासन, दृढ़ता और टीम वर्क की भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

स्पीकर पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा के पहले दिन स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार के खिलाफ बीआरएस एमएलसी ताता मधु द्वारा कथित रूप से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में फतेहनगर डिविजन कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

प्रदेश कांग्रेस सचिव सूरज तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ताता मधु और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के पुतले जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि ताता मधु से तत्काल एमएलसी पद से इस्तीफा दिलाया जाए या उन्हें निलंबित किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष और सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियों को पार्टी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगी और ऐसे बयानों की कड़ी निंदा करती है।

प्रजापत समाज काटेदान का दूज महोत्सव 12 को

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट राजस्थानी प्रजापत समाज काटेदान समाज बन्धुओं के सानिध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर श्रीयादेमाताजी का दूज महोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 12 सितम्बर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज(दूज) रविवार 13 सितम्बर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा । जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष हरिराम ब्रांदणा,सचिव धर्मिचन्द बाबरिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य मे दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । 12 सितम्बर प्रातः वेला मे श्रीयादे मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष शृंगारकर रात्रि 9 बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा । जिसमे ओम प्रकाश एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे । रविवार 13 सितम्बर प्रातः 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पूजा-अर्चना, स्वागत कार्यक्रम व समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों मे श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना प्रातः 10 बजे से धर्मसभा का आयोजन कर मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । चैयरमैन दुर्गाराम कपुरपुरा, तेजाराम बेतेडिया की अध्यक्षता में मुख्य अतिथियों, पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष किशोरकुमार बाबरिया द्वारा आय-व्यय का विवरण एवं पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे रहेगी । प्रचार मंत्री किशोरकुमार रांवरिया ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि बीज महोत्सव पर समाज बन्धु सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लें।

सीरवी समाज एल.बी.नगर का बीज महोत्सव 12 को

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेलफेयर एसोसिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर श्री आईमाताजी के 611 वें अवतरण दिवस व दूसरा वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 12 सितम्बर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज (दूज) रविवार 13 सितम्बर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष वेनाराम चोयल व सचिव प्रकाश सेप्टा ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर माई का विशेष शृंगार रात्रि 9 बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें गोविन्द दास वैष्णव बिजोवा व गुरु मारवाड़ी देसुरीएंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

रविवार 13 सितम्बर प्रातः 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पूजा-अर्चना, समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना, समाज के बाल-कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रातः 10 बजे से धर्मसभा का आयोजनकर, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार द्वारा आय-व्यय का विवरण, पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। वेनाराम चोयल ने सभी समाज बन्धुओं से बीज महोत्सव पर सपरिवार पधारने की अपील की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मोदी के कार्यक्रम ...

फर्जी आईडी दिखाकर खुद को पीएमओ अधिकारी बताया

पुलिस के अनुसार, संदिग्ध युवक की पहचान रोहन पारेख (24) के रूप में हुई है। वह एनएमएससी परिसर में खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर घूम रहा था। उसके व्यवहार और गतिविधियों पर सुरक्षा अधिकारियों को संदेह हुआ। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए इलाके में पहले से ही विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) और मुंबई पुलिस की कड़ी तैनाती थी। सुरक्षा जांच के दौरान पुलिस ने रोहन को रोका और उससे पूछताछ की। पूछताछ में रोहन ने अपनी पहचान साबित करने के लिए पीएमओ का पहचान पत्र दिखाया। पुलिस ने जब इसकी जांच की तो पता चला कि यह पहचान पत्र फर्जी था।

रोहन के साथ उसका निजी बॉडीगार्ड भी मौजूद था। तलाशी लेने पर अंगरक्षक के पास से भरी हुई पिस्तौल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि फर्जी पीएमओ पहचान पत्र रखने वाला युवक सुरक्षा जांच को पार कर एनएमएससी परिसर तक कैसे पहुंचा। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि रोहन ने फर्जी पहचान पत्र का इस्तेमाल कहां-कहां किया और उसे यह कार्ड किसने उपलब्ध कराया था। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के उसके वास्तविक मकसद की भी जांच की जा रही है।

दुनिया का भारत ...

उन्होंने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने मुझे 10 साल में देखा है, वे जानते हैं मोदी एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वाला नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं दूसरे लक्ष्यों की तैयारी में जुट जाता हूं। अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सिंगापुर के साथ हम यह कर चुके हैं, इससे सिंगापुर और भारत के बीच पेमेंट ऐसे हो पा रहे हैं, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में होता है। जहां भी भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं और जहां भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करता है और जो देश हमारे साथ चलने के लिए तैयार है, हमें उन सब को जोड़ने पर काम करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि विदेश में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। दुनिया में भारतीय ही बड़ी संख्या में भारत पैसा भेजते हैं। उसका एक बड़ा हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई इसमें भी भारतीयों को लाभ दिला सकता है और पैसा तुरंत उनके परिवारों के पास पहुंच सकता है।

एलएसी पर शांति ...

25 अगस्त को विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता में भारत ने चीन को द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाए रखने के लिए सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व से अवगत कराया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की थी।

अजीत डोभाल के चीन दौरे के बाद एलएसी पर अहम बैठक

इस वार्ता में सीमा के निर्धारण और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। अजीत डोभाल ने बैठक में कहा कि संबंधों में सामान्य स्थिति दोनों पक्षों द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने का प्रत्यक्ष परिणाम है। विदेश मंत्रालय ने विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता को लेकर कहा था कि भारतीय पक्ष ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास और प्रगति के लिए भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया।

डोभाल और वांग यी के बीच क्या हुई बात

अजीत डोभाल और वांग यी दोनों सीमा वार्ता तंत्र के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। यह तंत्र भारत-चीन के बीच 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवाद के व्यापक समाधान के लिए वर्ष 2003 में स्थापित किया गया था। पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों ने अपने संबंधों को फिर से बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जूनियर हॉकी एशिया कप : भारतीय मेंस टीम की लगातार दूसरी जीत

साउथ कोरिया को 7-3 से हराया; विमेंस टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मोकी (चीन), 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मेंस टीम ने जूनियर हॉकी एशिया कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने मंगलवार को चीन के मोकी में खेले गए पूल-A के मुकाबले में साउथ कोरिया को 7-3 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने लगातार तीसरी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। मंगलवार को जापान को 7-0 से हराया।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया। कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल किए। इस जीत के साथ डिफेंडिंग चैंपियन भारत के तीन मैचों में 7 पॉइंट्स हो गए हैं। भारत बुधवार को चाइनीज ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर सकता है।

भारत ने 5वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल एक्का के गोल से बढ़त बनाई। साउथ कोरिया ने अगले ही मिनट दोहयोन चोई के पेनल्टी कॉर्नर गोल से स्कोर 1-1 कर दिया।

18वें मिनट में लवेनूर सिंह ने फील्ड गोल कर भारत को 2-1 से आगे किया, लेकिन अगले ही मिनट ह्योगुक यू ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। 20वें मिनट में अजीत यादव ने गोल कर भारत को हाफ-टाइम तक 3-2 की बढ़त दिलाई।

ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर साउथ कोरिया को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने गोल कर भारत को फिर 4-3 से आगे कर दिया।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। 55वें मिनट में गुरुसेवक सिंह ने गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल किया। 58वें मिनट में आर्यन एक्सेस ने भारत का सातवां गोल दागा। इस तरह भारत ने आखिरी क्वार्टर में तीन गोल कर 7-3 से मुकाबला जीत लिया।

कप्तान अनमोल एक्का इस टूर्नामेंट में अब तक 8 गोल कर चुके हैं। साउथ कोरिया के खिलाफ उन्होंने पेनाल्टी कॉर्नर से दो गोल किए और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारत के 3 मैचों में 2 जीत और 1 ड्रॉ से 7 अंक हैं। टीम पूल-A में मजबूत स्थिति में है। आखिरी पूल मैच में बुधवार को चाइनीज ताइपे के खिलाफ जीत भारत की सेमीफाइनल में जगह पक्की कर देगी।

साउथ कोरिया के 6 अंक हैं। उसे अपने आखिरी मैच में जापान का सामना करना है।

चीन के मोकी में मंगलवार को भारतीय विमेंस टीम ने भी जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में जापान को 7-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है और टीम 9 पॉइंट के साथ पूल में टॉप पर है।

भारत ने इससे पहले साउथ कोरिया को 4-1 और मलेशिया को 11-1 से हराया था। अब बुधवार को चीन के खिलाफ आखिरी पूल मैच में टॉप पोजिशन तय होगी। चीन के 2 मैच में 6 पॉइंट हैं।

भारत ने शुरुआत से ही जापान पर दबाव बनाए रखा। 5वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 9वें मिनट में जापानी डिफेंडर के सर्कल के अंदर फाउल पर मिले पेनल्टी स्ट्रोक को सुप्रिया ने गोल में बदलकर स्कोर 2-0 किया। 14वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने फील्ड गोल कर पहले क्वार्टर के अंत तक भारत की बढ़त 3-0 कर दी।

दूसरे क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसे गोल नहीं करने दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने फिर अटैक तेज किया और 41वें मिनट में गीता यादव ने फील्ड गोल किया। उन्होंने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि इसके एक मिनट बाद पूर्णिमा यादव ने भी दूसरा गोल कर भारत को 6-0 से आगे कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में 50वें मिनट पर सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर स्कोर 7-0 किया। इसके बाद भारत ने बढ़त बनाए रखी और लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

भारतीय महिला टीम ने पहले तीन मैचों में 22 गोल किए हैं और सिर्फ 2 गोल खाए हैं। टीम ने साउथ कोरिया को 4-1, मलेशिया को 11-1 और जापान को 7-0 से हराया।

मलेशिया के खिलाफ जीत में सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए थे। भारत के 9 पॉइंट हैं और वह पूल में टॉप पर है, जबकि चीन के 2 मैच में 6 पॉइंट हैं। दोनों टीमों के बीच बुधवार को आखिरी पूल मैच खेला जाएगा, जिसमें टॉप पोजिशन तय होगी। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 10 सितंबर से खेले जाएंगे।

कप्तान तिलक अर्धशतक लगाकर नाबाद

तीसरे दिन साउथ जोन 242/6, ईस्ट जोन से 466 रन पीछे; पडिक्कल ने 62 रन बनाए

चेन्नई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी का फाइनल ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई में खेला जा रहा है। मंगलवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक साउथ जोन ने पहली पारी में 6 विकेट पर 242 रन बना लिए हैं।

टीम अभी ईस्ट जोन के पहली पारी के स्कोर से 466 रन पीछे है। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए थे। मुकाबले के चौथे दिन का खेल बुधवार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

साउथ जोन की शुरुआत खराब रही और 10 रन के स्कोर पर रिकी भुई 1 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नारायण जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। जगदीशन 32 रन बनाकरआउट हुए। पडिक्कल और शेख रशीद ने तीसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े। रशीद 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल 62 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान तिलक वर्मा ने रविचंद्रन स्मरण (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े। तिलक और श्रेयस गोपाल (26) ने छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। दिन का खेल खत्म होने पर तिलक वर्मा 56 रन और चामा मिलिंद 2 रन बनाकर नाबाद हैं। ईस्ट जोन के लिए मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार ने 2-2 विकेट झटके। शिखर मोहन को एक विकेट मिला।

दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी ने तीसरे दिन टीम को पहला विकेट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मुकेश कुमार की गेंद पर रिकी भुई के खिलाफ कैच की अपील हुई। गेंद बल्ले का किनारा छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई थी।

ईशान किशन रिव्यू लेने को लेकर असमंजस में थे। तभी वैभव ने उन्हें रिव्यू लेने के लिए कहा। ईशान ने रिव्यू लिया और थर्ड अंपायर ने रिकी भुई को आउट दे दिया।

ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में कप्तान ईशान किशन ने 270 रन बनाए। उन्होंने 334 गेंदों का सामना करते हुए 30 चौके और 7 छक्के लगाए। कुमार कुशाग्र ने 101, शिखर मोहन ने 85 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने भी 37 गेंदों पर 44 रन की तेज पारी खेली।

साउथ जोन की ओर से पहली पारी में त्रिपुराना विजय ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट लिए। शेख रशीद को एक विकेट मिला। अभिमन्यु ईश्वरन रन आउट हुए।

हालांकि, मोहम्मद सिराज समेत साउथ जोन के गेंदबाज ईस्ट जोन के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। सिराज को पहली पारी में एक भी विकेट नहीं मिला।

बिना कोच के पदक पर दावा ठोकेगी एशियाई चैंपियन अलीशा चौधरी

चंडीगढ़, 8 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में पदक की बड़ी दावेदार और जून में एशियाई चैंपियन बनीं कराटे खिलाड़ी अलीशा चौधरी बिना कोच के दावेदारी पेश करने जा रही हैं। एशियाई खेलों में अलीशा (55 किलो) और चेतन भट्ट (84 किलो) कराटे में भारतीय चुनौती पेश करेंगे, लेकिन इन दोनों के साथ कोच नहीं बल्कि टीम लीडर (मैनेजर) भेजा जा रहा है। टीम लीडर को मैट पर बतौर कोच बैठने की मंजूरी नहीं होगी। कोचिंग कॉर्नर में बैठा कोच अपने खिलाड़ी के साथ अन्याय होने की स्थिति में रिव्यू लेता है। अलीशा का कहना है कि वह अपने कोच विकास को साथ भेजने की गुहार आईओए से लगा रही हैं, लेकिन अंत में एक ऐसे टीम लीडर आदिकेशवा पेरुमल को उनके साथ भेजा जा रहा है, जिसे उन्होंने कभी देखा भी नहीं है।

कराटे की फेडरेशन में विवाद होने के कारण जुलाई माह तक यह तय हो गया था कि कराटे की टीम एशियाड में नहीं खेलेगी, लेकिन मामला खेल मंत्री मनसुख मांडविया के पास पहुंचा तो उन्होंने इस वर्ष बाली में एशियाई चैंपियन बनने वाली अलीशा और 5वें स्थान पर रहने वाले चेतन भट्ट को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी दिलवाई। कराटे के किसी भी कोच का नाम एशियाई खेलों की लांग लिस्ट में नहीं डाला गया था। जब अलीशा का एशियाड में जाना तय हो गया तो उन्होंने बीते माह आईओए से अपने कोच को साथ भेजने की गुहार लगाई। अलीशा ने आईओए से कई बार संपर्क साधा। इस दौरान उन्हें तैयारियों के लिए कोच के साथ 20 अगस्त से तीन सितंबर तक इस्तांबुल (तुर्किये) भी भेजा गया। अलीशा का कहना है कि उन्हें टीम लीडर से ज्यादा कोच की जरूरत है। कोच वजन के दौरान भी उनके साथ होता। कोच वजन सेट कराता है। उसके पास कोचिंग का लाइसेंस होता है। आईओए के अधिकारी का कहना है कि लांग लिस्ट में नाम नहीं होने के कारण कोच नहीं जा रहा है, लेकिन उनके पास यह जवाब नहीं था कि टीम लीडर को फिर कैसे भेजा जा रहा है।

इगा स्वियातेक यूएस ओपन से बाहर: झेंग क्विनवेन ने सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं, एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रायबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। इसके अलावा, कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से मात दी, जबकि मिर्रा आंद्रीवा ने अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

स्वियातेक को चीन की झेंग क्विनवेन ने हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। स्वियातेक ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन झेंग ने लगातार 7 गेम जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में उन्होंने स्वियातेक की सर्विस दो बार तोड़ी और 6-3 से मैच जीत लिया।

यह झेंग की लगातार दूसरी 0-5 से वापसी है। इससे पहले तीसरे राउंड में उन्होंने मैडिसन कीज के खिलाफ निर्णायक सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद मैच जीता था। उस मुकाबले में उन्होंने मैच पॉइंट भी बचाया था। झेंग क्वालिफाइंग राउंड से मुख्य ड्रॉ में पहुंची थीं और अब यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में हैं। वे 2021 में एम्मा राडुकानू के बाद इस टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर हैं।

2024 पेरिस ओलिंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट झेंग कभी वर्ल्ड नंबर-4 भी रह चुकी हैं, लेकिन पिछले साल कोहनी की सर्जरी के बाद उनकी रैंकिंग 121 तक गिर गई थी। दूसरी ओर, स्वियातेक 2022 की यूएस ओपन चैंपियन और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता हैं। झेंग के खिलाफ हार के बाद वह आर्थर ऐश स्टेडियम से आंसुओं के साथ बाहर गईं। झेंग ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडल मैच में भी स्वियातेक को हराया था।

एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को 66 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना झेंग से होगा। रायबाकिना के पास पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका है। झेंग को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचते ही वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर टॉप रैंक हासिल कर लेंगी।

रायबाकिना से हार के बाद चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने कहा कि अब वह हार को पहले की तरह नहीं लेतीं। वह उससे सीखने की कोशिश करती हैं। मैच के दौरान पैर में दर्द के कारण उनकी मूवमेंट भी प्रभावित हुई।

ओसाका ने कहा कि उनकी बेटी स्वस्थ है, परिवार अच्छा है और उन्हें यूएस ओपन में खेलने का मौका मिला। इसलिए वह इस हार से दुखी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह एक और ग्रैंड स्लैम जीतती हैं तो इससे उनकी जिंदगी नहीं बदलेगी। अमेरिका की कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने पहले सेट में दबदबा बनाया, जबकि दूसरे सेट में 18 साल की जॉविक ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गॉफ ने गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जॉविक ने तीसरे राउंड में अपनी करीबी दोस्त एलेक्स एला को तीन घंटे चले मुकाबले में हराया था। इस जीत के बाद वह पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंची थीं, जहां उनका सामना गॉफ से हुआ।

एशियन गेम्स: सट्टेबाजी से दूर रहने का देना होगा शपथ पत्र!

फिटनेस-डोपिंग और देश की छवि बचाने की लेनी होगी शपथ

नई दिल्ली, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ी जापान में होने वाले एशियाई खेलों में इस बार देश का प्रतिनिधित्व करने उतरेंगे तो वे आधिकारिक रूप से नैतिकता के बंधन में भी बंधे होंगे। भारतीय खिलाड़ियों को 19 सितंबर से ऐची-नागोया में होने जा रहे इन खेलों में उतरने से पहले अपनी फिटनेस और डोपिंग नियमों की जानकारी होने के साथ देश का नाम खराब नहीं करने, मैच फिक्सिंग और सट्टेबाजी से दूर रहने का शपथ पत्र देना होगा। साई ने सभी खेल संघों से एशियाड में भाग लेने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से शपथ पत्र भरवाने और नेशनल स्पोर्ट्स रिपोजिटरी सिस्टम (एनएसआरएस) पर रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया है। इसके तहत खिलाड़ी को अपनी और अपने जमीनी स्तर से इलीट स्तर के कोच की जानकारी मुहैया करानी होगी। शपथ पत्र के तहत खिलाड़ियों को अपना मेडिकल फिटनेस पत्र भी लगाना होगा। साई ने निर्देश दिया है कि कोई भी अनफिट खिलाड़ी एशियाई खेलों में भाग नहीं लेगा। ओलंपिक हों, एशियाई खेल या फिर राष्ट्रमंडल खेल, इनमें देश की प्रतिष्ठा दांव पर होती है। हालांकि इन खेलों से पहले मौखिक रूप से खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने और तिरंगे का मान रखने का पाठ पढ़ाया जाता है, लेकिन इस बार लिखित में शपथ पत्र भी देना होगा। जिसमें खेल भावना का ध्यान रखने, मैच फिक्सिंग, सट्टेबाजी, आयु की धोखाधड़ी से दूर रहने, अनुशासन में रहने और देश, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और अपने राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) का नाम नहीं खराब करने की बात कही गई है।

भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच के लिए जापान टीम घोषित

टोक्यो, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जापान ने भारत के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाले टी-20 मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। जापान के सानो शहर में होने वाले इस मुकाबले में केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग टीम के कप्तान होंगे। उन्होंने टी-20 में जापान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

दोनों देशों के बीच डिप्लोमेटिक रिलेशन के 75 साल पूरे होने पर यह एकमात्र मुकाबला खेला जा रहा है। इसे सुजुकी कप कहा गया है। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

एशियन गेम्स 2026 के मुकाबले जापान के आइची-नागोया शहर में खेले जाएंगे। इसमें क्रिकेट भी शामिल है।

सुजुकी कप का मैच एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट शेड्यूल से पहले खेला जाएगा। पुरुष कैटेगरी के ये मुकाबले 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेले जाएंगे।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत एशियन गेम्स के लिए टीम घोषित कर चुका है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी भी शामिल हैं। भारतीय टीम 19 सितंबर को सानो के लिए रवाना होगी। इसमें अगले दिन टीम प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेगी।

मुकाबले के लिए दोनों टीमें...

जापानः केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा-हिंजे, बेंजामिन गो-इतो डेविस, कोहेई कुबोटा, वातरु मियाउची, रियो सकुरानो-थॉमस, डेक्लन सुजुकी-मैककॉम्ब, शोमा सुगाया-स्लेटर, अलेक्जेंडर शिराई-पैटमोर, लचलान यामामोटो-लेक, माकोटो तानियामा, इब्राहिम ताकाहाशी, त्सुयोशी ताकादा, जेक कुसुडा-नैर्न और एलेस्टर कडोवाकी-फ्लेमिंग।

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

केविन पीटरसन इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के मेंटर बने

लंदन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटर नियुक्त किया है। वे साउथ अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे।

पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मैकुलम के अलावा मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- 'मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है।' इंग्लैंड व्हाइट बॉल के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा- 'मेरे मन में KP और क्रिकेट में उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत सम्मान है। इंग्लिश क्रिकेट पर उनका बहुत बड़ा असर रहा है। उनके अनुभव, ज्ञान और कद का व्यक्ति टीम के साथ काम करना चाहता है, यह शानदार बात है।' पीटरसन ने लगभग 10 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। उन्होंने 104 टेस्ट मैचों में 8181 रन बनाए। वहीं 136 वनडे में 4440 और 37 टी-20 में 1176 रन बनाए। वे एशेज और टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीकी टीम का ऐलान

बावुमा कप्तान, मिलर-डी कॉक शामिल, रबाडा बाहर

केप टाउन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान टेम्बा बावुमा टीम की कमान संभालेंगे।

टीम में डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को भी शामिल किया गया है। दोनों फिलहाल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के लिए खेले थे। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 14 सितंबर से होगी।

कगिसो रबाडा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, इसलिए वे इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह जेराल्ड कूट्जी की टीम में वापसी हुई है। कूट्जी ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद से कोई ओडीआई नहीं खेला है। पिछले तीन साल में कूट्जी कई चोटों से जूझ चुके हैं। उन्होंने जून में साउथ अफ्रीका A की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेला था। हाल ही में वह बांग्लादेश A के खिलाफ भी मैदान पर उतरे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका की ओडीआई टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज्के, जेराल्ड कोएत्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जोरज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को यानसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम

जैवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, पैट कमिंस (साउथ अफ्रीका सीरीज), जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मिचेल मार्श, ओली पीक, मैथ्यू रेनशॉ, बिली स्टेनलेक, मिचेल स्टार्क (साउथ अफ्रीका सीरीज), एडम जम्पा।

जर्मन फुटबॉलर पर साथी को जहर देने का आरोप

टीम ट्रिप में हुई थी मौत, बदला लेने के शक में 35 साल के मारियस गिरफ्तार

बर्लिन, 8 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी में 35 साल के फुटबॉलर मारियस को अपने साथी खिलाड़ी फिलिप को जहर देकर मारने के शक में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को शक है कि उसने जून 2025 में टीम की ड्रेसडेन ट्रिप के दौरान 30 साल के फिलिप को चुपके से जहर दिया था। करीब 15 महीने बाद हुई गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस मामले में बदले की आशंका से भी जांच कर रही है। फिलिप की तबीयत ड्रेसडेन से लौटने के बाद तेजी से बिगड़ गई थी। परिवार ने इमरजेंसी सेवाओं को फोन किया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन 16 जून 2025 को उसकी मौत हो गई। बाद में मेडिकल जांच में मौत की वजह सेप्टिक मल्टी-ऑर्गन फेल्योर सामने आई। शुरुआत में उसके करीबियों को लगा था कि टीम ट्रिप में मछली खाने के बाद उसे गंभीर फूड पॉइजनिंग हुई होगी। लेकिन बाद की जांच में मौत के पीछे जहर की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मामले में मारियस पर शक किया। रोकनवर्ग में चर्चा है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच एक महिला को लेकर विवाद हुआ था। इसी वजह से पुलिस बदले की आशंका को भी जांच का हिस्सा मान रही है। हालांकि, अब तक यह साबित नहीं हुआ है कि यही फिलिप की मौत की वजह थी। मारियस फिलहाल हिरासत में है। उसने पुलिस के सामने आरोपों पर कोई बयान नहीं दिया है। मामले में उसे दोषी भी नहीं ठहराया गया है। उसके या उसके वकीलों की ओर से भी अभी कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मारियस की गिरफ्तारी से टूस रोकनवर्ग के खिलाड़ी और अधिकारी हैरान हैं। क्लब के फुटबॉल प्रमुख मैनुएल बारूफे ने स्थानीय मीडिया से कहा, 'हम सभी हैरान हैं।'

रोहित यादव अंडर-19 ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर

मुंबई, 8 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की अंडर-19 टीम से बाहर किए गए रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तन्मय बलोदा को शामिल किया गया है। आर्यन को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए, जबकि तन्मय को मल्टी-डे मैच के लिए टीम में चुना गया है।

बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर एज फ्रॉड के लिए बीसीसीआई ने शुक्रवार को 2 साल का बैन लगाया था। वे जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। उम्र में गड़बड़ी सामने आने के बाद उन्हें तुरंत टीम से बाहर कर दिया गया।

रोहित पर कार्रवाई की जानकारी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल की प्रक्रिया के तहत सामने आई। सीएबी ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन दस्तावेज जांच अभियान चलाया था। इसी दौरान रोहित की उम्र से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके रिकॉर्ड में उम्र का अंतर 27 महीने का है।

रोहित ने बंगाल की अलग-अलग आयु वर्ग की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। सीएबी ने इसी तरह की उम्र संबंधी गड़बड़ियों के कारण 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। इन खिलाड़ियों में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम के पूर्व सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। रवि ने कैरेबियन में इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की कप्तानी लक्ष्य रायचंदानी करेंगे। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। 4-दिवसीय मैचों में दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे।

वनडे टीम में पूर्व भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी शामिल हैं। अन्वय जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने दूसरे वनडे में 87 रन बनाए थे।

अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर हैं। वह वनडे टीम में रजत बघेल के साथ दो विकेटकीपरों में शामिल हैं।

विधानसभा में लगातार दूसरे दिन जुबानी जंग छिड़ी

> बीआरएस सदस्य काले बैच पहनकर सदन में दाखिल हुए

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार सुबह विधानसभा परिसर में हुई घटनाओं को लेकर मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तीखी बहस छिड़ गई।

कार्यवाही में तनाव तब बढ़ गया जब स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार ने बीआरएस विधायक टी. हरीश राव के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनसे कहा, 'गुस्सा आपको नहीं, बल्कि मुझे होना चाहिए।' विधानसभा की कार्यवाही के दूसरे दिन की शुरुआत होते ही, विरोध जताते हुए बीआरएस सदस्य काले बैज पहनकर सदन में दाखिल हुए। वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ महिला विधायकों सबिता इंदिरा रेड्डी और सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हरीश राव ने कहा कि घटना में कथित तौर पर शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, पुलिस ने विधायकों की शिकायत के बाद उनके खिलाफ मामले दर्ज कर लिए हैं। उन्होंने इस घटना को तेलंगाना भर की महिलाओं का अपमान बताया। बहस में हस्तक्षेप करते हुए स्पीकर प्रसाद कुमार ने हरीश राव की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सदन और वे व्यक्तिगत रूप से सभी महिला सदस्यों का बहुत सम्मान करते हैं और उन्होंने हरीश राव द्वारा इस तरह का गुस्सा दिखाने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। स्पीकर ने भावुक होते हुए कहा गुस्सा आपको नहीं, बल्कि मुझे होना चाहिए। उन्होंने आपकी मां का अपमान नहीं किया; उन्होंने मेरी मां का अपमान किया। प्रसाद कुमार ने कहा कि वे सबिता इंदिरा रेड्डी, सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और कोवा लक्ष्मी को अपनी आठ सगी बहनों के साथ-साथ अपनी बहनें मानते हैं। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया कि महिला सदस्यों के प्रति कथित दुर्व्यवहार की रिपोर्ट मिलते ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बीआरएस सदस्यों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनका आचरण अध्यक्ष को धमकाने के समान था। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी पीठासीन अधिकारी के प्रति ऐसा व्यवहार पहले कभी नहीं देखा और इस बात पर जोर दिया कि सदन धमकी भरे माहौल में कार्य नहीं कर सकता। श्रीधर बाबू ने कहा, 'स्पीकर को अपमानित करने वाली टिप्पणियों की निंदा करना बीआरएस नेताओं की जिम्मेदारी है।' कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने भी विपक्ष की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि बीआरएस सदस्य अध्यक्ष के खिलाफ कथित अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी में लिप्त हैं।

लक्कड़ी तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नए अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राजा शेखर रेड्डी लक्कड़ी, आईआरएस (सेवानिवृत्त), को तत्काल प्रभाव से तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने मार्च 2024 में टीजीपीसीबी (टीजीपीसीबी) के गठन से संबंधित पूर्व अधिसूचना में संशोधन करते हुए आदेश जारी किए, जिसमें मुख्य सचिव को अध्यक्ष बनाया गया था। सरकार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में लक्कड़ी के विशेष ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव को देखते हुए उनका चयन किया गया है। नियुक्ति आदेश जारी होने की तारीख से उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। यह नियुक्ति जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 4(1) और 4(2) के साथ धारा 5 के तहत की गई थी। सरकार ने स्पष्ट किया कि टीजीपीसीबी के गठन से संबंधित पिछले आदेश की अन्य सभी शर्तें और नियम अपरिवर्तित रहेंगे।

बीआरएस की महिला सदस्यों से जुड़ी घटना के आरोपों की गहन जांच होगी

> विधानसभा अध्यक्ष ने हरीश राव की प्रतिक्रिया पर नाराजगी व्यक्त की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार ने मंगलवार को इस बात पर निराशा व्यक्त की कि पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने अध्यक्ष के पद की गरिमा को कथित रूप से ठेस पहुंचाने वाली घटना के लिए माफी मांगने के बजाय, विधानसभा की कार्यवाही के दौरान वास्तविक मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश की। विधानसभा में अपने कक्ष में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान प्रसाद कुमार ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक करियर में ऐसी घटना कभी नहीं देखी और उन्होंने कहा कि इससे पूरे राज्य में व्यापक चिंता फैल गई है।

अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान सरकार ने के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार की तरह तानाशाही तरीके से काम नहीं किया है, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने विपक्षी सदस्यों को तुरंत अयोग्य घोषित नहीं किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस की महिला सदस्यों से जुड़ी घटना के आरोपों की गहन जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, प्रसाद कुमार ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर), विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और एमएलसी नवीन रेड्डी ने विधानसभा परिसर में पुलिसकर्मियों पर हमला किया था। सदन के अंदर पहनावे पर लगे प्रतिबंधों को स्पष्ट करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने कोई नए नियम नहीं बनाए हैं और केवल केसीआर सरकार के कार्यकाल में 2014 में बनाए गए विधानसभा नियमों को ही लागू कर रहा है।

उन्होंने कहा कि नारे लिखे टी-शर्ट सदन के अंदर पहनने की अनुमति नहीं है क्योंकि वे मौजूदा नियमों का उल्लंघन करते हैं। संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर उद्योगपति गौतम अडानी की तस्वीरों वाले कपड़े पहनने के संदर्भ में पूछे जाने पर, प्रसाद कुमार ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई घटना नहीं देखी है। अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सत्र से पहले विपक्ष के नेताओं से शिष्टाचारपूर्वक संपर्क करने की प्रथा के अनुसार, उन्होंने विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव को भी फोन किया था। प्रसाद कुमार ने कहा, 'केसीआर ने मुझे बताया कि अगर उनका स्वास्थ्य ठीक रहा तो वे सत्र में शामिल होंगे।' अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि विधानसभा की गरिमा और पवित्रता की रक्षा के लिए किसी के भी खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए उनके पास पूर्ण संवैधानिक शक्तियां हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही पैनल अध्यक्ष कडियम श्रीहरि की अध्यक्षता में संचालित की जाएगी।

मंत्री ने बतुकम्मा लघु फिल्म चैलेंज पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमातिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को 'बतुकम्मा यंग फिल्ममेकर्स चैलेंज-2026' का पोस्टर जारी किया और उभरते फिल्म निर्माताओं से तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का आह्वान किया।

इस पहल का उद्देश्य राज्य के प्रतिष्ठित पुष्प उत्सव बतुकम्मा को उजागर करके युवाओं में रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है – साथ ही लघु फिल्मों, गीतों और वीडियो सामग्री के माध्यम से स्थानीय लोक कलाओं, परंपराओं और चल रहे सार्वजनिक विकास और कल्याण कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देना है। शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने छात्रों, युवा निर्देशकों और कलाकारों से बड़ी संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवाओं को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक स्तर पर विकासात्मक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। लॉन्च कार्यक्रम में एमएलसी शंकर नाइक, तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के प्रबंध निदेशक जी. मुकुंद रेड्डी, राज्य सरकार के क्रिएटिव डायरेक्टर राज कोंडा और सेटविन के पूर्व अध्यक्ष गिरिधर रेड्डी उपस्थित थे।

सीतक्का ने बीआरएस नेताओं पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री सीतक्का ने विधानसभा परिसर में हुई घटनाओं पर विधान परिषद में आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और घटना का फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर स्पीकर को मौखिक रूप से गाली देने का आरोप भी लगाया, जबकि स्पीकर ने इन आरोपों का खंडन किया। बीआरएस के पूर्व शासनकाल का जिक्र करते हुए सीताक्का ने आरोप लगाया कि उस समय विपक्षी नेताओं को मंच के पास भी नहीं जाने दिया जाता था। पूर्व मंत्रियों सबिता इंदिरा रेड्डी और सुनीता लक्ष्मा रेड्डी से संबंधित आरोपों पर सीतक्का ने कहा कि यदि पुलिसकर्मियों ने अनुचित व्यवहार किया है तो सरकार कार्रवाई करेगी।

तेलंगाना से फिलीपींस को चावल का निर्यात बढ़ाने की कोशिश : उत्तम

> मंत्री की फिलीपींस कैबिनेट के सदस्य फ्रांसिस्को पी. टू लॉरेल जूनियर से मुलाकात

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में फिलीपींस गणराज्य के कृषि सचिव और फिलीपींस कैबिनेट के सदस्य फ्रांसिस्को पी. टू लॉरेल जूनियर से मुलाकात की और तेलंगाना और फिलीपींस के बीच चावल निर्यात और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। लॉरेल का पद भारत में कृषि और खाद्य संबंधी मामलों को संभालने वाले केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के समकक्ष है।

बैठक के दौरान, उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना के भारत के अग्रणी धान उत्पादक राज्यों में से एक के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला, और इस बात पर जोर दिया कि राज्य के पास पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाले चावल की आपूर्ति करने के लिए आवश्यक उत्पादन क्षमता, आधुनिक चावल मिलिंग अवसंरचना और विशेषज्ञता मौजूद है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि फिलीपींस तेलंगाना से चावल की खरीद बढ़ाए। सचिव लॉरेल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और संकेत दिया कि फिलीपींस राज्य से अधिक मात्रा में चावल खरीदने की संभावना पर विचार करेगा। दोनों पक्षों ने उचित सरकारी एजेंसियों, मान्यता प्राप्त आयातकों और निर्यातकों तथा चावल मिल मालिकों के माध्यम से प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। ये चर्चाएँ इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि फिलीपींस को आयातित चावल की काफी आवश्यकता है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना प्रतिस्पर्धी कीमतें, लगातार अच्छी गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति प्रदान कर सकता है और फिलीपींस के लिए एक विश्वसनीय दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर सकता है। बैठक में चावल की किस्मों, गुणवत्ता मानकों, मूल्य निर्धारण, खरीद तंत्र, रसद, प्रमाणन प्रक्रियाओं और स्वच्छता एवं पौध स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं पर भी चर्चा हुई।

दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की कि अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों को इन पहलुओं की जांच करनी चाहिए और चर्चाओं को ठोस व्यापार अवसरों में बदलने के लिए एक व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। सचिव लॉरेल ने तेलंगाना से मांस उत्पाद और गुणवत्तापूर्ण बीज खरीदने में भी रुचि व्यक्त की। इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य में बीज उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध कृषि क्षेत्रों में मजबूत क्षमताएं हैं।

कांग्रेस विधायक शंकर की केसीआर के खिलाफ टिप्पणी से राजनीतिक बवाल

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के खिलाफ कांग्रेस विधायक वीरलापल्ली शंकर की विवादास्पद टिप्पणियों ने राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है।

राजनीतिक आलोचना की सीमाओं को पार करते हुए, शंकर ने कथित तौर पर कहा कि वे न केवल 1,000 ढोल बजाएंगे बल्कि जरूरत पड़ने पर 'मौत का ढोल' भी बजाएंगे। विधायक ने कथित तौर पर यह भी कहा कि वे केसीआर की मौत चाहते हैं और उनकी मृत्यु की कामना कर रहे हैं। उन्होंने केसीआर को तेलंगाना पर 'अभिशाप' बताया और आपत्तिजनक एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पर तीखा हमला किया। इन टिप्पणियों की बीआरएस नेताओं और समर्थकों ने कड़ी आलोचना की है, जिन्होंने सवाल उठाया है कि एक जिम्मेदार जन प्रतिनिधि एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ इस तरह की आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी कैसे कर सकता है। विपक्षी नेताओं और लोकतांत्रिक कार्यकर्ताओं ने भी कथित टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जन प्रतिनिधियों को लोगों के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि ऐसे बयान देने चाहिए जिन्हें किसी व्यक्ति के जीवन के लिए खतरा माना जा सकता है।

टीजीएस ने डब्ल्यूडब्ल्यूए प्रमुख से अपील की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गंगापुत्र संगम ने डी रमादेवी को तेलंगाना गंगापुत्र वर्किंग वूमेंस एसोसिएशन की प्रमुख नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। गंगापुत्र राज्य परिषद के सचिव टी राजेश खन्ना ने आज रमा देवी से मुलाकात की और उनसे गंगापुत्र महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए काम करने तथा उनकी शिक्षा और रोजगार संबंधी समस्याओं के समाधान में सहयोग देने का अनुरोध किया। उन्होंने रमा देवी से महिलाओं द्वारा सामना की जा रही समस्याओं की पहचान करने और संबंधित अधिकारियों के समक्ष उन्हें उठाने की भी अपील की।

'सिर्फ नौकरी की तलाश मत करो, बल्कि नौकरियां पैदा करो' : शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के 85वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलाधिपति शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को स्नातकों से अपने कौशल को लगातार उन्नत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने और केवल नौकरी चाहने वालों के बजाय नवप्रवर्तक और उद्यमी के रूप में उभरने का आग्रह किया।

टैगोर सभागार में उस्मानिया विश्वविद्यालय के 85वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवीय मूल्यों से समझौता किए बिना जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जानकारी प्रदान कर सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय मनुष्य द्वारा समझ, नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और करुणा के आधार पर लिया जाना चाहिए। दीक्षांत समारोह में भारत बायोटेक के सह-संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कृष्णा एला मुख्य अतिथि के रूप में, उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम, राज्यपाल के संयुक्त सचिव के. शाही किरानाचारी, संकाय सदस्य, शोधार्थी, स्नातक और अभिभावक उपस्थित थे। राज्यपाल ने युवाओं को विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बताते हुए छात्रों से ज्ञान को उद्देश्य से और सफलता को सामाजिक सेवा से जोड़ने तथा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 1917 में स्थापित उस्मानिया विश्वविद्यालय ने अपने 109 वर्षों के इतिहास में शिक्षा, अनुसंधान और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि एनएएसी ए+ मान्यता, राष्ट्रीय रैंकिंग, अनुसंधान विस्तार और सहयोग इसके विकास को दर्शाते हैं, लेकिन उत्कृष्टता एक सतत प्रक्रिया है।

शुक्ल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, अनुसंधान, नवाचार और सतत विकास पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षा का विस्तार करने और सामाजिक चुनौतियों से निपटने वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। स्नातकों से विनम्र रहने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, बड़े सपने देखें, लेकिन अपनी जड़ों से जुड़े रहें। प्रौद्योगिकी को अपनाएं, लेकिन मानवता को कभी न छोड़ें। इसके अलावा, राज्यपाल ने छात्रों से नशे से दूर रहने और नशे को ना — जीवन को हां की प्रतिज्ञा को एक व्यापक सामाजिक आंदोलन में बदलने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि लोक भवन ने मानसिक परामर्श और कल्याण केंद्र 'सहायम' को 40.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णा एला ने छात्रों से अपने माता-पिता द्वारा उनकी शिक्षा के लिए किए गए बलिदानों को याद रखने का आग्रह किया। कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बाद में कुलाधिपति, मुख्य अतिथि और कुलपति ने पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान कीं और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

बाहर हुई घटनाओं के लिए सदस्यों को निलंबित करने का अधिकार सभापति को नहीं : देशपति श्रीनिवास

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी देशपति श्रीनिवास ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में लोकतांत्रिक और विधायी व्यवस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का दिन तेलंगाना की विधायिका के लिए ग्रहण के समान है। देशपति श्रीनिवास के अनुसार, सदन को करीब पांच घंटे तक स्थगित रखा गया और कार्यवाही शुरू होते ही बीआरएस के सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव लाया गया। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस के पास बहुमत होने के बावजूद महज एक मिनट में दो सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने इसे गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सदन के बाहर हुई घटनाओं के लिए सदस्यों को निलंबित करने का अधिकार सभापति को नहीं है और केवल सदन के भीतर हुई घटनाओं पर ही ऐसी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि निलंबन के नियम के बारे में पूछने पर मार्शलों के जरिए सदस्यों को बाहर भेज दिया गया। देशपति श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि बीआरएस के सदस्यों के साथ मारपीट की जा रही है और पुलिस द्वारा भी कथित तौर पर शारीरिक बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला विधायकों के साथ कथित दुर्व्यवहार के दौरान वे रो पड़ीं और सवाल किया कि क्या उनके आंसुओं की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने सरकार पर विपक्ष को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाइड्रा के नाम पर गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं और यहां विपक्षी सदस्यों को बुलडोज किया जा रहा है। उन्होंने सरकार को बुलडोजर सरकार करार दिया। राहुल गांधी के काले कपड़ों और उस पर मोदी-अडानी से जुड़े कैरिकेचर व नारों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल किया कि अगर उनके लिए एक नियम है तो विपक्ष के लिए दूसरा नियम क्यों। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि किसके निर्देश पर बीआरएस सदस्यों को सदन में आने से रोका गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की भाषा को लेकर चर्चा की मांग पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को भी अपने शब्दों और व्यवहार के लिए जवाबदेह होना चाहिए।

विधायक पद्मावती ने स्पीकर के खिलाफ की गई टिप्पणियों की निंदा की

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोदाड की विधायक एन. पद्मावती रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना विधानसभा में भावुक होकर बोलते हुए स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों और सोमवार को विधानसभा में बीआरएस सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के साथ किए गए व्यवहार की कड़ी निंदा की। विधानसभा में बोलते हुए पद्मावती रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक विरोध एक मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका इस्तेमाल वर्दीधारी महिलाओं का अपमान करने, कर्तव्य का पालन कर रहे कर्मियों को नीचा दिखाने या संवैधानिक संस्थानों की गरिमा को कम करने के लाइसेंस के रूप में नहीं किया जा सकता है। जब उन्होंने सदस्यों से विरोध प्रदर्शन के दौरान तैनात युवा महिला कांस्टेबलों द्वारा झेली गई कठिनाइयों की कल्पना करने के लिए कहा तो उनकी टिप्पणियां भावुक हो गईं।

उन्होंने कहा, जरा सोचिए उन महिला कांस्टेबलों पर क्या बीती होगी जब कई पुरुषों ने उनके सामने ही अपने कपड़े उतार दिए। मुझे बेहद दुख है कि इन महिला कर्मियों को सिर्फ अपना कर्तव्य निभाते हुए ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा। पद्मावती रेड्डी ने कहा कि वह न केवल एक विधायक के रूप में बल्कि एक महिला नागरिक के रूप में भी बोल रही हैं, और उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के प्रति कथित व्यवहार पर आक्रोश व्यक्त किया। बीआरएस विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि सदस्यों द्वारा विरोध के प्रतीक के रूप में काले कपड़े पहनने पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, उन्होंने कहा कि नारे लिखे टी-शर्ट प्रभावी रूप से तख्तियों के समान हैं, जिनकी विधानसभा हॉल के अंदर अनुमति नहीं है। शिकायत को संक्षेप में पढ़ते हुए, पद्मावती रेड्डी ने कहा कि महिला विधायकों ने वर्दीधारी महिला पुलिस अधिकारियों के साथ किए गए व्यवहार से संबंधित मीडिया रिपोर्टों और वीडियो फुटेज को देखने के बाद 'गहरे आक्रोश और पीड़ा' के साथ आयोग से संपर्क किया था। अध्यक्ष और चेयर के खिलाफ कथित तौर पर की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए पद्मावती रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को कभी भी विधायिका की संस्था के प्रति सम्मान को कम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

जन्मदिन की पार्टी में हथियार के साथ स्टंट करने पर तीन लोगों पर केस दर्ज

खम्मम, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम टू-टाउन पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है, जिन्होंने जन्मदिन की पार्टी के दौरान तलवार और चाकू से स्टंट किए, उन स्टंट्स का वीडियो बनाया और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। पुलिस सब-इंस्पेक्टर रमेश ने बताया कि पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने इन वायरल वीडियो पर नज़र रखी और घटना में शामिल तीन लोगों की पहचान की। जिनमें शहर के शेख खादर और सैयद समीर, और खम्मम ग्रामीण मंडल के शेख समीर हैं।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य : निर्मला जग्गारेड्डी

संगारेड्डी , 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी डीसीसी अध्यक्ष निर्मला जग्गारेड्डी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना ही पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने मंगलवार को संगारेड्डी शहर में आयोजित आदिवासी कांग्रेस संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। इस अवसर पर निर्मला जग्गारेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आजादी से पहले से ही देश की जनता की सेवा करती आ रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने आदिवासी समुदाय को विशेष पहचान और महत्व दिया था। कार्यक्रम में मौजूद आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष लिंगम नायक ने कहा कि आदिवासी, यानादी और चेंचू समुदाय शुरुआत से ही कांग्रेस पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के लिए काम कर रहे प्रत्येक आदिवासी कार्यकर्ता को उचित पहचान और अवसर देने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने इच्छुक कार्यकर्ताओं से जिला समिति के लिए आवेदन करने की अपील की।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना कांग्रेस की प्राथमिकता : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 8 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना कांग्रेस के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की आकांक्षा है। सीएलपी में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने बीआरएस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि एमएलसी ताता मधु द्वारा की गई टिप्पणियां बीआरएस की स्क्रिप्ट का हिस्सा थीं और उन्हें एक रणनीति के तहत भेजा गया था। उन्होंने कहा कि ताता मधु की टिप्पणियों की विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव ने अब तक निंदा नहीं की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.